लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संजय दत्त की आखिरी सवाल 15... 11

वर्ष - 01, अंक - 357 | गाजियाबाद / मंगलवार 31 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

बैंक लॉकर से सामान गायब तो मिलेगा वार्षिक फीस का 100 गुणा मुआवजा

- सामान के बाजार मूल्य अनुसार संभव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि लॉकर में रखे सामान का नुकसान होने पर बैंक वार्षिक फीस का 100 गुना का मुआवजा लॉकर धारक को दे सकता है। वित्त मंत्री ने लोकसभा में बैंक लॉकर में रखे गए पूरे सामान की वैल्यू पर मुआवजा मिलने को लेकर पूछे गए सवाल का जबाव देते हुए कहा कि यह लिमिट इस वजह से निर्धारित की गई है, क्योंकि बैंक को नहीं पता होता है कि ग्राहक द्वारा बैंक लॉकर में क्या-क्या सामान रखा गया है और बैंक द्वारा किसी भी ग्राहक से लॉकर में रखी चीजों की जानकारी मांगना बैंकिंग गोपनीयता नियमों के खिलाफ है। आगे वित्त मंत्री ने कहा कि वस्तु-वार मूल्यांकन या बीमा संभव न होने के कारण, बैंक लॉकर में रखे सामान का नुकसान होने पर भरपाई के लिए एक मानकीकृत क्षतिपूर्ति ढांचा लागू किया जाता है। अलग-अलग कवरेज की मांग करने पर सामान की जानकारी सार्वजनिक करनी होगी, जिसकी अनुमति बैंकिंग नियमों में नहीं है।

कैसे निर्धारित होता है मुआवजा?

बैंक लॉकर नियमों के मुताबिक, अगर लॉकर में रखा सामान बैंक की अनदेखी, कर्मचारी की धोखाधड़ी, आग, चोरी, डकैती, सेंधमारी और लूटपाट जैसी घटाना के कारण गायब हो जाता है तो बैंक को लॉकर धारक को मुआवजा देना है, जो कि लॉकर के लिए बैंक द्वारा ली जा रही वार्षिक फीस का 100 गुना होगा। उदाहरण के लिए अगर बैंक लॉकर के लिए 5,000 रुपए प्रति वर्ष चार्ज कर रहा है, तो लॉकर में उपरोक्त कारणों से नुकसान होने पर उसे ग्राहक को 5,00,000 रुपए का मुआवजा देना होगा।

पेंशन बढ़ाने पर जांच-परख के बाद होगा फैसला

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को लोकसभा में कहा कि कर्मचारी पेंशन निधि के तहत पेंशन पाने वाले कर्मचारियों की पेंशन बढ़ाने पर सरकार संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पेंशन कंट्रीब्यूशन के आधार पर तय की जा रही है। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था में सबको पेंशन मिलनी चाहिए और राशि भी ठीक मिलनी चाहिए लेकिन राशि का निर्धारण तकनीकी आधार पर होता है और जो पैसा आ रहा है वह ज्यादा पेंशन देने के लिए अभी पर्याप्त नहीं है। अभी जो पैसा है उसके हिसाब से 10000 रुपए देना भी संभव नहीं हो रहा है। सब स्थितियों को देखने परखने के बाद पेंशन बढ़ाने पर निर्णय लिया जाएगा।

नितिन नबीन का विस और नीतीश का विधान परिषद से इस्तीफा

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में सोमवार को दो बड़े इस्तीफे हुए। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बिहार विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे को विधानसभा के स्पीकर प्रेम कुमार ने स्वीकार कर लिया। उनके साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी बिहार विधान परिषद की सदस्यता छोड़ दी। दोनों नेता हाल ही में राज्यसभा के लिए चुने गए थे। नितिन नबीन बिहार की बांकीपुर सीट से विधायक थे। वे लगातार पांच बार इसी सीट से जीतते आए हैं।

हरियाणा-पंजाब में तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि की आशंका

- सरसा, फतेहाबाद व कोटा में फिर गिरे ओले
- अब उत्तर भारत में 4 अप्रैल तक परिवर्तनशील रहेगा मौसम

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने हरियाणा, पंजाब, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सहित उत्तर-पश्चिम भारत में अगले चार दिनों तक परिवर्तनशील मौसम की चेतावनी जारी की है। उधर सोमवार दोपहर बाद हरियाणा के सिरसा में फतेहाबाद जिलों में तेज हवा के साथ हुई बारिश के दौरान दूसरे दिन भी ओले गिरे। इस दौरान सबसे अधिक ओलावृष्टि फतेहाबाद के रतिया में हुई। इससे पहले भी रविवार को सरसा के पनिहारी व

फतेहाबाद के भिरड़ाना में ओलावृष्टि हो चुकी है। 31 मार्च से शुरू होकर 4 अप्रैल तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

अगले 24 घंटों के दौरान हरियाणा,पंजाब, राजस्थान,दिल्ली एनसीआर व उत्तरप्रदेश में गरज-चमक के साथ ओलावृष्टि और 30-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाओं का दौर चलेगा। इसी के साथ जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड व हिमाचल के लिएक भी ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया गया है। 31 मार्च को कश्मीर घाटी में भारी बारिश-बर्फबारी का रिस्क है। आईएमडी के अनुसार निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर पश्चिम राजस्थान और पंजाब-हरियाणा के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है, जो उत्तर-पूर्वी अरब सागर तक फैला हुआ है। इसके प्रभाव से 31 मार्च को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में छिटपुट से मध्यम हल्की वर्षा के साथ गरज-बिजली और 30-50 किमी/घंटा की हवाएं चलेंगी। पश्चिमी राजस्थान में भी यही स्थिति रहेगी। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली-एनसीआर में 3 से 5 अप्रैल तक, पश्चिमी राजस्थान में 2 से 4 अप्रैल, पूर्वी राजस्थान में 3-4 अप्रैल तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 4-5 अप्रैल को बारिश-हवाओं का दौर जारी रहेगा।

धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध, रास में हंगामा

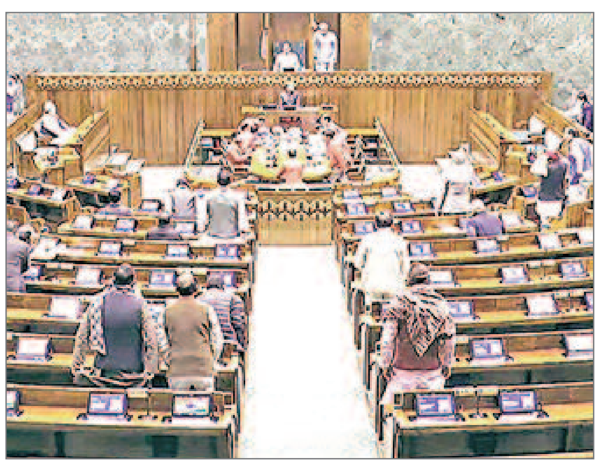

- विपक्ष का वॉकआउट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में सोमवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब भाजपा सांसद के. लक्ष्मण ने ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) श्रेणी से मुस्लिम समुदाय को बाहर किए जाने का मुद्दा उठाया।

शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण का लाभ केवल सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों को मिलना चाहिए और इसे धर्म के आधार पर नहीं दिया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध जताया। विवाद बढ़ने के बाद विपक्ष ने सरकार के रुख के खिलाफ विरोध स्वरूप सदन से वॉकआउट कर दिया। 'इंडिया' एलायंस सांसदों ने इसे विभाजनकारी मुद्दा बताया। इसे संविधान और सामाजिक न्याय के खिलाफ बताया गया।

भाजपा के राज्यसभा सदस्य के. लक्ष्मण ने सदन में कर्नाटक में मुस्लिम समुदाय को ओबीसी सूची में एक श्रेणी के रूप में शामिल कर लगभग 4 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का उल्लेख किया। वहीं पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय को ओबीसी श्रेणी में शामिल किया गया है, जिससे वास्तविक पिछड़े वर्गों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं।

29 इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग प्रस्तावों को केंद्र से मिली मंजूरी

7,104 करोड़ रुपए के निवेश से पैदा होंगी 14,000 से ज्यादा नौकरियां

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार ने सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम के तहत 29 नए आवेदनों को मंजूरी दी। इसका उद्देश्य देश के इलेक्ट्रॉनिक्स के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन के अनुसार, इन नए प्रस्तावों में कुल 7,104 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है।

उन्होंने आगे कहा कि इस नए निवेश से लगभग 14,246 रोजगार सृजित होने की उम्मीद है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा।

कृष्णन ने यह भी कहा कि स्वीकृत परियोजनाओं से 84,515 करोड़ रुपए के इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट का उत्पादन होगा। मौजूदा मंजूरी के साथ, इस योजना के तहत स्वीकृत आवेदनों की कुल संख्या अब 75 हो गई है। साइबर सुरक्षा पर बोलते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में विदेशी तकनीकों पर निर्भर नहीं रह सकता।

उन्होंने एनआईईएलआईटी कोहिमा स्थित साइबर सुरक्षा प्रयोगशाला को अत्याधुनिक और देश की सर्वश्रेष्ठ प्रयोगशालाओं में से एक बताया, जो साइबर पुलिसिंग में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

जम्मू-कश्मीर: बर्फ में फंसे पर्यटक 22 वाहनों को सुरक्षित निकाला

श्रीनगर (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर में सोमवार को बचाव अभियान में पर्यटकों और अन्य यात्रियों को ले जा रहे 22 वाहनों को सुरक्षित रूप से निकाला गया। अधिकारियों ने बताया कि बांदीपोरा के जिला प्रशासन ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग (एमईडी) और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के साथ मिलकर यह अभियान चलाया गया। दरअसल अचानक बर्फ जमा होने, कीचड़ खिसकने और चट्टानें गिरने से सड़क बंद हो जाने के कारण, खासकर राजदान टॉप के पास पर्यटकों और यात्रियों को ले जा रहे 22 वाहन कई जगहों पर फंस गए थे। तेज हवाओं और तूफानी मौसम की वजह से स्थिति और भी खराब हो गई थी, जिससे बचाव अभियान में लगे कर्मचारियों के सामने काफी चुनौतियां खड़ी हो गईं। फंसे हुए पर्यटकों से एसओएस संदेश मिलने पर, जिला प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की।

जनगणना-2027 की तैयारियां अंतिम चरण में, अप्रैल में शुरू होगा पहला चरण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के रजिस्ट्रार जनरल (आरजीआई) और जनगणना आयुक्त ने सोमवार को घोषणा की कि आगामी जनगणना की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। पहले चरण में मकानों की सूची और आवास जनगणना (एचएलओ) के लिए कार्य अप्रैल से कई राज्यों में शुरू होने वाला है। नई दिल्ली के राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि जनगणना-2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। मकानों की सूची (एचएलओ) और जनसंख्या गणना (पीई)- के लिए 1 मार्च 2027 को संदर्भ तिथि के रूप में निर्धारित किया गया है। लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे हिमपातग्रस्त क्षेत्रों के लिए 1 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है।

लश्कर कमांडर शब्बीर अहमद लोन गिरफ्तार

फरार आतंकी सरगना शेख सज्जाद गुल की तलाश जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने बंगलादेश सीमा के पास से एक समन्वित कार्रवाई में लश्कर-ए-तैयबा (लश्कर) के कमांडर शब्बीर अहमद लोन को गिरफ्तार कर लिया। मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि लोन ढाका के बाहरी इलाके में स्थित एक गुप्त ठिकाने से लश्कर का एक मॉड्यूल चला रहा था। यह सफलता दो महीने की कड़ी मशक्कत भरी खोज के बाद मिली, जिसकी निगरानी खुद दिल्ली

पुलिस के आयुक्त सतीश गोलचा कर रहे थे। विशेष कार्यबल लोन की गतिविधियों पर तब से ही बारीकी से नज़र रख रहा था जब खुफिया जानकारी से यह संकेत मिला था कि वह दिल्ली, कोलकाता और तमिलनाडु में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और उन्हें संगठन में भर्ती करने में शामिल है।

कुवैत में एक और भारतीय की मौत

कुवैत सिटी (एजेंसी)। सोमवार तड़के ईरान के हमले में कुवैत के एक बिजली और जल विलवणीकरण (डिसेलिनेशन) संयंत्र पर काम कर रहे एक भारतीय कर्मचारी की मौत हो गई। इसके साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में मरने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या बढ़कर आठ हो गई।

आज चीन जाएंगे पाकिस्तानी विदेश मंत्री

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार आज बीजिंग जाएंगे। बताया जा रहा है कि डार की इस यात्रा का मकसद अमेरिका-ईरान वार्ता की मेजबानी की योजना के लिए चीन का समर्थन हासिल करना है। बता दें कि पाकिस्तान ने क्षेत्रीय कूटनीतिक प्रयासों को समन्वित करने के लिए रविवार को सऊदी अरब, तुर्की और मिस्र के विदेश मंत्रियों की मेजबानी की थी।

राजस्थान: 12वीं का परीक्षा परिणाम आज

जयपुर (ब्यूरो)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम मंगलवार को जारी किया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर 31 मार्च को प्रात: दस बजे जारी करेंगे।

डॉलर के मुकाबले रुपया पहली बार 95 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में तनाव के कारण डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को पहली बार 95 के स्तर को पार 95.2 के निचले स्तर पर पहुँच गया। हालांकि, दिन के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 94.83 के स्तर पर बंद हुआ, जो कि शुक्रवार के बंद 94.81 से 0.3 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। अकेले मार्च में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले भारतीय मुद्रा ने 4.4 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक प्रवर समिति को भेजा जाए: विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के प्रशासन में सामान्य सुधार से संबंधित विधेयक को राज्यसभा में विपक्ष ने संवैधानिक व्यवस्थाओं के विरुद्ध तथा इन बलों के वरिष्ठ काडर के मनोबल को गिराने वाला बताते हुए इसका विरोध किया और इसे प्रवर समिति को भेजे जाने पर जोर दिया। केंद्रीय पुलिस बलों में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीए) के अधिकारियों की प्रति नियुक्ति के प्रावधान और इन बलों की सेवा शर्तों एकीकृत व्यवस्थाओं के प्रावधान वाले इस विधेयक का विरोध करते हुए विपक्षी सदस्यों ने कहा कि इससे केंद्र के पास बहुत अधिक अधिकार केंद्रित हो जाएंगे। विधेयक पर चर्चा में द्रमुक के तिरुची शिवा ने कहा कि इन बलों में 13 लाख कर्मचारी और अधिकारी है और प्रोन्नतियों के अवसर सीमित होने, काम की कठिन परिस्थितियों और लाभ तथा सुविधाओं की कमी से इन बलों में निराशा बढ़ी। उन्होंने इसी संदर्भ में केंद्रीय पुलिस बलों में तीन साल में438 कर्मियों की आत्महत्या, 50 हजार से अधिक इस्तीफो का जिक्र किया। इसके अलावा विधेयक पर तृणमूल कांग्रेस के नदीमुल हक, बीजू जनता, राष्ट्रीय जनता दल के संजय यादव और अन्नाद्रमुक से एम थम्बी दुरै ने अपने विचार रखे।

मुख्यमंत्री ने डॉ. जितेन ठाकुर को उत्तराखंड साहित्य भूषण सम्मान से किया सम्मानित

राज्य में स्थापित होंगे दो आधुनिक 'साहित्य ग्राम': पुष्कर धामी

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित उत्तराखंड भाषा संस्थान के उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान समारोह 2025 में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने उत्तराखंड के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान उत्तराखंड साहित्य भूषण सम्मान से डॉ. जितेन ठाकुर को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, श्याम सिंह कुटौला, डॉ. प्रीतम सिंह, केसर सिंह राय तथा अताए साबिर अफजल मंगलौरी को उत्तराखंड दीर्घकालीन उत्कृष्ट साहित्य सृजन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट साहित्यकारों एवं युवा कलमकार प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने साहित्य नारी वंदन सम्मान के अंतर्गत प्रो. दिवा भट्ट, उत्कृष्ट बाल साहित्य के लिए प्रो. दिनेश चमोला, उत्तराखंड मौलिक रचना पुरस्कार के लिए डॉ भूपेंद्र बिष्ट, डॉ सुधा जुगरान, शीशपाल गुसाई, उत्कृष्ट कुमाऊनी और गढ़वाली साहित्य में तारा पाठक, हेमंत सिंह बिष्ट और गजेंद्र नौटियाल आदि को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह अत्यंत गर्व का विषय है कि उन्हें प्रदेश के महान साहित्यकारों को सम्मानित करने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि त्तराखंड साहित्य भूषण सम्मान से सम्मानित डॉ. जितेन ठाकुर न केवल उत्तराखंड बल्कि पूरे हिंदी साहित्य जगत के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने सभी सम्मानित साहित्यकारों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपनी रचनात्मकता के माध्यम से राज्य की सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत को समृद्ध करने के साथ नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। धामी ने कहा कि उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान समारोह प्रदेश की साहित्यिक परंपरा, रचनात्मक चेतना और साहित्यकारों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की पावन भूमि सदियों से ज्ञान, संस्कृति और सृजन का केंद्र रही है, जहां हिमालय, गंगा और प्राकृतिक सौंदर्य ने अनेक लेखकों और कवियों को प्रेरित किया है। सुमित्रानंदन पंत, गौरा पंत शिवानी, मोहन उप्रेती और शैलेश मटियानी जैसे साहित्यकारों ने इस धरा को गौरवान्वित किया है।

- उत्तराखंड में युवा लेखकों को बढ़ावा दे रही प्रदेश सरकार
- स्थानीय भाषाओं और लोक साहित्य के संरक्षण एवं संवर्धन को सरकार संकल्पित

लेखक केवल शब्दों के निर्माता नहीं, बल्कि समाज के मार्गदर्शक और प्रेरक भी होते हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है और लेखक केवल शब्दों के निर्माता नहीं, बल्कि समाज के मार्गदर्शक और प्रेरक भी होते हैं। स्वतंत्रता आंदोलन और उत्तराखंड राज्य निर्माण में साहित्यकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार साहित्य और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार विभिन्न पुरस्कारों के माध्यम से साहित्यकारों को सम्मानित करने के साथ-साथ ग्रंथ प्रकाशन के लिए अनुदान भी प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तराखंड को साहित्यिक पर्यटन के केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए राज्य में दो साहित्य ग्राम स्थापित किए जा रहे हैं, जहां साहित्यकारों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम में मंत्री सुबोध उनियाल, समाज कल्याण मंत्री खजान दास, विधायक सविता कपूर आदि मौजूद रहे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यूरोपीय संसद प्रतिनिधिमंडल से की मुलाकात, भारत यूरोप संबंधों को और मजबूत करने पर जोर

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एंजेलिका निबलर के नेतृत्व में आए यूरोपीयन पार्लियामेंट के प्रतिनिधिमंडल से महत्वपूर्ण मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच भारत और यूरोपीय संघ के द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। लोकसभा अध्यक्ष ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यूरोपीय संघ के संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ संसदीय मैत्री समूह की पहली बैठक का सफल आयोजन होना दोनों पक्षों के बीच बढ़ते सहयोग का प्रतीक है। उन्होंने इसे भारत यूरोप संबंधों को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया।

बैठक में भारत और यूरोपीय संघ के बीच रणनीतिक साझेदारी की मजबूती तथा साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर विशेष रूप से बल दिया गया। दोनों पक्षों ने स्वीकार किया कि संसदीय आदान प्रदान आपसी सहयोग का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाता है बल्कि विभिन्न विषयों पर अनुभवों के आदान प्रदान का भी प्रभावी माध्यम है। वार्ता के दौरान इस बात पर भी सहमति बनी कि भविष्य में संसदीय सहयोग को और गहरा किया जाएगा तथा दोनों क्षेत्रों के नागरिकों के बीच आपसी संपर्क को बढ़ावा देने के लिए नए प्रयास किए जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने भारत के साथ संबंधों को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर सकारात्मक विचार-विमर्श किया। यह मुलाकात भारत और यूरोपीय संघ के बीच बढ़ते भरोसे और सहयोग का संकेत है, जो आने वाले समय में दोनों पक्षों के संबंधों को और अधिक व्यापक तथा मजबूत बनाएगा।

ओबीसी कैटेगरी से बाहर करें मुसलमानों को... बीजेपी सांसद के लक्ष्मण की मांग पर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों में सोमवार को खूब गहमागहमी देखने को मिली। राज्यसभा में सोमवार को बीजेपी सांसद के लक्ष्मण ने मुसलमानों को ओबीसी कैटेगरी से बाहर करने की मांग उठा दी। जिस पर ऊपरी सदन में खूब हंगामा मच गया। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया। राज्यसभा में बीजेपी सांसद लक्ष्मण ने मुसलमानों को ओबीसी कैटेगरी से बाहर करने की मांग की, जिसके बाद विपक्ष ने सदन से वॉकआउट किया। उधर लोकसभा में भी भारी हंगामे के चलते कार्यवाही 12:30 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। राज्यसभा में सोमवार को उस वक्त माहौल गरमा गया जब बीजू जनता दल के सांसदों ने विरोध स्वरूप राज्यसभा से वॉकआउट किया। यह विरोध निशिकांत दुबे द्वारा ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक पर की गई कथित विवादित टिप्पणी के खिलाफ किया। बीजेडी सांसदों के नेता सास्मित पात्रा ने कहा कि दुबे ने बीजू पटनायक को 'सीआईए एजेंट' बताया, जो न केवल अपमानजनक है बल्कि सम्मानित नेता की छवि को ठेस पहुंचाने वाला बयान है। इस मामले को लेकर बीजेडी के सभी सांसदों ने एकजुट होकर राज्यसभा से वॉकआउट कर सदन के बाहर अपना विरोध दर्ज कराया। यह विरोध केवल सदन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इससे पहले सांसद पात्रा ने एक और बड़ा कदम उठाकर संसदीय स्थायी समिति (आईटी) से इस्तीफा भी दे दिया था, जिसकी अध्यक्षता दुबे कर रहे हैं।

पंजाब में अलग-अलग सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत, पांच घायल

बठिंडा (एजेंसी)। बठिंडा-डबवाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मचाना गांव के पास पेट्रोल पंप के नजदीक कार से सामने की टक्कर में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई जबकि तीन महिलाओं समेत 5 गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें बठिंडा के एम्स में भर्ती कराया गया है। वहीं एक अन्य हादसे में जगराते से लौटते समय कार टैंपो ट्रैवलर से टकरा गई। इस हादसे में मां-बेटा व पोते की मौत हो गई, जबकि बेटी घायल है, जिसे हरियाणा के अस्पताल में भर्ती कराया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मल्लवाला निवासी स्वर्णजीत सिंह, विक्की सिंह और गुरुसर सैनेवाला निवासी प्रेम सिंह जस्सी बागवाली गांव में दर्शन कर लौट रहे थे। तभी उन्होंने बाइक को भारत माला रोड के गलत साइड पर मोड़ दिया सामने आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार तीनों युवक घायल हो गए। वहीं कार में सवार तीन महिलाओं समेत पांच लोग घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां बाइक सवार तीनों युवकों की गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस मृतकों के परिजनों के बयानों पर कार चालक के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। वहीं दूसरे हादसे में मां-बेटा और पोते की मौत हो गई, जबकि बेटी घायल है। पोते के जन्म की खुशी में परिवार ने एक दिन पहले प्रार्थना सभा आयोजित की थी, लेकिन अगले दिन घर में मातम छा गया। अमर (22) और उसकी माता निर्मला देवी (50) अपनी बेटी के ससुराल में पोते के जन्म की खुशी में आयोजित जगराते में शामिल होने हरियाणा गए थे। जगराते के बाद जब माता-पिता पक्का कलां गांव लौटने लगे तो उनकी बेटी और पोता भी उनके साथ चले गए। फतेहाबाद के पास उनकी कार की टैम्पो ट्रैवलर से टक्कर हो गई जिसमें तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

देशभर में बम की धमकी से दहशत फैलाने वाला गिरफ्तार, 1100 ई-मेल भेजकर मचाया था हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली समेत देश के विभिन्न राज्यों में स्कूलों, उच्च न्यायालयों और सरकारी कार्यालयों को बम से उड़ाने की झूठी धमकी देकर सनसनी फैलाने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत कर्नाटक के मैसूर से 47 वर्षीय श्रीनिवास लुईस को दबोचा है। आरोपी की गिरफ्तारी कर्नाटक पुलिस के सहयोग से मैसूर के वृंदावन लेआउट स्थित एक मकान से की गई है। पुलिस ने मौके से एक लैपटॉप और कई सिम कार्ड बरामद किए हैं, जिनका उपयोग धमकियां भेजने के लिए किया जा रहा था। आरोपी को स्थानीय अदालत में पेश करने के बाद ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया जा रहा है, जहाँ उससे गहन पूछताछ की जाएगी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अनुसार, आरोपी श्रीनिवास लुईस ने अब तक लगभग 1,100 धमकी भरे ई-मेल भेजने की बात कबूल की है। वह अपनी पहचान छिपाने के लिए अलग-अलग तकनीकी तरीकों और सिम कार्डों का इस्तेमाल करता था। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने दिल्ली हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश को भी व्यक्तिगत रूप से धमकी भरा ई-मेल भेजा था, जिसके बाद मामला दर्ज कर तकनीकी पड़ताल शुरू की गई थी। हफ्तों तक चली इस जांच के बाद पुलिस आरोपी के ठिकाने तक पहुँचने में सफल रही। पुलिस जांच में आरोपी की पृष्ठभूमि को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। मूल रूप से बेंगलुरु का रहने वाला श्रीनिवास पोस्टग्रेजुएट है, लेकिन वर्तमान में उसके पास कोई रोजगार नहीं है। वह अपनी बुजुर्ग मां के साथ रहता है, जो एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी हैं और घर का खर्च उनकी पेंशन से ही चलता है। शुरुआती जांच में पुलिस को संदेह है कि आरोपी गंभीर मानसिक तनाव से जूझ रहा था और संभवतः इसी हताशा में उसने इस तरह के कृत्यों को अंजाम दिया। पुलिस का मानना है कि उसने जान-बूझकर अदालतों और स्कूलों जैसे संवेदनशील संस्थानों को निशाना बनाया ताकि बड़े पैमाने पर दहशत पैदा की जा सके। श्रीनिवास की इन झूठी धमकियों की वजह से पिछले कुछ समय में सुरक्षा एजेंसियों को भारी मशक्कत करनी पड़ी। कई बार स्कूलों और कार्यालयों को आनन-फानन में खाली कराना पड़ा, जिससे सामान्य कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ और जनता के बीच डर का माहौल बना रहा। अब दिल्ली पुलिस इस बात की तफ्तीश कर रही है कि क्या इस साजिश में कोई और भी शामिल था या श्रीनिवास ने अकेले ही इन वारदातों को अंजाम दिया।

कांग्रेस सांसद प्रशांत पडोले सड़क हादसे में बाल-बाल बचे, कार के एयरबैग न खुलने पर उठाए सवाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भंडारा-गोंदिया क्षेत्र से कांग्रेस सांसद डॉ. प्रशांत पडोले सोमवार सुबह एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब वे अपने निजी वाहन से भंडारा से नागपुर एयरपोर्ट के लिए निकले थे। सांसद को दिल्ली में आयोजित संसद सत्र में शामिल होने के लिए उड़ान भरनी थी, लेकिन रास्ते में ही एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत यह रही कि इस भीषण टक्कर के बावजूद सांसद और उनके ड्राइवर को कोई गंभीर चोट नहीं आई, हालांकि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। दुर्घटना के तुरंत बाद सांसद डॉ. प्रशांत पडोले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए इस घटना की जानकारी साझा की। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को टैग करते हुए देश में सड़क सुरक्षा और वाहनों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, सांसद सुरक्षित नहीं, तो जनता का क्या होगा? उन्होंने विशेष रूप से कार की सुरक्षा प्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इतनी जोरदार टक्कर के बाद भी वाहन के एयरबैग नहीं खुले। उन्होंने सरकार से मांग की कि वाहन निर्माता कंपनियों को सख्त आदेश दिए जाने चाहिए ताकि दुर्घटना के समय सुरक्षा उपकरण सही ढंग से काम करें। हादसे के बाद सांसद ने गजब की कर्तव्यनिष्ठा और जीवटता का परिचय दिया। मामूली चोटों और कार के क्षतिग्रस्त होने के बावजूद उन्होंने अपना दिल्ली दौरा रद्द नहीं किया। प्राथमिक उपचार के बाद, उन्होंने एक दोपहिया वाहन से लिफ्ट ली और नागपुर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे संसद सत्र में शामिल होने के लिए दिल्ली के लिए रवाना हो गए। उनके समर्थकों और स्थानीय नागरिकों ने उनकी इस सक्रियता की सराहना की है, लेकिन साथ ही बार-बार हो रहे हादसों पर चिंता भी जताई है। उल्लेखनीय है कि डॉ. प्रशांत पडोले के साथ यह दूसरी बड़ी सड़क दुर्घटना है। इससे पहले सितंबर 2025 में भी वे एक सड़क हादसे का शिकार हुए थे। उस समय वे मुंबई से भंडारा लौट रहे थे, तभी सुबह के वक्त नागपुर बायपास के पास उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। पिछले साल हुए उस हादसे में भी वे और उनके ड्राइवर बाल-बाल बचे थे। एक साल के भीतर दूसरी बार हुए इस हादसे ने सुरक्षा मानकों और व्यस्त राजमार्गों पर भारी वाहनों की आवाजाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और टक्कर मारने वाले ट्रक की पहचान की कोशिश की जा रही है।

एआईएमआईएम नेता जामई पर मृतकों के नाम पर चंदा जुटाने का आरोप: पुलिस में शिकायत दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जामई एक गंभीर विवाद में फंस गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने हत्या के मामलों में जान गंवाने वाले युवकों के परिवारों की त्रासदी का फायदा उठाकर सोशल मीडिया के जरिए लाखों रुपये का चंदा इकट्ठा किया, लेकिन यह राशि पीड़ित परिवारों तक नहीं पहुंचाई गई। इस मामले ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है और दिल्ली पुलिस के पास दो अलग-अलग परिवारों ने गंभीर शिकायतें दर्ज कराई हैं।

विवाद की शुरुआत 7 मार्च को चांदनी चौक के स्क्रैप कारोबारी मोहम्मद अरीब की हत्या के बाद हुई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के बाद शोएब जामई संवेदना व्यक्त करने उनके घर पहुंचे और वहां एक वीडियो रिकॉर्ड किया। बाद में इस वीडियो को उनके आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से एक क्यूआर कोड के साथ पोस्ट किया गया। अरीब के भाई मोहम्मद अदीब ने डीसीपी को दी गई अपनी शिकायत में बताया कि यह क्यूआर कोड 'सादिया फातिमा' नामक किसी अज्ञात महिला के नाम पर था, जिससे परिवार का कोई संबंध नहीं है। अदीब का दावा है कि इस माध्यम से लगभग 7 से 8 लाख रुपये जुटाए गए, जबकि परिवार को कोई आर्थिक मदद नहीं मिली। जब परिवार ने आपत्ति जताई, तो उन्हें बताया गया कि यह आईटी टीम की तकनीकी गलती थी और केवल मामूली रकम ही जमा हुई है।

इसी तरह का एक और मामला मानसरोवर पार्क इलाके से सामने आया है। सिराजुद्दीन अंसारी नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि नवंबर 2025 में उनके नाबालिग बेटे की हत्या के बाद भी इसी तरह का चंदा अभियान चलाया गया था। अंसारी का आरोप है कि शोएब जामई ने उनके बेटे के नाम और वीडियो का इस्तेमाल कर सादिया फातिमा के क्यूआर कोड के जरिए पैसे जुटाए, लेकिन उन्हें फूटी कौड़ी भी नहीं दी गई। अंसारी ने स्पष्ट किया कि वे अपने बेटे के नाम पर किसी भी तरह का अवैध फंड इकट्ठा करने के खिलाफ हैं। इन आरोपों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है, क्योंकि जामई को पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का करीबी माना जाता है। दूसरी ओर, शोएब जामई ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे एक राजनीतिक साजिश करार दिया है। उनका दावा है कि विपक्षी दलों से जुड़े लोग और पार्टी के कुछ पूर्व सदस्य एआईएमआईएम की छवि खराब करने के लिए पीड़ित परिवारों को गुमराह कर रहे हैं। जामई का कहना है कि उन्होंने अपने बैंक स्टेटमेंट और साक्ष्य जांच एजेंसियों को सौंप दिए हैं। फिलहाल, पुलिस इस पूरे वित्तीय लेनदेन और क्यूआर कोड से जुड़े बैंक खातों की जांच कर रही है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

सीएम ममता ने खुद की हत्या की आंशका जाहिर की... विपक्षी सांसदों का मिला साथ

सांसदों ने कहा, कुछ इनपुट होगा तभी ममता ऐसा कह रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा खुद की हत्या होने की आशंका का विपक्ष के सांसदों ने समर्थन कर दिया है। विपक्षी सांसदों ने कहा कि कुछ इनपुट होगा तभी ममता ऐसा कह रही है। तृणमूल कांग्रेस सांसद कीर्ति आजाद ने मुद्दे पर चिंता जाहिर कर कहा कि यह स्थिति बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि ममता पहले भी कई बार राजनीतिक हिंसा से प्रभावित हो चुकी हैं, यहां तक कि वामपंथियों के खिलाफ संघर्ष के दौरान उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। टीएमसी सांसद आजाद ने सवाल उठाया कि आखिर विपक्ष ममता से क्या चाहता है और क्या इस तरह के माहौल में उनकी सुरक्षा को खतरा नहीं है।

वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव कुमार राय ने ममता के बयान का समर्थन कर कहा कि उन्होंने बहुत कम कहा है। देश में ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है, जहां लोगों को यह तक तय करने की आजादी नहीं है कि वे क्या खाएं, क्या पहनें, क्या बोलें या क्या लिखें। इस तरह के बयान खुद ही मौजूदा हालात की सच्चाई बयां करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की वर्तमान परिस्थितियों को देखकर ममता के बयान को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि महाराष्ट्र में एक पूर्व उपमुख्यमंत्री के निधन पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर भी सपा सांसद राय ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को लेकर बार-बार बयान दिए जाते हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार चुनावी भाषणों तक सीमित रह गई है और वास्तविक मुद्दों पर काम करने में विफल रही है। वहीं कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने भी ममता बनर्जी का समर्थन कर कहा कि अगर उन्होंने इस तरह की बात कही है, तब हो सकता हैं उनके पास कोई इनपुट होगा।

तमिलनाडु में बगावत की आशंका : पीएम मोदी का स्वागत करने नहीं आए भाजपा के अन्नामलाई ?

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में चुनावी सरगर्मी के बीच रविवार को एक बेहद दिलचस्प और चर्चाओं से भरी तस्वीर सामने आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान जब दोपहर करीब 1:30 बजे कोयंबटूर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ, तो वहां उनके स्वागत के लिए भाजपा और एआईएडीएमके के कई दिग्गज नेता मौजूद थे। हालांकि, इस औपचारिक स्वागत समारोह में प्रदेश भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई की गैरमौजूदगी ने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, स्वागत करने वाले नेताओं की सूची में अन्नामलाई का नाम प्रमुखता से शामिल था, लेकिन उनके एयरपोर्ट न पहुंचने से गुटबाजी और अंदरूनी खींचतान की अटकलें तेज हो गई हैं। इस घटनाक्रम पर स्पष्टीकरण देते हुए भाजपा नेता वनाथी श्रीनिवासन ने मीडिया से कहा कि अन्नामलाई का नाम निर्धारित सूची में था, लेकिन वे किन कारणों से नहीं आ सके, इसकी जानकारी उनसे ली जाएगी। उन्होंने पार्टी में किसी भी तरह की गुटबाजी से इनकार करते हुए जोर दिया कि सभी नेता एकजुट हैं और उम्मीदवारों के चयन का अंतिम फैसला केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा। एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का स्वागत करने वालों में नैनार नागेंद्रन, एल मुरुगन और वनाथी श्रीनिवासन के साथ सहयोगी दल एआईएडीएमके के नेता एस.पी. वेलुमणि भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री यहां से हेलीकॉप्टर के जरिए चुनावी प्रचार के लिए केरल रवाना हो गए।

ईरान में एयर स्ट्राइक से फैल रहा जहरीला धुआं, ब्लैक रेन हो सकती है खतरनाक : संजय राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में सोमवार को मध्य पूर्व में चल रहे ईरान-इजरायल युद्ध का मुद्दा उठाकर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने इसके गंभीर वैश्विक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य प्रभावों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष अब एक महीने से अधिक समय से जारी है और इसके परिणाम केवल क्षेत्रीय स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहे हैं।

शिवसेना यूबीटी नेता राउत के अनुसार, इस युद्ध के कारण ईंधन और एलपीजी जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे वैश्विक स्तर पर संकट गहराता जा रहा है। हालांकि उन्होंने विशेष रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरों को अधिक गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की राजधानी तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में एयर स्ट्राइक के कारण ऑयल रिफाइनरी और गैस भंडारों में भीषण आग लगी है, जिससे भारी मात्रा में जहरीला धुआं वातावरण में फैल गया है। इस धुएं में सल्फर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और अन्य खतरनाक रसायन शामिल हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने बताया कि वहां के लोगों को सांस लेने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने 'ब्लैक रेन' यानी काली बारिश की घटनाओं का भी उल्लेख किया, जिसमें विषैले तत्व शामिल होते हैं। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनियों का हवाला देकर कहा कि यह स्थिति गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा कर सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रदूषण सीमाओं में बंधा नहीं रहेगा और भविष्य में भारत के पश्चिमी राज्यों–गुजरात, राजस्थान और पंजाब–पर भी असर डाल सकता है। इससे वायु गुणवत्ता खराब होने, एसिड रेन की संभावना बढ़ने, फसलों के नुकसान, मिट्टी के दूषित होने और सांस संबंधी बीमारियों व कैंसर जैसी समस्याओं के बढ़ने का खतरा है। संजय राउत ने केंद्र सरकार से मांग की कि इस स्थिति का वैज्ञानिक आकलन करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति बनाई जाए। साथ ही पश्चिमी राज्यों में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग बढ़ाई जाए और एक प्रभावी अलर्ट सिस्टम तैयार रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस पर्यावरणीय संकट के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, ताकि युद्ध को जल्द समाप्त किया जा सके। उन्होंने निष्कर्ष में कहा कि यह युद्ध अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रहा, बल्कि वैश्विक पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका है।

टोल टैक्स को लेकर भड़के पंजाब के किसान, भारी बारिश के चलते कर दिया चक्का जाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए भारी टोल टैक्स और प्रवेश शुल्क के विरोध में सोमवार को पंजाब-हिमाचल सीमा पर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। पंजाब मोर्चा के कन्वीनर गौरव राणा, कीर्ति किसान मोर्चा के प्रधान हरप्रीत सिंह भट्टो और बीकेयू के नेताओं के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। मूसलाधार बारिश के बावजूद प्रदर्शनकारियों के हौसले पस्त नहीं हुए और उन्होंने घंटों तक चक्का जाम जारी रखा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और पंचायत मंत्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलनकारी नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने टैक्स कम नहीं किया और टोल नाके नहीं हटाए, तो यह संघर्ष और तेज होगा।

नेताओं का कहना है कि अब समझौते की कोई गुंजाइश नहीं है और सरकार को जनहित में इन शुल्कों को तुरंत वापस लेना होगा। इस मुद्दे पर पंजाब सरकार से भी अपनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई है, क्योंकि विधानसभा में भी इस मामले का अब तक कोई ठोस हल नहीं निकल सका है। प्रदर्शन के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी पूरा सहयोग दिया, जिससे यातायात व्यवस्था लंबे समय तक ठप रही। जाम की सूचना मिलने पर तहसीलदार संदीप कुमार और थाना प्रभारी जतिन कपूर के नेतृत्व में प्रशासन मौके पर पहुँचा। करीब ढाई घंटे के गतिरोध के बाद प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों से मांगपत्र लिया और उनकी मांगों को उच्च स्तर तक पहुँचाने का भरोसा दिया। हालांकि जाम खोल दिया गया, लेकिन वाहनों की लंबी कतारों के कारण यातायात पूरी तरह बहाल होने में करीब चार घंटे का समय लग गया। इस बीच पठानकोट टैक्सी यूनियन के जिला प्रधान रिंकू कुमार ने ऐलान किया है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो 1 अप्रैल को पठानकोट-डलहौजी और चंबा-धर्मशाला रूट को भी पूरी तरह ब्लॉक किया जाएगा। क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात है।

विशाखापट्टनम श्रद्धा वाल्कर बनी मोनिका... आरोपी प्रेमी ने हत्या कर शव के टुकड़े कर कई जगह फेंकें

-आरोपी भारतीय नौसेना में कार्यरत और पहले से शादीशुदा

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम से सामने आई दिल दहला देने वाली वारदात समाज में बढ़ती नृशंसता का एक और काला अध्याय है। एक नौसेना कर्मी द्वारा अपनी ही प्रेमिका की हत्या कर उसके शव के टुकड़े करने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह मामला न केवल एक जघन्य अपराध है, बल्कि रिश्तों में बढ़ते अविश्वास और डिजिटल युग के खतरों को दिखाता है।

इस मामले का मुख्य आरोपी चिंतादा रवींद्र है, जो भारतीय नौसेना में कार्यरत है और आईएनएस डेगा में तैनात है। मृतका की पहचान पोलिपल्ली मोनिका के रूप में हुई है। पुलिस जांच के अनुसार, रवींद्र शादीशुदा था, फिर भी वह मोनिका के साथ विवाहेतर संबंध में था। दोनों की पहली मुलाकात साल 2021 में एक डेटिंग एप के जरिए हुई थी। धीरे-धीरे उनकी मुलाकातें बढ़ीं और वे एक-दूसरे के करीब आ गए। आरोपी रवींद्र के अनुसार, मोनिका ने उससे कथित तौर पर 3.5 लाख रुपये उधार लिए थे। विवाद तब और बढ़ गया जब मोनिका ने रवींद्र की पत्नी को उनके संबंधों के बारे में बताने की धमकी देना शुरू किया। घटना वाले दिन, रवींद्र ने मोनिका को अपने फ्लैट पर बुलाया। वहां बहस इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर रवींद्र ने मोनिका का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने जो किया, वह किसी डरावनी फिल्म की पटकथा जैसा है। आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने के लिए ऑनलाइन चाकू ऑर्डर किया। शव को कई टुकड़ों में काटा और गंध से बचने के लिए उन्हें फ्रीज में छिपा दिया। वह धीरे-धीरे अंगों को अलग-अलग जगहों पर फेंकने लगा। रविवार को जब वह आदिवीवरम के सुनसान इलाके में मोनिका का सिर और हाथ जला रहा था, तब पुलिस की सक्रियता के कारण इस घिनौने कृत्य का पर्दाफाश हुआ।

यह घटना दिल्ली के कुख्यात श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड की याद दिलाती है, जहाँ आफताब नामक युवक ने श्रद्धा की हत्या कर उसके शव के 35 टुकड़े किए थे और उन्हें फ्रीज में रखा था। विशाखापट्टनम के इस मामले में भी फ्रीज और शव के टुकड़े करने का वही पैटर्न दिखाई देता है, जो अपराधी की ठंडे दिमाग से की गई प्लानिंग को दर्शाता है। वर्तमान में पुलिस आरोपी की निशानदेही पर शव के अन्य हिस्सों की तलाश कर रही है। यह घटना हमें सतर्क करती है कि ऑनलाइन मेल-जोल और अनैतिक संबंधों का अंजाम कितना भयावह हो सकता है। कानून की सख्ती ही इसतरह

के अपराधियों के मन में डर पैदा कर सकती है।

पॉक्सो पर सख्ती और संवेदनशीलता का संगम: डीएलएसए की कन्वर्जेंस कार्यशाला सफल

आरव शर्मा
गाज़ियाबाद (शिखर समाचार)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के तत्वावधान में जिला स्तर पर सपोर्ट पर्सन एवं विभिन्न विभागों के हितधारकों की एकदिवसीय अभिसरण (अभिसरण) प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीएलएसए सचिव संजय सिंह ने की, जबकि प्रशिक्षण सत्र का संचालन लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिंह ने किया। स प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पॉक्सो अधिनियम (पॉक्सो) और उससे जुड़ी प्रक्रियाओं को लेकर साझा समझ विकसित करना, सपोर्ट पर्सन की भूमिका को मजबूत करना और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा। कार्यशाला में यह भी जोर दिया गया कि बच्चों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई बेहद आवश्यक है।

प्रशिक्षण सत्र में लीगल डिफेंस काउंसिल कमल किशोर उपाध्याय, लीगल ऑफिसर लोकेन्द्र सिंह (जिला बाल कल्याण विभाग) और सपोर्ट पर्सन व पैनल अधिवक्ता चंचल गुप्ता ने महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। विशेषज्ञों ने पॉक्सो मामलों की प्रक्रिया, केस मैनेजमेंट, चाइल्ड फ्रेंडली अप्रोच, विभागीय जिम्मेदारियों की स्पष्टता और समन्वय की जरूरत पर विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में डीसीपीयू, सीडब्ल्यूसी, जिला बाल संरक्षण इकाई, लीगल एड डिफेंस काउंसिल (एलएडीसी), पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा विभाग, वन-स्टॉप सेंटर, हेल्पलाइन और सपोर्ट पर्सन सहित सभी संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और कार्य में आने वाली चुनौतियों के समाधान पर चर्चा की। पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन प्रभावी मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक हुआ, जहां सभी प्रतिभागियों को बच्चों के सवो ाम हित को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील, समन्वित और जिम्मेदार कार्यप्रणाली अपनाने का संदेश दिया गया।

डीएलएसए सचिव संजय सिंह बोले:
पॉक्सो मामलों में केवल कानूनी कार्रवाई ही नहीं, बल्कि संवेदनशील और समन्वित दृष्टिकोण भी बेहद जरूरी है। सपोर्ट पर्सन की भूमिका इस पूरी प्रक्रिया में बेहद अहम है, जो पीड़ित बच्चों को न्याय दिलाने में सेतु का कार्य करते हैं।

इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य सभी विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है, ताकि हर मामले में बच्चों के सवो ाम हित को प्राथमिकता देते हुए त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

साहिबाबाद में चला जीडीए का पीला पंजा : लाजपत नगर और राजेंद्र नगर में अवैध निर्माण जमींदोज

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को और सख्त कर दिया है। सोमवार को उपाध्यक्ष के निर्देशों के अनुपालन में प्रवर्तन जोन 7 की टीम ने साहिबाबाद के लाजपत नगर और राजेंद्र नगर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए कई अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया।

भारी विरोध के बीच हुई कार्रवाई
जीडीए की इस कार्रवाई के दौरान निर्माणकर्ताओं और स्थानीय लोगों द्वारा भारी विरोध प्रदर्शन किया गया। स्थिति को बिगड़ता देख प्राधिकरण पुलिस बल ने मोर्चा संभाला और प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित किया। पुलिस की मौजूदगी में बिना किसी ढिलाई के ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को अंजाम दिया गया।

इन संपत्तियों पर चला हथौड़ा
प्रवर्तन जोन-7 के प्रभारी आलोक रंजन के नेतृत्व में टीम ने निम्नलिखित स्थानों पर कार्रवाई की:
लाजपत नगर: भवन संख्या ए-133 और ए-133ए पर किए गए अतिरिक्त अवैध निर्माण को ढहा दिया गया।
राजेंद्र नगर सेक्टर-2: भूखंड संख्या 6/146 पर अवैध रूप से बनाए गए अतिरिक्त तल (फ्लोर) को ध्वस्त किया गया।
राजेंद्र नगर सेक्टर-2 (टीन शैड): भूखंड संख्या 2/29 के फ्रंट में बिना अनुमति डाली गई टीन शैड को हटा दिया गया।
राजेंद्र नगर सेक्टर-5: भूखंड संख्या 1/21 के फ्रंट हिस्से में अवैध रूप से निर्मित टॉयलेट पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

मौके पर मौजूद रहा भारी अमला
ध्वस्तीकरण के दौरान मौके पर प्रवर्तन जोन-7 के सहायक अभियंता पीयूष कुमार सिंह, अवर अभियंता गोपाल कृष्ण व प्रभु नारायण सहित प्रवर्तन दस्ते का समस्त स्टाफ और भारी पुलिस बल तैनात रहा।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अवैध निर्माण के खिलाफ यह अभियान थमेगा नहीं। आने वाले महीनों में भी चिन्हित की गई अवैध संपत्तियों को सील करने और ध्वस्त करने की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

स्थानीय निकाय कार्यों की डीएम जसजीत कौर ने की समीक्षा, वसूली, सफाई व निर्माण कार्यों पर दिया विशेष जोर

बिजनौर (शिखर समाचार)। स्थानीय निकायों के कार्यों की समीक्षा के लिए जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें राजस्व वसूली, साफ-सफाई व्यवस्था तथा निर्माण कार्यों की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित, संयुक्त मजिस्ट्रेट कुणाल रस्तोगी सहित जिले के सभी नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम स्वनिधि योजना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, डोर-टू-डोर कूड़ा पृथक्करण समेत विभिन्न योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। इसके साथ ही कर एवं गैर-कर राजस्व वसूली, राज्य वित्त आयोग एवं 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत प्राप्त धनराशि के उपयोग की स्थिति, विभिन्न विकास योजनाओं में खर्च की प्रगति तथा नगरीय निकायों में पेयजल पुनर्गठन योजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सार्वजनिक एवं शासकीय संपत्तियों पर हो रहे अवैध अतिक्रमण, कान्हा गौ-आश्रय स्थलों की स्थिति, नालों की सफाई और पेयजल व्यवस्था की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी निकाय अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाएं और नियमित रूप से निगरानी करते हुए कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करें।

उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए कहा कि छापेमारी अभियान चलाकर इसकी रोकथाम सुनिश्चित की जाए तथा कार्रवाई की रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत की जाए। इसके साथ ही सभी नगर पालिका एवं नगर पंचायतों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और घर-घर कूड़ा पृथक्करण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, जलापूर्ति एवं अन्य नागरिक सुविधाओं का नियमित निरीक्षण कर अद्यतन विवरण तैयार करें। साथ ही, क्षेत्र में सक्रिय रहकर कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग करें और समयबद्ध रूप से रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

भारत मण्डपम की तर्ज पर गाजियाबाद में तैयार हो रहा भव्य 'बुनकर मार्ट', उपाध्यक्ष ने धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

आरव शर्मा
गाजियाबाद(शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के उपाध्यक्ष ने मधुबन बापूधाम योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन महत्वाकांक्षी परियोजना 'बुनकर मार्ट' (एक्सपो एवं कन्वेंशन सेंटर) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य की कछुआ गति और श्रमिकों की कम संख्या देखकर उपाध्यक्ष ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लापरवाही पर एक्शन: कार्यदायी संस्था पर लगेगी पेनाल्टी
निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने पाया कि परियोजना स्थल पर श्रमिकों की संख्या मानक के अनुरूप नहीं है, जिसके कारण कार्य की प्रगति प्रभावित हो रही है। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्था के विरुद्ध नियमानुसार पेनाल्टी (जुमार्ना) लगाने के आदेश दिए। उन्होंने अभियंताओं को निर्देशित किया कि वे केवल कागजों पर नहीं, बल्कि धरातल पर साइट पर मौजूद रहकर कार्यों की सतत और प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं:
यह प्रोजेक्ट न केवल गाजियाबाद बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए एक बड़ा कमर्शियल हब साबित होगा।
लागत: लगभग ₹115 करोड़।
सुविधाएं: अत्याधुनिक एक्सपो हॉल, 560 सीटों की क्षमता वाला भव्य ऑडिटोरियम, 80 सीटों का कॉन्फ्रेंस हॉल।
अन्य आकर्षण: शिल्पकारों के लिए दुकानें, फूड कोर्ट, म्यूजियम और विशाल प्रदर्शनी क्षेत्र।
उद्देश्य: बुनकरों और हस्तशिल्पियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का मंच प्रदान करना।

व्यापार और रोजगार को लगेंगे पंख
जीडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि इस एक्सपो सेंटर की परिकल्पना दिल्ली के 'भारत मण्डपम' की तर्ज पर की गई है। यहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्यापारिक आयोजन, प्रदर्शनी और सम्मेलन आयोजित किए जा सकेंगे। इससे स्थानीय स्तर पर भारी संख्या में रोजगार का सृजन होगा और गाजियाबाद एक प्रमुख वाणिज्यिक एवं सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभरेगा। निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष के साथ अपर सचिव, मुख्य अभियंता, अधिशासी अभियंता सहित तकनीकी टीम के तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि गुणवत्ता मानकों से समझौता किए बिना इस प्रोजेक्ट को तय समय के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए।

बुढ़ाना बार संघ चुनाव: सुरेशपाल वर्मा अध्यक्ष और सुभाष राठी महासचिव निर्वाचित

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। बार एसोसिएशन बुढ़ाना की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए सोमवार को हुए चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गए। चुनाव परिणामों में अध्यक्ष पद पर सुरेशपाल वर्मा और महासचिव पद पर सुभाष राठी ने शानदार जीत दर्ज की।

चुनाव प्रक्रिया चुनाव अधिकारियों संजीव पंवार, शौसिंह राणा, हरबीर सिंह और बालकिशन शर्मा के निर्देशन में संपन्न हुई। अध्यक्ष पद के लिए विश्वास त्यागी और सुरेशपाल वर्मा के बीच कड़ा मुकाबला रहा, जिसमें सुरेशपाल वर्मा ने 47 मत प्राप्त कर जीत हासिल की।

महासचिव पद पर सुभाष राठी को 88 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंदी सुशील कुमार को 58 मत प्राप्त हुए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर संजीव कुमार ने मात्र एक वोट से जीत दर्ज कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर विजय प्रताप विजयी रहे। कोषाध्यक्ष पद पर मोहिद अहमद मलिक ने जीत हासिल की। सहसचिव पदों पर राहुल कुमार, दीपक सैनी और राजसिंह राणा निर्वाचित हुए। वरिष्ठ सदस्य के रूप में अनिल कुमार, अवध बिहारी गर्ग, अचल सहरावत, ईश्वर दयाल संगल, विपिन कुमार और मदन कुमार चुने गए।

कनिष्ठ सदस्य पदों पर प्रवेश कुमार, कमल शर्मा, योगेश सैनी, रवि कुमार, उधम सिंह और शिवकुमार ने जीत दर्ज की। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों ने समर्थकों के साथ उत्साहपूर्वक जश्न मनाया।

जिला बार चुनाव: अध्यक्ष पद पर राजेंद्र सिंह और शेर सिंह के बीच कांटे की टक्कर

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिला बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव की सरगर्मी अपने चरम पर पहुंच गई है। 31 मार्च को होने वाले मतदान के लिए बिजनौर जजी परिसर में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आठ पदों के लिए मतदान होना है, लेकिन सबसे रोचक और प्रतिष्ठित मुकाबला अध्यक्ष पद पर देखने को मिल रहा है, जहां चौधरी राजेंद्र सिंह और शेर सिंह के बीच सीधी टक्कर बन चुकी है। जिले भर के करीब 2300 मतदाता इस चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे और समीकरण लगातार बदलते नजर आ रहे हैं। शुरूआत में अध्यक्ष पद के लिए चौधरी राजेंद्र सिंह, अभय सिंह और शेर सिंह मैदान में थे, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय माना जा रहा था। लेकिन मतदान से ठीक पहले एक बड़ा राजनीतिक मोड़ तब आया जब अभय सिंह उर्फ हैप्पी ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर शेर सिंह को समर्थन देने का ऐलान कर दिया। इस घटनाक्रम के बाद चुनावी मुकाबला अब सीधे द्विपक्षीय हो गया है, जिससे मुकाबला और भी दिलचस्प हो गया है। चौधरी राजेंद्र सिंह की राजनीतिक पकड़ को मजबूत माना जा रहा है। वह सदर विधायक शुचि चौधरी के ससुर हैं, जिसके चलते उन्हें सत्ता और संगठन से जुड़े अधिवक्ताओं का व्यापक समर्थन मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर शेर सिंह के पक्ष में अधिवक्ताओं का एक ऐसा वर्ग सक्रिय नजर आ रहा है, जो खुलकर सामने नहीं आ रहा, लेकिन भीतर ही भीतर रणनीतिक रूप से लामबंद है। माना जा रहा है कि राजेंद्र सिंह के विरोध में अधिवक्ताओं का एक बड़ा धड़ा एकजुट हो सकता है, जिससे शेर सिंह की स्थिति भी बेहद मजबूत बन गई है। 31 मार्च को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। इसके तुरंत बाद मतगणना शुरू कर दी जाएगी और देर रात तक परिणाम आने की संभावना है। इस चुनाव पर जिले की राजनीति और न्यायिक हलकों की खास नजर बनी हुई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि मतदाता प्रभाव और अनुभव को प्राथमिकता देते हैं या बदलाव की दिशा में फैसला सुनाते हैं। चुनाव प्रचार का आज अंतिम दिन है, ऐसे में दोनों ही खेमों में हलचल तेज हो गई है। मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में भी इस चुनाव को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। फिलहाल स्थिति बेहद रोमांचक बनी हुई है और जीत-हार का अंतर काफी कम रहने की संभावना जताई जा रही है।

परीक्षा फल एवं पुरस्कार वितरण समारोह धूमधाम से संपन्न, 99.3 प्रतिशत रहा परिणाम

शामली। (शिखर समाचार) शहर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल, बुढ़ाना मार्ग शामली में परीक्षा फल एवं पुरस्कार वितरण समारोह उत्साह और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय परिवार के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। विद्यालय का परीक्षा परिणाम इस वर्ष 99.3 प्रतिशत रहा, जो उत्कृष्ट शैक्षिक गुणवत्ता का परिचायक है। समारोह के दौरान कक्षानुसार प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहनों को परीक्षा फल एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कक्षा द्वितीय में संवि, पीहू, अभी गोयल, वैष्णवी, आयुषी; कक्षा तृतीय में अनंत सिंघल, सारांश, सिद्धार्थ, कीर्ति, शिवन्या कौशिक; कक्षा चतुर्थ में हर्षवर्धन, धानी, अविका आर्य, आरोही, देवराज; कक्षा पंचम में गौरी शर्मा, दृश्य चौधरी, अनन्या शर्मा, आराध्या, शगुन शेरावत; कक्षा 6 में आयुष्मान भारद्वाज, विवेक कुमार, आयुष गोयल, अनुष्का, खुशी; कक्षा 7 में सार्थक बच्चा, अंशिका चौधरी, रितिका सुहल, शिवम कुमार, मयंक शर्मा तथा कक्षा 8 में वासु कुमारी, देव कुमार, पीहू शर्मा, अन्या भारद्वाज, सक्षम स्वामी ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया। सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वालों में नर्सरी से कक्षा द्वितीय तक ऋषभ, कक्षा तृतीय से पंचम तक अनंत सिंघल तथा कक्षा 6 से 8 तक सार्थक बच्चा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके अलावा पूर्ण उपस्थिति, घोष विभाग, विभिन्न विभागों एवं शिशु भारती के पदाधिकारियों को भी पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय के आचार्यगणों को भी विभिन्न क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बौद्धिक प्रतियोगिताओं, खेलकूद गतिविधियों एवं मेधावी विद्यार्थियों को तैयार करने वाले शिक्षकों को विशेष रूप से सराहा गया। समारोह के अंत में विद्यालय प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

26 वर्षों की सेवा के बाद सहायक अध्यापक मनवीर सिंह सेवानिवृत, भव्य विदाई समारोह में हुआ सम्मान

हापुड़ (शिखर समाचार)। मलकपुर ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय में कार्यरत सहायक अध्यापक मनवीर सिंह के सेवानिव ृा होने पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पदाधिकारियों द्वारा भावभीन विदाई समारोह का आयोजन कर उन्हें सम्मानित किया गया। मनवीर सिंह ने बेसिक शिक्षा विभाग में लगभग 26 वर्षों तक अपनी सेवाएं दीं। इस अवसर पर महासंघ के जिला अध्यक्ष अशोक कश्यप ने बताया कि मनवीर सिंह हमेशा विद्यालय और विद्यार्थियों के प्रति समर्पित रहे। वे बच्चों को विशेष रूप से विज्ञान और गणित विषय में रुचि के साथ पढ़ाते थे और उनके सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहते थे। र्यकारी जिला अध्यक्ष विजय कुमार त्यागी ने कहा कि मनवीर सिंह महासंघ में जिला उपाध्यक्ष के पद पर भी सक्रिय रहे और समय समय पर शिक्षकों के हितों के लिए आवाज उठाते रहे। उन्होंने संगठन के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा के साथ निभाया। विदाई समारोह के दौरान संगठन मंत्री मोहर सिंह, कोषाध्यक्ष संजय सक्सेना, मीडिया प्रभारी अरुण सिसोदिया, हापुड़ ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश कुमार, गढ़ ब्लॉक अध्यक्ष रवि भूषण, ब्लॉक महामंत्री प्रवेश कुमार, सरजीत सिंह, जिला उपाध्यक्ष, महिला उपाध्यक्ष रीता भाटी, महिला मंत्री ज्योति चौधरी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने मनवीर सिंह को सकुशल सेवानिवृत की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य की कामना की।

टोल प्लाजा पर बवाल : अधिवक्ता से मारपीट और लूट का आरोप, सीसीटीवी से सच्चाई की पड़ताल शुरू

हापुड़ (शिखर समाचार)। हाफिजपुर थाना क्षेत्र में बुलंदशहर रोड स्थित एक टोल प्लाजा पर अधिवक्ता के साथ मारपीट और लूट का गंभीर मामला सामने आया है। गांव हरसिंगपुर निवासी अधिवक्ता शंकरलाल ने टोलकर्मियों पर कार न निकालने को लेकर विवाद के बाद मारपीट कर जान से मारने की कोशिश और 1300 रुपये लूटने का आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार शनिवार को वह अपने चालक के साथ आगरा से लौट रहे थे। टोल प्लाजा पर अन्य वाहनों को निकाला जा रहा था, जबकि उनकी गाड़ी को रोके रखा गया। विरोध करने पर कहासुनी बढ़ गई। आरोप है कि टोलकर्मी उन्हें जबरन रिकॉर्ड रूम में ले गए, जहां उनके साथ मारपीट की गई और जेब में रखी नकदी छीन ली गई। घटना में अधिवक्ता घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराया। दूसरी ओर टोलकर्मियों ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए अपने पास घटना का वीडियो होने का दावा किया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। मामले में एक टोलकर्मी के घायल होने की भी सूचना है।

दूधिया रोशनी से जगमगाए ग्रेटर नोएडा के पार्क, 38 हाईमास्ट लाइटों का लोकार्पण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। शहर के सेक्टर बीटा, गामा और जीटा के पार्क अब दूधिया रोशनी से जगमगा उठे हैं। प्राधिकरण की ओर से लगाए गए 38 एलईडी हाईमास्ट लाइटों से पार्कों में चारों ओर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित हो गई है, जिससे स्थानीय निवासियों को देर शाम तक सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सकेगा।

सोमवार को सेक्टर जीटा-2 में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दादरी विधायक तेजपाल नागर ने इन हाईमास्ट लाइटों को सेक्टरवासियों को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने प्राधिकरण के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र की अन्य समस्याओं का भी प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अन्य सेक्टरों के पार्कों में भी जल्द ही एलईडी हाईमास्ट लाइटें लगाने का कार्य शुरू किया जाएगा, ताकि पूरे शहर में समान रूप से बेहतर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सके। लोकार्पण कार्यक्रम में विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के वरिष्ठ सौरभ भारद्वाज, प्रबंधक वी.वी. राय सहित कई अधिकारी एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

दिल्ली गेट पर पत्रकार पर हुआ जानलेवा हमला, वारदात हुई सीसीटीवी में कैद

आकाश गर्ग, पीड़ित पत्रकार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में एक संस्था के पत्रकार आकाश गर्ग पर बड़ी संख्या में पहुंचे बदमाशों ने हमला कर दिया। बदमाश हाथों में डंडे लेकर पत्रकार के पीछे भागे और जैसे ही वह नीचे गिर गया तो उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में पत्रकार के गंभीर चोट आई और उस इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। गनीमत रही कि पत्रकार की चीख पुकार सुनकर स्थानीय लोग मौके पर एकत्रित हो गए, वरना एक बड़ा हादसा हो सकता था। पत्रकार पर हमले से जुड़ा एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें उसके पीछे बड़ी संख्या में बदमाश भागते हुए दिखाई दे रहे है। बदमाशों के हाथ में डंडे हैं और उन्ही डंडों से उसके ऊपर लगातार वार भी किया जा रहे है। पत्रकार पर हुए हमले के बाद गाजियाबाद के पत्रकारों में काफी रोष है और उन्होंने गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड़ से बदमाशों पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। पत्रकार की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है। पीड़ित पत्रकार आकाश गर्ग ने बताया कि वह अपने घर से किसी नीजी कम से निकला था। इसी दौरान उसने देखा कि कुछ पक्ष आपस में लड़ रहे है। उसके साथ कुछ लोग मौजूद थे, जिससे उसने कहा कि इस लड़ाई को खत्म करवा दीजिए। जैसे ही बदमाशों ने पत्रकार को इस मामले को खत्म करने को देखा तो उन्होंने उसे ही निशाना बना दिया। बदमाश बड़ी संख्या में एकत्रित होते हुए उसके पीछे भागने लगे। जैसे ही वह अपनी जान बचाने के लिए गली में घुसा तो वह उसके पीछे भागने लगे। लेकिन भागते हुए जब वह जमीन पर गिर गया तो उसके ऊपर ताबड़तोड़ हमला किया गया, जिसमें उसे गंभीर चोट आई है। फिलहाल पत्रकार की शिकायत पर थाना कोतवाली नगर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और सीसीटीवी के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

योगी बोले: गाड़ी में पेट्रोल है, तो लाइन क्यों लगाना

लोग लॉकडाउन की अफवाह फैला रहे, लखनऊ में जॉइनिंग लेटर बांटे

लखनऊ (एजेंसी)। लोग लॉकडाउन की अफवाह फैला रहेलखनऊ में जॉइनिंग लेटर बांटे 'मोदी को रोकने के लिए किस तरह निम्न स्तर के प्रयास हो रहे हैं? क्या-क्या अफवाह फैलाई जा रही? कह रहे हैं, लॉकडाउन लग जाएगा। हमारा कर्तव्य है कि सिलेंडर 25 दिन चलता है, तो 5वें दिन क्यों लाइन में खड़े हो रहे हैं? जब पेट्रोल गाड़ी में पूरा है, तो फिर लाइन में क्यों लग रहे हैं? इन अफवाहबाजों से सावधान और सतर्क रहना होगा। जब देश की लीडरशिप आपके साथ है, तो क्यों चिंता कर रहे हैं? जनता ने उन्हें सरकार से बेदखल कर दिया, अब वे अफवाह फैला रहे हैं। अफवाह फैलाना भी राष्ट्रद्रोह है।' यह बात सीएम योगी ने रविवार को लखनऊ में कही। उन्होंने शाम साढ़े 4 बजे लोकभवन में डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के चयनित नर्सिंग अधिकारियों को जॉइनिंग लेटर बांटे। कुल 665 नर्सिंग अधिकारियों का चयन किया गया है। इनमें 345 पुरुष एवं 320 महिला अभ्यर्थी हैं।सीएम योगी ने 20 अभ्यर्थियों को सीधे जॉइनिंग लेटर सौंपे। बाकी अभ्यर्थियों को ऑनलाइन जॉइनिंग लेटर भेजे जाएंगे। योगी ने कहा कि पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया के परिणाम सबके सामने होते हैं। हमने 9 लाख अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी दी। चयन प्रकिया पर विरोधी भी सवाल नहीं उठा सकता। नियुक्ति पारदर्शी होने से ही इसमें कोर्ट का भी दखल नहीं है।सीएम ने कहा- यूपी में कल सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाया है। हमारा राज्य सबसे बड़ा है, तो हम काम भी सबसे बड़ा करेंगे। एक लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा। जेवर पहले प्रदेश का सबसे बड़ा अपराध का केंद्र था। शाम को वहां से कोई गुजरता नहीं था।आज उसे निवेश का सबसे बड़ा केंद्र बनाया है। वहां फिल्म सिटी बन रही। सेमीकंडक्टर यूनिट का शिलान्यास भी उसके पास हुआ है। एक समय तेल के बिना जनता लाचार हो जाती थी, अब सेमीकंडक्टर के बिना लाचार हो जाती है। सीएम ने कहा- जीरो टॉलरेंस सिर्फ अपराध और अपराधियों के प्रति ही नहीं है। जीरो टॉलरेंस करप्शन के प्रति भी है। जीरो करप्शन के लक्ष्य को लेकर सरकार पहले दिन से चल रही है। इसी का नतीजा है कि हर हफ्ता हम किसी न किसी नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम से जुड़ते हैं। अखिलेश मुख्यमंत्री रहते नोएडा नहीं गए, आज पहुंच गए सीएम ने कहा- मुख्यमंत्री रहते हुए अखिलेश नोएडा नहीं गए, लेकिन विभाजनकारी राजनीति के लिए आज नोएडा पहुंच गए। जेपीएनआईसी बिल्डिंग जय प्रकाश नारायण के नाम पर बनाई। उसका डीपीआर 200 करोड़ था, लेकिन उसमें 800 करोड़ खर्च हो गया। अभी भी अधूरी है। यह सपा का विकास का मॉडल है। ये किस मुंह से विकास की बात करते हैं, इनको शर्म भी नहीं आती। गोमती रिवर फ्रंट में 300 करोड़ का डीपीआर था, 1400 करोड़ खर्च हो गया। फिर भी अधूरा पड़ा है। यह जनता की गाढ़ी कमाई पर डकैती है। नौकरी निकलते ही वसूली पर निकल पड़ते थे। आज अमेठी की यादव बेटी का भी चयन हुआ है। लेकिन, उसका 2017 से पहले चयन नहीं हो सकता था। क्योंकि, उसके घरवाले पैसा नहीं दे सकते थे। मैंने कह रखा है कि अगर कहीं गलती हुई तो ऐसी हालत करूंगा जो नजीर बन जाएगा।इन अभ्यर्थियों को योगी ने जॉइनिंग लेटर दिएसीएम योगी के हाथों जॉइनिंग लेटर पाने वालों में प्रियंका सिंह, मनीष कुमार, लक्ष्मण राम चौधरी, मोहम्मद आलम, तनु, संध्या जोशी, देवराज गुर्जर, देवेश कुमार, जय प्रकाश सिंह, धर्मेंद्र काजला, कुमारी अनामिका यादव, दीप्ति देवी, प्रतिमा कश्यप, आकांक्षा, ऋषि राज गौतम, आराध्या सिंह, प्रियंका चौधरी, विवेक कुमार गोंड, संध्या सिंह और शरिमा सिद्दीकी शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इन नियुक्तियों से प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में नर्सिंग स्टाफ बढ़ेगा। इससे मरीजों को इलाज में सहूलियत मिलेगी। सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। लोहिया अस्पताल के निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने बताया- 42280 आवेदन आए थे। 14 राज्यों के 34 शहरों में परीक्षा कराई गई थी। इनमें से 665 का सिलेक्शन हुआ। चिकित्सा शिक्षा विभाग के राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि लोहिया संस्थान पीजीआई के बाद सबसे बड़ा है। आप लोगों को मरीजों का जितना आशीर्वाद मिलेगा, उतना आपका इस पेशे में आना सार्थक होगा। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आप सभी एक बड़े संस्थान से जुड़ रहे हैं। यूपी कैसे बदलाव लाया? यहां 2017 पहले क्या हालत थे? क्या हमारी बेटी शाम को सुरक्षित बाहर जा सकती थी? नौकरी भी भैया-भतीजे की पर्ची पर लगती थी। नौकरी के लिए इटावा से सैफई तक भैया-भतीजे के चक्कर लगाने पड़ते थे। नौकरी के लिए माता-पिता को गहने और खेत तक बेचने पड़ते थे। अब किसी से चवन्नी भी किसी ने नहीं मांगी। मैंने तो निदेशक से पूछा भी नहीं कि एग्जाम कब हो रहा है? कौन-सी एजेंसी है, क्योंकि जो पूछेगा तो वह जेल जाएगा। आगरा में 7 साल की बेटी से दुराचार करने वाले की पुलिस ने क्या हालात की, यह आपके वोट की ताकत है। आपको जनता को बताना है कि यूपी में कमल है, भाजपा है और सीएम योगी हैं। तभी प्रदेश सुरक्षित है। यूपी आज सुरक्षित हाथ में है, योगीजी के हाथ में है। यह सफेद कोट शांति का प्रतीक है। जेवर एयरपोर्ट से भैया को दर्द हो गया।

गड़बड़ी करने वालों की क्या हालत करते हैं, किसी से छिपा नहीं

योगी ने कहा- 2017 से पहले ज्यादातर भर्ती बाधित थी। यूपी को 9 लाख मैनपावर मिलने से बीमारू राज्य को देश का ग्रोथ इंजन बना दिया। जिस राज्य के पास वेतन देने तक के पैसे नहीं होते थे, अब रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। आज हमारी प्रति व्यक्ति आय तीन गुना है। भर्ती परीक्षा में किसी तरह का दखल भी नहीं है। हर हफ्ते नियुक्ति पत्र वितरित किया जाता है। भर्ती आयोग पर शासन की तीसरी नजर रहती है। कहीं कोई गड़बड़ी नहीं करे। कोई युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करे, उससे पहले ही उसे पकड़कर उसकी क्या हालत करते हैं, यह किसी से छिपा नहीं।

लॉकडाउन की अफवाह फैलाई जा रही

योगी ने कहा- दुनिया संकट में है, उथल-पुथल और संशय का माहौल है। तमाम देशों ने काम के घंटे कम कर दिए हैं। अमेरिका में भी पेट्रोल के दाम आसमान छू रहे। हमारे पड़ोसी देशों की भी हालत खराब है। लेकिन, भारत बिना रुके चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल-डीजल की एक्साइज ड्यूटी कम की है। इसका फायदा सभी वर्गों को मिल रहा। देश में लॉकडाउन की अफवाह फैलाई जा रही है।

सुल्तानपुर में इंस्पेक्टर के सीने में गोली लगी, हालत गंभीर

सुल्तानपुर के अखंड नगर थाने में तैनात इंस्पेक्टर अरुण द्विवेदी (50) को रविवार शाम 6 बजे सरकारी आवास में गोली लग गई। गोली उनके सीने को चीरने को कंधे में फंस गई। गंभीर हालत में उन्हें लखनऊ ढत्रक्क्रमें लाया गया। जहां उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। आज यानी सोमवार को उनकी सर्जरी की जाएगी। इंस्पेक्टर (क्राइम) अरुण द्विवेदी थाना परिसर में ही सरकारी क्वार्टर में रहते थे। एसपी चारू निगम ने बताया कि यह एक हादसा है। वो अपने कमरे में सामान रख रहे थे, तभी ये घटना हुई। खुद ही अपने घाव को हाथ से दबाकर बाहर आए। थाने के सिपाही और दरोगा से मदद मांगी। दरोगा कन्हैया पांडेय तुरंत उन्हें लेकर निजी गाड़ी से लखनऊ पीजीआई रवाना हो गए। एसपी ने घटना की सूचना मिलने पर कादीपुर के सीओ विनय गौतम को मौके पर भेजा। सीओ ने बताया कि केस क्रिटिकल था। स्थानीय स्तर पर हाई लेवल हॉस्पिटल नहीं है। इसलिए तत्काल बेहतर इलाज के लिए सीधे लखनऊ ले जाया गया। एसपी ने बताया कि घटना के समय इंस्पेक्टर अरुण अपने कमरे में अकेले थे। कमरा अंदर से बंद था। सामान रख रहे थे। उनके पास उनकी निजी 32 बोर की लाइसेंसी रिवॉल्वर थी। जिसे वो हमेशा अपने पास रखते थे। शाम को तैयार होते समय उन्होंने रिवॉल्वर को एक तौलिये पर रखा था। जब उन्होंने तौलिया खींचा, तो रिवॉल्वर नीचे गिर गई और गोली चल गई। एसपी ने बताया कि जांच के दौरान घटनास्थल का मुआयना किया गया तो पता चला कि फायर सरकारी गन से नहीं, बल्कि इंस्पेक्टर अरुण की 32 बोर की निजी लाइसेंसी रिवॉल्वर से हुआ था। रिवॉल्वर पूरी तरह से लोडेड थी। मौके पर एक खोखा मिला है, जबकि 5 जिंदा कारतूस रिवॉल्वर के अंदर मिले। रिवॉल्वर को जांच के लिए भेजा गया है। फर्श पर खून के छींटे भी पाए गए हैं। अरुण द्विवेदी मूल रूप से प्रयागराज के रहने वाले बताए जा रहे हैं। अरुण 15 मार्च से अखंडनगर थाने के कार्यवाहक प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। वह मूल रूप से क्राइम इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे।

बहू को नहीं देना होगा सास-ससुर का भरण पोषण

इलाहाबाद(एजेंसी)। हाईकोर्ट ने बुजुर्ग दंपती के बहू से मेंटेनेंस का दावा करने वाली याचिका खारिज को कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि अपनी बहू से भरण पोषण पाने का कानूनी अधिकार सास-ससुर को नहीं हैं।भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता या पूर्ववर्ती दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत भरण पोषण पाने वालों की सूची में सास या ससुर को शामिल नहीं किया गया है। यह फैसला न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकल पीठ ने दिया है।दरअसल, आगरा के राकेश कुमार और एक अन्य की आपराधिक पुनरीक्षण अर्जी दाखिल की थी। इसमें उन्होंने धारा 144 के तहत अपने बेटे की मृत्यु के बाद बहू से मेंटेनेंस की मांग की थी। 21 अगस्त 2025 में फैमिली कोर्ट ने भी दंपती की याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद दोनों ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।आगरा निवासी बुजुर्ग दंपती ने याचिका दाखिल की थी। दंपती के वकील ने दलील दी थी कि बुजुर्ग दंपती अनपढ़ हैं। गरीब माता-पिता हैं। वह अपने इकलौते बेटे प्रवेश कुमार पर पूरी तरह निर्भर थे। प्रवेश यूपी पुलिस में कांस्टेबल थे।प्रवेश की शादी 26 अप्रैल 2016 को हुई थी। 31 मार्च 2021 को उनकी मौत हो गई। प्रवेश कुमार की पत्नी यानी दंपती की बहू भी यूपी पुलिस में कांस्टेबल है। बहू की अच्छी कमाई है। बेटे की नौकरी से जुड़े सर्विस और रिटायरल बेनिफिट्स भी उसे मिले हैं।वकील ने कहा कि बहू का अपने सास-ससुर की देखभाल करना नैतिक जिम्मेदारी है। इसे कानूनी जिम्मेदारी भी माना जाना चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा कि दंपती की मांग धारा 144 के तहत कानूनी तौर पर सही नहीं है। क्योंकि इस कानून में गुजारा भत्ता के लिए सास-ससुर का जिक्र नहीं है। इसलिए फैमिली कोर्ट के आदेश में कोई गलती या कमी नहीं है।क्या है धारा 144 दंपती ने कानून की धारा 144 के तहत गुजारा भत्ता की मांग की थी। इसके अनुसार, कोई भी साधन संपन्न व्यक्ति अगर अपना भरण-पोषण करने में असक्षम पत्नी, वैध-अवैध बच्चे या माता-पिता को गुजारा भत्ता नहीं देता है तो बीएनएस की धारा 144 के तहत मजिस्ट्रेट उसे ऐसा करने का आदेश दे सकते हैं।

सीतापुर में रात 3 बजे मस्जिद को ढहाया

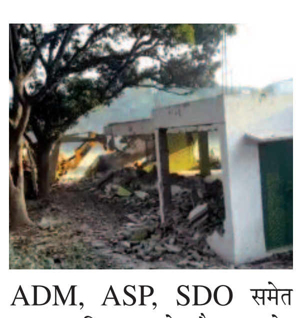

सीतापुर (एजेंसी)। मस्जिद को बुलडोजर से ढहा दिया गया। मस्जिद 12 साल पहले बनाई गई थी। एडीएम नीतीश कुमार अफसरों के साथ सोमवार रात 3 बजे मौके पर पहुंचे। बुलडोजर मंगाए गए। इसके बाद मस्जिद को ढहाने की कार्रवाई हुई। मंगलवार सुबह 8 बजे तक मस्जिद को जमींदोज कर दिया।मस्जिद जिला मुख्यालय से 42 किलोमीटर दूर लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के नयागांव बेहटी में बनी थी। अफसरों ने बताया- मस्जिद अवैध तरीके से तालाब की जमीन पर बनाई गई थी। ग्राम सभा की शिकायत पर तहसील कोर्ट ने मस्जिद को गिराने का आदेश दिया था। बुलडोजर कार्रवाई के दौरान ADM, ASP, SDO समेत 500 पुलिस वाले तैनात रहे। कार्रवाई के दौरान किसी तरह का विरोध नहीं हुआ। नयागांव बेहटी में 12 साल पहले 0.2430 हेक्टेयर यानी करीब डेढ़ बीघा जमीन पर मस्जिद सैयद हजरत उमर फारूक का निर्माण कराया गया था। इसमें एक हॉल और 4 छोटे-छोटे कमरे थे। इसकी देखरेख का जिम्मा मुतवल्ली आलम नाम के मौलवी के पास था। तालाब और कब्रिस्तान की जमीन पर बनाई गई मस्जिद को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। ग्राम सभा ने दावा किया कि मस्जिद तालाब और कब्रिस्तान की जमीन पर बनाई गई। 18 दिसंबर, 2025 को ग्राम सभा की ओर से कोर्ट में वाद दाखिल किया गया। 6 जनवरी को फैसला, 5 दिन का नोटिस दिया कोर्ट से 6 जनवरी, 2026 को मस्जिद को अवैध घोषित करते हुए मालिकान को बेदखल करने का आदेश पारित हुआ। कोर्ट ने 15 दिन का नोटिस देकर मस्जिद से जरूरी सामान हटा लेने की हिदायत दी थी। मियाद पूरी होने के बाद अब ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। नोटिस के बावजूद निर्माण नहीं हटाया गया प्रशासन के मुताबिक, तहसीलदार लहरपुर ने उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा-67 के तहत संबंधित पक्ष को पहले ही नोटिस जारी किया था। इसके बावजूद निर्माण नहीं हटाया गया। इसके बाद जिला प्रशासन ने ध्वस्तीकरण कार्रवाई का फैसला लिया। धारा-67 के तहत ग्राम पंचायत या स्थानीय प्राधिकरण की जमीन पर अवैध कब्जे को रोकने का प्रावधान है। तहसीलदार या उपजिलाधिकारी (SDM) अवैध कब्जा करने वाले को नोटिस जारी कर, जुमार्ना लगाकर और सरकारी भूमि से बेदखल कर अवैध कब्जे का हजार्ना भू-राजस्व की तरह वसूल सकते हैं।

प्रधानाचार्य एसके आर्य को भावपूर्ण विदाई, कार्यकाल की उपलब्धियों को किया याद

शामली। (शिखर समाचार) शहर के वीवी इंटर कॉलेज में सोमवार को प्रधानाचार्य एसके आर्य के सेवानिव ृ‍ा होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों एवं स्कूल प्रबंधक समिति के सदस्यों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक संजय संगल और समाजसेवी अंकित गोयल ने संयुक्त रूप से किया। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानाचार्य एसके आर्य का कार्यकाल कॉलेज के लिए उपलब्धियों से भरा रहा। उनके नेतृत्व में न केवल शैक्षिक स्तर में सुधार हुआ, बल्कि विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रेरणा भी मिली। साथ ही, उन्होंने शिक्षकों के हितों के लिए भी हमेशा मजबूती से आवाज उठाई। इस मौके पर प्रधानाचार्य एसके आर्य ने कहा कि उन्हें कॉलेज प्रबंधक समिति और शिक्षकों का जो सहयोग मिला, उसे वे जीवन भर नहीं भूल पाएंगे। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह के दौरान प्रबंधक समिति की ओर से उन्हें शॉल, छड़ी और गीता भेंट कर सम्मानित किया गया। शिक्षकों ने फूल-मालाओं के साथ उनका स्वागत करते हुए भावुक माहौल में विदाई दी। इस अवसर पर अनुराग शर्मा, रजनीश कोरी, मनोज शर्मा, राजनाथ सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महावीर जयंती पर निकली भव्य प्रभात फेरी, श्रद्धालुओं ने लगाए जयकारे

शामली। (शिखर समाचार) जैन मिलन शामली के संयोजन में सोमवार को भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य में भव्य प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। प्रातः साढ़े 5 बजे महावीर जिनालय से प्रारंभ हुई प्रभात फेरी जैन स्थानक पहुंची, जहां विराजमान गुरु महाराजों के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने मंगल पाठ का श्रवण किया। इसके पश्चात प्रभात फेरी मिल रोड, वीवी इंटर कॉलेज रोड होते हुए पार्श्वनाथ जिनालय और आदिनाथ जिनालय से गुजरकर पुनः महावीर जिनालय पर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भगवान महावीर के जयकारे लगाए और धर्मलाभ अर्जित किया। कार्यक्रम में जैन समाज के अध्यक्ष आलोक जैन, जैन धर्मशाला अध्यक्ष मोहित जैन, महावीर जिनालय अध्यक्ष सुदेश जैन, एसएस जैन सभा से नानक चंद जैन, अभिषेक जैन, जैन मिलन शामली के अध्यक्ष राजेश जैन, महामंत्री अंकित जैन, कोषाध्यक्ष राजकुमार जैन, डॉ. राजेश जैन, वीरेंद्र जैन, अरुण जैन, अरविंद जैन, नवीन जैन सहित बड़ी संख्या में महिला शाखाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

भगवान महावीर का 2625वां जन्म कल्याणक खतौली में श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया गया

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भगवान महावीर का 2625वां जन्म कल्याणक खतौली में पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में जैन समाज के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और धर्ममय वातावरण में भक्ति भाव से सहभागिता की। इस अवसर पर आचार्य भारत भूषण एवं निर्वाण भूषण के सान्निध्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ। आयोजन पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं जैन मंडी खतौली की उत्सव समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकाल अभिषेक, शांतिधारा पूजन, महामंडल विधान एवं ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके पश्चात दोपहर में भव्य रथयात्रा निकाली गई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी और श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रही। रथयात्रा में सजीव एवं आकर्षक झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। यात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर रथयात्रा का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर जैन समाज के लोगों ने भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य और संयम के संदेश को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

मोदीनगर : सड़क हादसों में एक की मौत, तीन घायल

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली मेरठ मार्ग पर सोमवार को अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि ई रिक्शा पलटने से तीन लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोविंदपुरी के डबल स्टोरी निवासी महिपाल सिंह बाइक से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वह मुख्य मार्ग पर यू टर्न ले रहे थे, तभी मेरठ की ओर से तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दूसरी घटना दोपहर के समय सीकरी रोड के पास हुई। एक ईक्षरिक्शा चालक सवारियां लेकर जा रहा था, तभी अचानक आई एक कार ने ई रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ई रिक्शा पलट गया। इस हादसे में ई रिक्शा में सवार तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस दोनों मामलों की जांच में जुटी हुई है।

वाराणसी की दालमंडी में 30 मकान तोड़े गए

वाराणसी (एजेंसी)। दालमंडी में रविवार को 30 मकानों को तोड़ा गया। मजदूरों ने छेनी-हथौड़ी और बुलडोजर से मकानों को ढहाया। सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक चली प्रशासन की कार्रवाई में 150 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहे। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर ड्रोन कैमरों से निगरानी की ।प्रशासन के मुताबिक, तोड़े गए सभी मकानों की रजिस्ट्री करवा ली गई है। हिस्सेदारों के अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर दिए गए हैं। ईद को लेकर कार्रवाई रोकी गई थी। इससे पहले भी 22 जर्जर मकान तोड़े जा चुके हैं। दरअसल, दालमंडी गली को मॉडल सड़क के रूप में विकसित किया जाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 51वें काशी दौरे पर इसका शिलान्यास किया था। इसके लिए राज्य सरकार की तरफ से 215.88 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। 186 घर और दुकान मालिकों को 191 करोड़ रुपए मुआवजे के रूप में दिए जाएंगे।पीडब्ल्यूडी के अफसरों के मुताबिक, नई सड़क से लेकर चौक थाने तक 650 मीटर लंबी दालमंडी गली को 60 फीट चौड़ा किया जाना है। इसमें 30 फीट की सड़क और दोनों तरफ 15-15 फीट की पटरी होगी। इसके अंदर बिजली, सीवर और पानी की व्यवस्था अंडरग्राउंड की जाएगी। तारों का जंजाल साफ किया जाएगा। ध्वस्तीकरण कार्रवाई को लेकर कुछ दुकानदार 1 दिन का समय मांग रहे हैं।उनका कहना है कि दुकान में सामान भरा हुआ है। एक दिन का समय दे दिया जाए, तो अपना सामान निकाल कर बाहर कर लेंगे। लेकिन पुलिस ने उनकी बात नहीं सुनी। दुकानों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है।दालमंडी में सेवई, मिठाई और खजूर की दुकानों को भी गिराने की तैयारी चल रही है। ऐसे में दुकानदार जल्द से जल्द दुकानों से सामना निकालकर खाली कर रहे हैं।प्रशासन के लोग और फोर्स यहां मुस्तैद है। सुबह से ही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई चल रही है। छेनी-हथौड़ी से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के बीच अब बुलडोजर चलना शुरू हो गया है। कार्रवाई को आज बहुत तेजी से चलाया जा रहा है। कई-कई मकानों पर एक साथ कई-कई मजदूर तो लगे ही हैं। वहीं अब बुलडोजर से भी मकानों और दुकानों को तोड़ा जा रहा है।दालमंडी में परवेज हसन ने कहा- यहां हम सबकी रोजी रोटी जा चुकी है, सरकार रोजगार दे नहीं पा रही है। यहां चौड़ीकरण किया जा रहा है। लेकिन सरकार को इसका मुवावजा देना चाहिए था। दालमंडी के लोगों के साथ अन्याय कर रही सरकार। बुलडोजर लेकर दुकान तोड़ने पहुंचे अधिकारियों से दुकानदार हाथ जोड़कर समय मांग रहे।दुकानदारों को कहना है कि हमें बस 24 घंटे का समय और दे दीजे। हम दुकान खाली कर देंगे। नहीं तो हमारा बहुत नुकसान हो जाएगा।मणिकर्णिका घाट के रास्ते में दालमंडी की गली पड़ती है। ऐसे में जिस समय ध्वस्तीकरण की कार्रवाई चल रही थी, उसी समय लोग अर्थी लेकर गली से गुजर रहे थे।स्थानीय निवासी आदिल खान बोले- मेरा एक मकान पहले ही टूट चुका है। दूसरे पर आज हाथ लगाने पहुंचे हैं ये लोग। हमने उन्हें रोकने की बहुत कोशिश की। लेकिन एकदम से धावा बोला दिया।हम लाखों-लाखों की दुकान लेकर बैठे हैं। हम भीख मांगेगे क्या। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में हम लोग बैठे हैं। आप रोजगार देंगे या हमें भिखारी बनाएंगे।मोदी जी एक बार हम लोगों के दुख-दर्द को समझे। हमसे बात करें। जिस तरह और राजनीतिक पार्टियां आ रही हैं हमसे बात करने। हम लोगों ने ही आपको जिताया है। आप सांसद सबके हैं। आप हमें स्थापित कीजे। एसीपी अतुल अंजान त्रिपाठी माइक लेकर अनाउंस कर रहे हैं। वह लोगों से मौके से हटने के लिए कह रहे हैं।एसीपी अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया- आज 30 मकानों को चिह्नित किया गया है, जिन पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई होगी। सुरक्षा के लिए पर्याप्त फोर्स लगाई गई है। कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात है और ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है। दाल मंडी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हो गई है। मजदूर छेनी-हथौड़ी से मकानों को तोड़ रहे हैं। पुलिस लोगों को मौके से हटा रही है।पीडब्ल्यूडी के जेई ने बताया- दालमंडी गली को 17.05 मीटर चौड़ा किया जाना है। इसे लेकर दालमंडी के 181 मकान चिह्नित किए गए हैं। इनसे 6 मस्जिदें भी जद में हैं। अभी तक कुल 46 मकानों की रजिस्ट्री की जा चुकी है। ईद को लेकर कार्रवाई को रोका गया था। लेकिन अब ईद के बीतने के बाद एक बार फिर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

आपदा प्रबंधन में जनभागीदारी पर बड़ा कदम : ग्रेटर नोएडा में एनडीआरएफ की कार्यशाला संपन्न

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आपदा जोखिम न्यूनीकरण को लेकर जनपद स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन ग्रेटर नोएडा वर्ल्ड स्कूल में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं, अधिकारियों, छात्रों और स्वयंसेवी संगठनों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा प्रबंधन में सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करना रहा। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आम नागरिकों की भूमिका को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम ने प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन की संरचना, उद्देश्य और विभिन्न परिस्थितियों में त्वरित बचाव कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। भूकंप, बाढ़, आग, चक्रवात और औद्योगिक दुर्घटनाओं जैसी आपदाओं से निपटने के व्यावहारिक उपाय सिखाए गए। प्रशिक्षण के दौरान सीपीआर, बीएलएस और एफबीएओ जैसी जीवनरक्षक तकनीकों का अभ्यास कराया गया। इसके साथ ही रक्तस्राव रोकने, टूर्नीकेट के प्रयोग, घायलों को सुरक्षित निकालने और सीमित संसाधनों से स्ट्रेचर व फ्लोटिंग डिवाइस तैयार करने के तरीके भी सिखाए गए। आपदा सखी मॉडल के तहत महिलाओं को विशेष प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें बताया गया कि ग्रामीण महिलाएं आपदा के समय राहत और बचाव में अहम भूमिका निभा सकती हैं। जोखिम मानचित्रण, सुरक्षित मार्गों की पहचान और प्राथमिक उपचार पर भी जोर दिया गया। अग्निशमन विभाग द्वारा आग से बचाव और फायर एक्सटिंग्विशर के उपयोग का लाइव डेमो दिया गया। स्वास्थ्य विभाग ने प्राथमिक उपचार, भीड़ प्रबंधन और ट्रायज प्रणाली की जानकारी दी। कार्यक्रम में वीडियो क्लिप के माध्यम से जागरूकता बढ़ाई गई। अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर कार्यशाला का समापन किया गया। इस प्रशिक्षण में करीब 245 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

शारदा विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास से मनाई गई महावीर जयंती

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय में भगवान महावीर स्वामी की जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कार्यकारी निदेशक प्रशांत गुप्ता और रजिस्ट्रार डॉ. विवेक गुप्ता ने भगवान महावीर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को अहिंसा, सत्य और करुणा जैसे जैन धर्म के मूल सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रार्थनाओं और विचार विमर्श के माध्यम से महावीर जयंती के महत्व को रेखांकित किया गया।
प्रशांत गुप्ता ने कहा कि लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण ही व्यक्ति को महान बनाता है और भगवान महावीर के सिद्धांत आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के डीन, एचओडी, फैकल्टी और छात्र बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सूरजपुर में सजेगा आस्था संस्कृति और मनोरंजन का संगम ऐतिहासिक बाराही मेला 2026 का भव्य आगाज 1 अप्रैल से

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। क्षेत्रीय परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक सूरजपुर का ऐतिहासिक बाराही मेला 2026 इस वर्ष 1 अप्रैल से 13 अप्रैल तक भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। ह्रसोशल मीडिया और संस्कारह्र थीम पर आधारित यह मेला आधुनिकता और परंपरा के संतुलन का अनूठा संदेश देगा।
मेला समिति अध्यक्ष चौ० धर्मपाल भाटी (प्रधान) ने बताया कि मेले का शुभारंभ 1 अप्रैल को सायं 4:30 बजे ध्वजारोहण के साथ होगा, जिसके बाद भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। महामंत्री ओमवीर बैंसला के अनुसार, मेला प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 2 बजे तक चलेगा, जिसमें सांस्कृतिक, सामाजिक और मनोरंजक कार्यक्रमों की विविध प्रस्तुतियां होंगी।
कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल ने बताया कि इस बार मेले में ₹101 से ₹1,51,000 तक का विशाल ईनामी कुश्ती दंगल आयोजित किया जाएगा, जिसका प्रायोजन मोहन बाबा ट्रस्ट, दिल्ली द्वारा किया जा रहा है। वहीं मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा ने जानकारी दी कि पहली बार मेले में जलपरी शो आकर्षण का केंद्र रहेगा। मेले में मारुति सर्कस, रोमांचक झूले, जादूगर शो, काला जादू, मौत का कुआं, भूत बंगला, मीना बाजार और खान-पान की दुकानों के साथ विराट कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें संतोष आनंद और मुकेश शर्मा जैसे कवि अपनी प्रस्तुतियां देंगे। 2 अप्रैल को शेखचिल्ली और रुखसाना की महफिल विशेष आकर्षण रहेगी। प्रतिदिन रात्रि 8:00 बजे से 8:15 बजे तक क्षेत्रीय परंपराओं का सम्मान किया जाएगा, जिसके बाद मुख्य कार्यक्रम शुरू होंगे। धार्मिक आस्था और ग्रामीण संस्कृति की झलक मेले में स्थित प्राचीन सरोवर में स्नान को लेकर मान्यता है कि इससे चर्म रोगों में लाभ मिलता है। वहीं प्राचीन चौपाल में ग्रामीण जीवन की झलक बड़ी खाट, हुक्का, बैलगाड़ी, राया, पीछा और रई आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल : 27 आईपीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ (शिखर समाचार)। प्रदेश में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सरकार ने पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर फेरबदल करते हुए 27 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। इस बदलाव में कई जिलों के पुलिस अधीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अन्य अहम पदों पर तैनात अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी आदेश के अनुसार, प्रशिक्षण निदेशालय लखनऊ में तैनात प्रशांत कुमार को डीजी सुरक्षा, लखनऊ बनाया गया है। वहीं शाहजहांपुर के पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी को अलीगढ़ में 38वीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक नियुक्त किया गया है। एटा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्याम नारायण सिंह को एसडीआरएफ लखनऊ भेजा गया है, जबकि महोबा के एसपी मृदुल कुमार सिंह को पुलिस मुख्यालय लखनऊ में एसपी अपराध बनाया गया है। रामपुर के एसपी विद्यासागर मिश्र को सीतापुर में 11वीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है। कौशांबी के एसपी राजेश कुमार को मेरठ में 44वीं वाहिनी पीएसी भेजा गया है। चंदौली के एसपी अंकित लाठर को फिरोजाबाद का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है, जबकि अमरोहा के एसपी अभिषेक अग्रवाल को लखनऊ में डीसीपी की जिम्मेदारी दी गई है। मऊ के एसपी ईलामारन जी को एटा का एसएसपी बनाया गया है। जालौन के एसपी डॉ. धर्मवीर सिंह को अयोध्या पीएसी में सेनानायक के रूप में तैनाती मिली है। बहराइच के एसपी नवीन कुमार सिंह को गौतमबुद्धनगर पीएसी भेजा गया है, जबकि फिरोजाबाद के एसपी रवीन्द्र सिंह को शाहजहांपुर का एसपी बनाया गया है। महाराजगंज के एसपी सोमेंद्र वर्मा को रामपुर भेजा गया है। हमीरपुर की एसपी दीक्षा शर्मा को लखनऊ में डीसीपी बनाया गया है। लखनऊ में तैनात डीसीपी निपुण अग्रवाल को मुरादाबाद पीएसी का सेनानायक बनाया गया है, जबकि गौतमबुद्धनगर पीएसी में तैनात मोहित कुमार को मऊ का एसपी बनाया गया है। इसी क्रम में लखनऊ के डीसीपी विजय शंकर मिश्र को बहराइच का एसपी बनाया गया है। अलीगढ़ पीएसी में तैनात ललित सिंह यादव को अमरोहा का एसपी बनाया गया है। एटीएस लखनऊ में तैनात विनय कुमार सिंह को जालौन का एसपी बनाया गया है, जबकि लखनऊ के डीसीपी शशांक सिंह को महोबा का एसपी नियुक्त किया गया है। गौतमबुद्धनगर में तैनात डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी को महाराजगंज का एसपी बनाया गया है। प्रयागराज के एडीसीपी आकाश पटेल को चंदौली का एसपी बनाया गया है। मुजफ्फरनगर नगर क्षेत्र के एसपी सत्यनारायण प्रजापत को कौशांबी भेजा गया है। अलीगढ़ नगर के एसपी मुग्धक हर्ष पाठक को हमीरपुर का एसपी बनाया गया है। वहीं मुजफ्फरनगर ग्रामीण के एसपी अभिषेक यादव को अलीगढ़ नगर का एसपी बनाया गया है और अलीगढ़ ग्रामीण में तैनात अजय जैन को मुजफ्फरनगर नगर का एसपी बनाया गया है। आगरा में सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात महेंद्र कुमार अवस्थी को मुजफ्फरनगर ग्रामीण का एसपी बनाया गया है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार यह तबादले प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं, जिससे प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके तथा अपराध नियंत्रण को मजबूत किया जा सके।

स्टांप विक्रेता की बेटी बनी असिस्टेंट कमिश्नर, पहले प्रयास में सफलता

रबूपुरा (शिखर समाचार।) यूपीपीएससी 2024 परीक्षा के अंतिम परिणाम में रबूपुरा की बेटी रश्मि कुमारी ने बिना कोचिंग के पहले ही प्रयास में सफलता हासिल कर असिस्टेंट कमिश्नर वाणिज्यकर पद पर चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। रश्मि कुमारी जो अंबेडकर नगर निवासी स्टांप विक्रेता भागमल सिंह की बेटी हैं, ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सलारपुर से पूरी की और दिल्ली विश्वविद्यालय से बीए ऑनर्स किया। इसके बाद उन्होंने घर पर रहकर

यूट्यूब के माध्यम से तैयारी कर यह सफलता प्राप्त की। परिवार के अनुसार रश्मि बचपन से ही मेधावी रही हैं और उनका सपना आईएएस बनकर समाज सेवा करना है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

एक्सप्रेस ट्रेन में चेन पुलिंग, आरोपी गिरफ्तार

दादरी (शिखर समाचार)। दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग पर दादरी रेलवे स्टेशन के समीप एक एक्सप्रेस ट्रेन में चेन पुलिंग किए जाने का मामला सामने आया है। घटना उस समय हुई जब गोमती एक्सप्रेस दिल्ली की ओर जा रही थी और यार्ड के पास पहुंचते ही किसी ने चेन खींच दी, जिससे ट्रेन अचानक रुक गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची आरपीएफ पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान फिरोजाबाद जनपद के बन्ना गांव निवासी प्रखर भारद्वाज के रूप में हुई है। आरोपी ने बताया कि उसे सूरजपुर जाना था और ट्रेन लेट होने के कारण जल्द पहुंचने के लिए उसने यह कदम उठाया।
आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। बाद में नियमानुसार उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों हेतु योजनाओं का किया शुभारंभ, शामली में भी हुआ सीधा प्रसारण

शामली (शिखर समाचार)। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के तहत सोमवार को योगी आदित्यनाथ द्वारा लोक भवन, लखनऊ से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, मुख्य सेविकाओं व सहायिकाओं के लिए विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ एवं लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जनपद शामली में भी देखा गया। जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के संबोधन को सुना। इस दौरान एमएलसी वीरेन्द्र सिंह, शामली विधायक प्रसन्न चौधरी, थानाभवन विधायक अशरफ अली, भाजपा जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप, जिलाध्यक्ष वाजिद अली सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में 136 सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए, जबकि 5 सहायिकाओं को आंगनबाड़ी कार्यकत्री पद पर पदोन्नति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त 14 मुख्य सेविकाओं व 43 नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए 54 इन्फैंटोमीटर व 600 स्टैडियोमीटर उपलब्ध कराए गए, साथ ही 28 आंगनबाड़ी केंद्र भवनों का लोकार्पण भी किया गया। जिलाधिकारी ने नवचयनित सहायिकाओं, मुख्य सेविकाओं एवं कार्यकत्रियों को बधाई देते हुए कहा कि वे सेवा भाव से अपने दायित्वों का निर्वहन करें और नवजात शिशुओं व गर्भवती महिलाओं के पोषण पर विशेष ध्यान दें। इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

कंपोजिट विद्यालय लोनी में वार्षिकोत्सव के साथ पेरेंट्स-टीचर मीटिंग का हुआ आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। 446 परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए कंपोजिट विद्यालय बाग राणप लोनी में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के साथ पेरेंट्स-टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्कर्ष (आईएएस, रैंक 32, वर्ष 2026) उपस्थित रहे। साथ ही खंड शिक्षा अधिकारी लोनी सर्वेश कुमार, हरनूर कौर (निपुण सेल), कल्पना यादव (एआरपी), रीना (एआरपी), प्रधानाध्यापिका इमराना सिद्दीकी एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के दौरान अध्ययनरत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित अधिकारियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया और पूरे वातावरण को उल्लासमय बना दिया। इस अवसर पर पेरेंट्स-टीचर मीटिंग में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा

2025-26 उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए अभिभावकों एवं शिक्षकों के समन्वय को बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कुंजी बताया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव ने कहा कि शिक्षा समाज के विकास की आधारशिला है और प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाना हम सभी का दायित्व है। वहीं उत्कर्ष (आईएएस) ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हर बच्चा असीम संभावनाओं से भरा हुआ है और सही मार्गदर्शन व निरंतर परिश्रम से वह अपने जीवन में उच्चतम लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। खंड शिक्षा अधिकारी सर्वेश कुमार ने विद्यालय एवं अभिभावकों के बीच सुदृढ़ संवाद को बच्चों की सफलता का आधार बताया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा आगामी सत्र 2026-27 को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्राम स्तर पर प्रधानाध्यापक द्वारा आशा बहू, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं एएनएम के साथ संयुक्त बैठक कर 3 वर्ष से अधिक आयु के सभी बच्चों का आंगनवाड़ी केंद्र एवं बाल वाटिका में नामांकन सुनिश्चित किया जाए तथा 6 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक बच्चे का कक्षा-1 में प्रवेश कराया जाए। इसके अतिरिक्त कक्षा-5 उत्तीर्ण प्रत्येक बच्चे का कक्षा-6 में, कक्षा-8 उत्तीर्ण बच्चे का कक्षा-9 में तथा कक्षा-10 उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं का कक्षा-11 में नामांकन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। आगामी ह्रस्कूल चलो अभियान 2026-27ह्र को सफल बनाने के लिए उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल एक शासकीय कार्यक्रम न रहकर जन-आंदोलन का रूप ले, जिसमें आमजन, अभिभावक, जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाएं एवं विभिन्न विभागों का समन्वय स्थापित किया जाए। व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से प्रत्येक परिवार को प्रेरित किया जाए कि वह अपने बच्चों को न केवल विद्यालय भेजे, बल्कि 3 वर्ष से 18 वर्ष तक का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। अंततः यह आयोजन शिक्षा के प्रति जनजागरूकता, सहभागिता एवं जिम्मेदारी का एक सशक्त उदाहरण बनकर उभरा, जिसने यह संदेश दिया कि जब प्रशासन, शिक्षक और अभिभावक एक साथ मिलकर कार्य करते हैं, तब हर बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की नींव और भी मजबूत हो जाती है।

यमुना एक्सप्रेस वे पर दर्दनाक हादसा : बस में चढ़ते समय महिला की मौत, चालक फरार

जेवर (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेस-वे पर एक दर्दनाक हादसे में बस में चढ़ते समय महिला की मौत हो गई। आरोप है कि चालक ने लापरवाही दिखाते हुए बस को अचानक तेज गति से चला दिया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली के हर्ष विहार निवासी एक परिवार वृंदावन जा रहा था। रास्ते में शिवा ढाबे के पास बस खराब हो गई। इसी दौरान महिला बस से उतर गईं और वापस चढ़ने लगीं, तभी चालक ने अचानक बस चला दी। बस की चपेट में आने से

महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजन उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर आरोपी चालक के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश शुरू कर दी है।

निपुण भारत मिशन पर अभिभावकों को किया गया जागरूक

मुरादनगर (शिखर समाचार)। ग्राम बसंतपुर सैंथली स्थित पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय में शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।
बैठक के दौरान अभिभावकों के साथ बच्चों के परीक्षा परिणाम, उनकी नियमित उपस्थिति तथा नए नामांकन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों ने अभिभावकों को बच्चों की शैक्षणिक प्रगति से अवगत कराते हुए उन्हें पढ़ाई के प्रति और अधिक सजग रहने के लिए प्रेरित किया।
इस अवसर पर राज्य सरकार द्वारा संचालित निपुण भारत मिशन के अंतर्गत बच्चों में विकसित की जा रही बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता कौशल की जानकारी भी दी गई। साथ ही, ह्वसिंपल ऐपह्व के उपयोग के बारे में विस्तार से समझाते हुए अभिभावकों को डिजिटल माध्यम से बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करने के लिए जागरूक किया गया।
प्रधानाचार्या अलका परिहार ने बताया कि विद्यालय में शिक्षण कार्य को प्रभावी और रोचक बनाने के लिए आईसीटी उपकरणों, बिग बुक्स, विज्ञान एवं गणित किट सहित विभिन्न शिक्षण-अधिगम सामग्री (टीएलएम) का उपयोग किया जा रहा है। इन संसाधनों के माध्यम से बच्चों को बेहतर और व्यवहारिक शिक्षा प्रदान की जा रही है।
बैठक के अंत में सभी छात्र-छात्राओं को उनके परीक्षा परिणाम वितरित किए गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। साथ ही, सभी विद्यार्थियों को आगामी कक्षा के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

सीएसआर : 106 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल हुई वितरित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। विकास भवन परिसर में दिव्यांगजन सशक्तीकरण के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 106 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्रदान की गईं। यह कार्यक्रम इंडियन ऑयल रिफाइनरी द्वारा प्रदत्त सीएसआर फंड के माध्यम से संपन्न हुआ, जिसके अंतर्गत एलिमको ने उपकरण वितरण हेतु विशेष कैंप आयोजित किया गया। जिला प्रशासन एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग गाजियाबाद के सहयोग से पूर्व में दिव्यांगजनों का व्यापक स्तर पर चिन्हांकन किया गया था। चयनित लाभार्थियों की सूची एलिमको को उपलब्ध कराई गई, जिसके आधार पर कैंप आयोजित कर पात्र दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्रदान की गईं। सीएसआर फंड के अंतर्गत 80 प्रतिशत या उससे कम दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को भी मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्रदान की जा सकीं। कार्यक्रम में अधिकांश लाभार्थी ऐसे थे, जिनकी दिव्यांगता 80 प्रतिशत या उससे कम थी, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद व्यक्तियों को लाभान्वित किया जा सका। मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार पाण्डेय ने अपने संबोधन में दिव्यांगजनों

को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होते हैं। इसके उपरांत विशिष्ट अतिथि आरआर राजे कार्यकारी निदेशक, इंडियन ऑयल रिफाइनरी ने अपने संबोधन में कहा कि दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण हेतु इस प्रकार की पहल आगे भी सीएसआर के माध्यम से जारी रखी जाएगी। उन्होंने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।
जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अंशुल चौहान ने उपस्थित दिव्यांगजनों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्राप्त करने की पात्रता, प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में जानकारी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण कार्यालय, विकास भवन गाजियाबाद से प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि इच्छुक दिव्यांगजन कार्यालय में संपर्क करने के साथ-साथ व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 8791491011 पर भी अपने आवश्यक दस्तावेज भेजकर योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदन कर सकते हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन रीचा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों में डीआरडीए के परियोजना अधिकारी प्रदीप कुमार पाण्डेय, इंडियन ऑयल रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक आरआर राजे, सीजीएम पूनम, एलिमको के दिल्ली शाखा प्रभारी पंकज, प्रतिनिधि डॉ. योगेश, प्रियंका एवं मोहित सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उड़ीसा में राकेश टिकैत की गिरफ्तारी के विरोध में जेवर कोतवाली पर किसानों का धरना

जेवर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत को उड़ीसा में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के विरोध में जेवर में किसानों का गुस्सा फूट पड़ा।
सोमवार को जेवर कोतवाली के बाहर भारतीय किसान यूनियन के कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए धरना शुरू कर दिया। धरने का नेतृत्व चौधरी पवन करौली ने किया।
बताया गया कि राकेश टिकैत उड़ीसा में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे, जहां पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई के विरोध में किसानों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि जब तक टिकैत को रिहा नहीं किया जाएगा, तब तक धरना जारी रहेगा। धरने में धीरज चौधरी, मनीष शर्मा, गौरव शर्मा, दीपक शर्मा, रणवीर सिंह, गनेंद्र सिंह, अमर सिंह फौजी, शान मोहम्मद सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने एकजुट होकर गिरफ्तारी का विरोध जताया।

संपादकीय

हवाई हमलों से जमीनी युद्ध की आहट : ईरान अमेरिका इजरायल टकराव का अगला चरण और तेल बाजार पर मंडराता वैश्विक संकट

मध्य पूर्व में जारी तनाव अब एक नए और अधिक खतरनाक चरण में प्रवेश करता दिखाई दे रहा है। अब तक संघर्ष मुख्यतः हवाई हमलों, ड्रोन अटैक और मिसाइल हमलों तक सीमित था, जहां ईरान, अमेरिका और इजरायल एक-दूसरे को सीधे या प्रॉक्सी के जरिए निशाना बनाते रहे। लेकिन हाल के घटनाक्रम इस बात की ओर संकेत कर रहे हैं कि यह टकराव अब जमीनी युद्ध की दिशा में बढ़ सकता है। यदि ऐसा होता है तो यह केवल एक सैन्य संघर्ष नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति और भू-राजनीतिक संतुलन को गहराई से प्रभावित करने वाला संकट बन जाएगा। अब तक की स्थिति पर नजर डालें तो स्पष्ट है कि तीनों पक्ष अपनी अपनी रणनीति के तहत हवाई हमलों का सहारा लेते रहे हैं। इजरायल ने सटीक हवाई हमलों के जरिए ईरान समर्थित ठिकानों को निशाना बनाया है, वहीं ईरान ने ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों के माध्यम से जवाबी कार्रवाई की है। अमेरिका भी क्षेत्र में अपने सैन्य ठिकानों और सहयोगियों की सुरक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इन हमलों ने एक तरह से 'सीमित युद्ध' का रूप ले लिया था, जहां सीधे जमीनी टकराव से बचते हुए शक्ति प्रदर्शन किया जा रहा था। लेकिन अब जब जमीनी लड़ाई की चर्चा तेज हो रही है, तो यह संकेत है कि संयम की सीमाएं टूट रही हैं। यदि जमीनी युद्ध शुरू होता है, तो उसका स्वरूप बेहद जटिल और बहुस्तरीय होगा। अमेरिका और इजरायल के पास अत्याधुनिक हथियार, बेहतर प्रशिक्षण और तकनीकी बढ़त है, जिससे वे शुरूआती बढ़त हासिल कर सकते हैं। इजरायल की सेना शहरी युद्ध और त्वरित ऑपरेशन में माहिर मानी जाती है, जबकि अमेरिका के पास बड़े पैमाने पर सैन्य संसाधन और वैश्विक समर्थन है। इसके विपरीत, ईरान की रणनीति पारंपरिक युद्ध से अलग है। वह सीधे मोर्चे पर भिड़ने के बजाय 'गुरिल्ला युद्ध' और प्रॉक्सी नेटवर्क के जरिए अपने विरोधियों को उलझाने की क्षमता रखता है। ईरान की सबसे बड़ी ताकत उसकी क्षेत्रीय पकड़ है। लेबनान में हिज्बुल्लाह, इराक और सीरिया में उसके समर्थित गुट, और यमन में हूती विद्रोही ये सभी मिलकर एक ऐसा नेटवर्क बनाते हैं जो जमीनी युद्ध की स्थिति में कई मोर्चे खोल सकता है। इससे अमेरिका और इजरायल को केवल एक देश से नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र में फैले संघर्ष से जूझना पड़ेगा। यही वजह है कि जमीनी युद्ध की स्थिति में यह संघर्ष लंबा खिंच सकता है और किसी एक पक्ष की स्पष्ट जीत मुश्किल हो सकती है। युद्ध के इस संभावित विस्तार का सबसे बड़ा असर वैश्विक तेल बाजार पर पड़ेगा। अभी तक हवाई हमलों के बावजूद तेल आपूर्ति पर सीमित प्रभाव पड़ा है, लेकिन जमीनी युद्ध की स्थिति पूरी तरह अलग होगी। विशेष रूप से होरमुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, इस संघर्ष का केंद्र बन सकता है। ईरान यदि इस मार्ग को अवरुद्ध करने की कोशिश करता है, तो दुनिया के बड़े हिस्से में तेल की आपूर्ति बाधित हो सकती है। ऐसी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आना लगभग तय है। पहले से ही अस्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ेगा। तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती हैं, और यदि युद्ध लंबा खिंचता है तो यह 120-150 डॉलर तक भी पहुंच सकती हैं। इससे न केवल ऊर्जा क्षेत्र प्रभावित होगा, बल्कि परिवहन, उद्योग और खाद्य उत्पादन तक इसकी मार पहुंचेगी। भारत जैसे विकासशील देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर हैं, इस संकट से सबसे अधिक प्रभावित होंगे। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि से महंगाई बढ़ेगी, आम लोगों की क्रय शक्ति घटेगी और आर्थिक विकास की रफ्तार पर असर पड़ेगा। इसके अलावा, रुपये पर दबाव बढ़ सकता है और व्यापार घाटा भी गहराने की आशंका है।

~ मौलिक चिंतन ~

रिश्तों के बिना इंसान ज़िंदा तो रह सकता है, लेकिन 'जी' नहीं सकता।

~~~~~~~~

© विनय संकोची

युगों-युगों तक मार्गदर्शन करती रहेगी भगवान महावीर की अमृतवाणी

योगेश कुमार गोयल

'अहिंसा परमो धर्मः' का अमर संदेश देने वाले भगवान महावीर का जीवन और दर्शन आज के अशांत, तनावग्रस्त और संघर्षपूर्ण समय में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। आधुनिक युग में मनुष्य प्रगति की अंधी दौड़ में नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। स्वार्थ, लोभ और प्रतिस्पर्धा ने उसे इस हद तक प्रभावित कर दिया है कि वह अपने हित के लिए हिंसा और अनैतिकता को भी उचित ठहराने लगा है। ऐसे समय में महावीर स्वामी का अहिंसा, संयम और करुणा पर आधारित दर्शन मानवता को एक नई दिशा देता है और उसे आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है।

भगवान महावीर ने अपने जीवन के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक जीव समान है और हर प्राणी में आत्मा का वास है। उन्होंने 'जीओ और जीने दो' का जो सिद्धांत दिया, वह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन दर्शन है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने व्यवहार और आचरण में ऐसी संवेदनशीलता विकसित करें, जिससे किसी भी प्राणी को कष्ट न पहुंचे। उनका यह विचार कि पेड़-पौधे, जल, वायु और अग्नि तक में जीवन है, आज के पर्यावरणीय संकट के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। जब पृथ्वी प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के संकट से जूझ रही है, तब महावीर का यह संदेश हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आह्वान करता है।

महावीर स्वामी ने कर्म के सिद्धांत को भी अत्यंत स्पष्टता से समझाया। उनका मानना था कि मनुष्य स्वयं अपने कर्मों के लिए जिम्मेदार है और वही उसके भविष्य का निर्धारण करते हैं। कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों से बच नहीं सकता। जो जैसा करता है, वैसा ही फल प्राप्त करता है। यह सिद्धांत न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य को उत्तरदायित्व और सजगता का बोध कराता है। उन्होंने यह भी सिखाया कि धर्म बाहरी आडंबरों में नहीं बल्कि आत्मा की पवित्रता में निहित है। अहिंसा, सत्य, संयम और तप ही धर्म के वास्तविक लक्षण हैं। क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे दोष मनुष्य के सभी गुणों का नाश कर देते हैं। इसलिए जो व्यक्ति अपने जीवन में शांति और संतुलन चाहता है, उसे इन विकारों का त्याग करना चाहिए। महावीर का यह संदेश आज के तनावपूर्ण जीवन में अत्यंत उपयोगी है, जहां मानसिक अशांति और असंतुलन तेजी से बढ़ रहा है।

महावीर स्वामी ने समानता और मानवता का भी अद्वितीय संदेश दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जन्म से नहीं बल्कि कर्म से व्यक्ति महान बनता है। यदि कोई उच्च कुल में जन्म लेकर भी बुरे कर्म करता है तो वह श्रेष्ठ नहीं हो सकता जबकि निम्न कुल में जन्म लेने वाला व्यक्ति यदि सदाचार और सद्विचार अपनाता है तो वह सम्मान का अधिकारी है। यह विचार सामाजिक समरसता और समानता की नींव को मजबूत करता है। उनकी दृष्टि में सेवा भी सर्वोच्च धर्म है। रोगियों और जरूरतमंदों की सेवा को उन्होंने ईश्वर की सेवा से भी बढ़कर बताया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि स्त्री और पुरुष दोनों समान रूप से मुक्ति के अधिकारी हैं, जो उनके प्रगतिशील और समतामूलक विचारों को दशार्ता है।

आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता और नैतिक पतन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब भगवान महावीर की अमृतवाणी हमें आत्मशुद्धि, सह-अस्तित्व और शांति का मार्ग दिखाती है। यदि हम उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन में संतुलन और शांति स्थापित हो सकती है बल्कि समाज में भी सद्भाव, करुणा और अहिंसा की स्थापना संभव है। यही महावीर स्वामी के संदेश की वास्तविक सार्थकता है, जो युगों-युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी।

इजरायल- ईरान युद्ध से वैश्विक आर्थिक महामंदी?

सनत जैन

दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी के कारण संकट में...

अमेरिका-इजराईल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण सारी दुनिया के देश आर्थिक महामंदी के शिकार होने जा रहे हैं। इस मंदी का बड़ा असर होने जा रहा है। जिसकी कल्पना कर पाना भी संभव नहीं है। एक माह से चल रहे, इस युद्ध के कारण कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति वैश्विक स्तर पर प्रभावित हुई है। ईरान की हार्मोज में नाकाबंदी के बाद दुनिया के सभी देशों का संकट बढ़ता जा रहा है। महंगाई बढ़ रही है, ऊर्जा संकट का असर कारोबार और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है, जिसके कारण बेरोजगारी भी तेजी के साथ बढ़ रही है। कच्चे तेल और गैस के दाम लगातार बढ़ने से सभी देशों की अर्थ व्यवस्था गड़बड़ा रही है। इसका असर सरकारों के राजस्व पर भी देखने को मिल रहा है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। महंगाई के कारण आम लोग अपने जीवन की जरूरी चीजों को नहीं खरीद पा रहे हैं। भारत सरकार ने पहली बार अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। यह माना जा रहा है, भारत सरकार को अपने बजट को संशोधित करना पड़ेगा। युद्ध खत्म होने के स्थान पर और भी तेज होता जा रहा है। दुनिया भर के देशों में इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। कच्चे तेल की सप्लाई घटकर मात्र 10 फीसद रह गई है। जिसके कारण सारी व्यवस्था वैश्विक स्तर पर गड़बडा गई है। सारी दुनिया के देशों की आर्थिक स्थिति आउट ऑफ कंट्रोल हो रही हैं। इसका असर शेयर बाजार और बैंकिंग व्यवस्था पर भी देखने को मिलने लगा है। शहरों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पेट्रोल, डीजल, गैस और बिजली संकट का असर सभी क्षेत्रों पर पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु के सिर में जिस तरह से युद्ध का पागलपन सवार है, इसका असर सारी दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही टैरिफ-वार के माध्यम से सारी दुनिया के देशों में हड़कंप मचाया। जिसका असर महंगाई और अर्थव्यवस्था पर पड़ा। ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका में भी महंगाई और बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 3300 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो रहा है। करीब 90 लाख लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अमेरिका की जनता ट्रंप से नाराज है। डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के सांसद भी नाराज हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से युद्ध को भड़का रहे हैं, रोजाना तरह-तरह के बयान दे रहे हैं, उसके बाद सारी दुनिया में उन्हें एक साइको और पागल नेता के रूप में देख रही है। ट्रंप के अहंकार से स्थितियां और भी विकराल होती जा रही हैं। इस युद्ध में जिस तरह से अमेरिका के खिलाफ रूस, चीन, ईरान, उत्तर कोरिया सहित सैकड़ों देश अमेरिका के विरोध में खड़े हो गए हैं। उत्तर कोरिया ने अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल इंजन का सफल परीक्षण कर लिया है। सभी देशों में युद्ध का असर पड़ रहा है।

डॉलर मुद्रा को वैश्विक स्तर पर चुनौती मिल रही है। पिछले एक माह से सारी दुनिया के देशों में माल की आवाजाही प्रभावित हुई है। कई देशों में खाद्य-संकट देखने को मिल रहा है। दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका इस समय अंतर्राष्ट्रीय और आंतरिक दृष्टि से सबसे कमजोर नजर आ रहा है। अमेरिका और इजराईल ने सैन्य उपकरणों और सैन्य व्यवस्था को लेकर, दुनिया के देशों के सामने जो हौआ खड़ा कर-के दादागिरी करते थे, ईरान युद्ध में उनका पदार्फाश हो गया है। अमेरिका और इजराईल के महंगे सैन्य उपकरण और सुरक्षा व्यवस्था को ईरान ने तबाह कर दिया है। ईरान ने उन सभी दावों को चुनौती देते हुए जिस तरह से इजराईल और अरब देशों के अमेरिकी सैन्य अड्डों को ध्वस्त किया है, उसके बाद अमेरिका और इजराईल की जो दादागिरी थी, वह एक तरह से खत्म होने के कगार पर खड़ी है। जो देश इस युद्ध में शामिल नहीं है, उन्हें भी कई मोर्चे में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन देशों में भी महंगाई- बेरोजगारी के साथ आर्थिक संकट बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था का संकट वैश्विक स्तर पर जिस तरह से देखने को मिल रहा है, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है जल्द ही वैश्विक स्तर पर महामंदी फैलने का खतरा बन गया है। दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के कारण अर्थ व्यवस्था का वर्तमान स्वरूप पूरी तरह से छिन्न-भिन्न हो जाएगा। वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के देशों में जिस तरह से विकास, बाजारवाद एवं कर्ज के माध्यम से आर्थिक विकास हुआ था, उसके कारण वर्तमान स्थिति में सभी देशों के ऊपर भारी कर्ज है। सभी देशों की अर्थ व्यवस्था में बड़ा दबाव है। रही-सही कसर इस युद्ध ने पूरी कर दी है। 1 माह में सभी दुनिया के देशों को ऊर्जा संकट और व्यापारिक गतिविधियों को जो नुकसान हो रहा है, उसकी भरपाई जल्द संभव नहीं होगी। युद्ध जल्दी ही बंद नहीं हुआ, तो इसके भीषण परिणामों की कल्पना नहीं की जा सकती है। इससे सारी दुनिया के देशों की चिंता बढ़ती चली जा रही है। सारी दुनिया के देशों में महंगाई, बेरोजगारी और सामानों की उपलब्धता को लेकर अराजकता का माहौल बन रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, सामाजिक विकास में आर्थिक व्यवस्था का सबसे बड़ा योगदान होता है। पिछले 30 वर्षों में जिस तरह से बाजारवाद का असर सारी दुनिया के देशों में हुआ है। कर्ज की अर्थव्यवस्था सारी दुनिया के देशों में फैली है। इसका बुरा असर जल्द ही सारी दुनिया को आर्थिक महामंदी के रूप में देखने को मिल सकता है।

ईरान की सीमाओं के हालात देखिये, पक्का चौंक जाएंगे! युद्ध ने खड़ा कर दिया है बहुत बड़ा मानवीय संकट

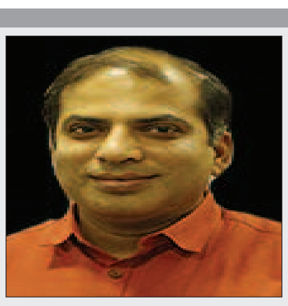

नीरज कुमार दुबे

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है।

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष ने पूरे पश्चिम एशिया को एक गहरे मानवीय संकट में धकेल दिया है। बीते एक महीने से लगातार हो रही बमबारी ने न केवल हजारों लोगों की जान ली है, बल्कि लाखों लोगों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 28 फरवरी से अब तक अमेरिका और इजराइल के हमलों में कम से कम 1937 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चौबीस हजार आठ सौ से अधिक लोग घायल हुए हैं। ये आंकड़े इस बात की गंभीरता को दशार्ते हैं कि यह संघर्ष अब व्यापक मानवीय आपदा बन चुका है।

इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के मुताबिक, इस संघर्ष के कारण अब तक बत्तीस लाख से अधिक लोग ईरान के भीतर ही विस्थापित हो चुके हैं। तेहरान, इस्फहान और केरमानशाह जैसे बड़े शहरों में सबसे ज्यादा हवाई और ड्रोन हमले हुए हैं, जिसके चलते लोग इन इलाकों को छोड़कर अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण क्षेत्रों और कैस्पियन सागर के पास के उत्तरी इलाकों की ओर जा रहे हैं। लेकिन हालात इतने खराब हैं कि सुरक्षित स्थान भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह गए हैं। कई जगहों पर लगातार हमलों के कारण लोगों के सामने यह दुविधा है कि वे अपने घरों में रहें या पलायन का जोखिम उठाएं।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है। इसके अलावा पाकिस्तान, अजरबैजान, इराक और तुर्कमेनिस्तान में भी हजारों लोग पहुंचे हैं। यह पलायन इस बात का संकेत है कि लोगों को अब अपने देश में जीवन सुरक्षित नहीं लग रहा। डर, असुरक्षा और लगातार हो रहे हमलों ने आम नागरिकों को अपनी जान बचाने के लिए मजबूर कर दिया है।

वहीं सीमाओं पर हालात और भी ज्यादा कठिन होते जा रहे हैं। ईरान से भागकर अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमाओं तक पहुंचने वाले लोगों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। राहत एजेंसियों के अनुसार, सीमाई चौकियों पर भारी भीड़, लंबी कतारें और सीमित

संसाधनों के कारण लोगों को कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर भोजन, पानी और चिकित्सा सुविधाओं की भारी कमी है।

इसके अलावा, सुरक्षा स्थिति भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर लगातार झड़पें और गोलाबारी हो रही है, जिससे शरण लेने आए लोगों की जान भी खतरे में पड़ रही है। हाल के दिनों में सीमा क्षेत्रों में तोपखाने हमलों और सैन्य कार्रवाई की खबरें सामने आई हैं, जिनमें आम नागरिक भी घायल हुए हैं। साथ ही कई बार सीमाएं अचानक बंद कर दी जाती हैं या सीमित समय के लिए खोली जाती हैं, जिससे हजारों लोग बीच रास्ते में फंस जाते हैं। कुछ मामलों में लोगों को जबरन वापस लौटाया जा रहा है, जबकि कई परिवार बिछड़ जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जो लोग एक युद्ध से बचकर भाग रहे हैं, वे अक्सर दूसरे संघर्ष और असुरक्षा के माहौल में पहुंच जाते हैं, जिससे उनकी स्थिति और भी दयनीय हो जाती है।

ईरान से भाग रहे लोगों की कहानियां भी बेहद मार्मिक हैं। कई लोग अपने देश की सरकार से नाराज हैं और इस संघर्ष को बदलाव का मौका मान रहे हैं। कुछ लोगों ने विदेशी सैन्य हस्तक्षेप का समर्थन भी किया है, जो इस बात को दशार्ता है कि देश के भीतर असंतोष कितना गहरा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, एक व्यक्ति ने बताया कि पिछले 47 वर्षों का दर्द अब असहनीय हो चुका है। वहीं एक अन्य व्यक्ति, जो सात साल जेल में रहा, उसने कहा कि जो पीड़ा उन्होंने झेली है, उसे समझ पाना आसान नहीं है। हालांकि, लोग डर और उम्मीद दोनों के बीच जी रहे हैं। वह अपनी जान और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, लेकिन साथ ही यह भी चाहते हैं कि यह संघर्ष किसी बड़े बदलाव की ओर ले जाए।

वहीं ईरान में रहने वाले चालीस लाख से अधिक अफगान शरणार्थी इस संकट में सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इनमें से अधिकतर शहरों में रहते हैं, जो हमलों का मुख्य लक्ष्य बने हुए हैं। इनमें से कई लोगों की आजीविका खत्म हो चुकी है और उनके पास न तो सुरक्षित स्थान है और न ही देश छोड़ने की अनुमति है। बताया जा रहा है कि करीब पैंतीस हजार अफगान पहले ही वापस अपने देश लौट चुके हैं, जबकि दस लाख से अधिक लोगों पर जबरन वापसी का खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति और भी गंभीर है क्योंकि अफगानिस्तान खुद संकट से जूझ रहा है।

दूसरी ओर, ईरान के शहरों से आ रही तस्वीरें बेहद चिंताजनक हैं। कई इलाकों में घर, अस्पताल और स्कूल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। तेहरान के लगभग हर इलाके में इमारतों को नुकसान पहुंचा है। लोग अपने घरों की खिड़कियों पर टेप लगा रहे हैं ताकि कांच टूटने से होने वाली चोटों से बचा जा सके। इंटरनेट सेवाएं बाधित हैं और बैंकिंग व्यवस्था भी प्रभावित है, जिससे आम जीवन और कठिन हो गया है। लोग रातभर बम धमाकों की आवाज सुनते हुए डर के साये में जी रहे हैं।

उधर, मानवीय संगठनों का कहना है कि राहत कार्यों के लिए जरूरी धन की भारी कमी है। हर सप्ताह अरबों रुपये युद्ध पर खर्च हो रहे हैं, लेकिन प्रभावित लोगों के लिए भोजन, आश्रय और चिकित्सा सहायता के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। बताया जा रहा है कि ईरान में करीब अट्ठाइस लाख लोगों की मदद के लिए 80 मिलियन डॉलर की जरूरत है, जबकि अफगानिस्तान में 17.5 मिलियन लोगों के लिए 1.71 बिलियन डॉलर की आवश्यकता है। लेकिन अब तक इसका बहुत छोटा हिस्सा ही उपलब्ध हो पाया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह युद्ध जारी रहा तो यह एक और बड़े मानवीय संकट का रूप ले सकता है। लाखों लोग सीमाओं के पार जाने को मजबूर होंगे, जिससे पहले से दबाव झेल रहे देशों पर और बोझ बढ़ेगा। देखा जाये तो यह संघर्ष आम लोगों को ऐसी पीड़ा दे रहा है जिसके लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की जा रही है कि सभी पक्ष नागरिकों और बुनियादी ढांचे पर हमले रोकें और कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ें।

बहरहाल, ईरान और अमेरिका के बीच यह युद्ध अब पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर मानवीय संकट बन चुका है। हजारों मौतें, लाखों विस्थापित लोग और बर्बाद होती जिंदगी इस बात का संकेत हैं कि अगर जल्द ही समाधान नहीं निकला तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है।
~~~~~~~~

हेल्थ प्लस

हरी-भरी सब्जियाँ - हरा-भरा जीवन

आज के इस आपाधापी वाले युग में दुनिया के सभी पुरुष व महिलाएँ स्वास्थ्य तथा सौंदर्य चाहते हैं किंतु कोई भी प्राकृतिक आहार-विहार, दिनचर्या अपनाने को तैयार नहीं होता। इसका सबसे बड़ा कारण है बाजारों में बढ़ता डिब्बाबंद आहार का चलन, रेडीमेड खाद्य पदार्थ, हॉटडॉग, फास्ट फूड्स इन सभी का मानवीय जीवन में बहुत मात्रा में इस्तेमाल होने लगा है। मनुष्य के जीवन जीने के रंग-ढंग ही बदल गए हैं।

अगर हम इन स्थितियों से बचना चाहते हैं तो हमें अपना खान-पान बदलना होगा तभी हमारी जीवन पद्धति में सुधार होगा और हम अपना स्वास्थ्य और सौंदर्य कायम रख पाएँगे। और इस आहार में हरी सब्जियों का सेवन ही हमारे जीवन की महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हरी सब्जियों से हमें शरीर के लिए आवश्यक वे सभी तत्व मिल जाते हैं, जो हमारे शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति प्रदान करते हैं। इसके नियमित सेवन से पाचनतंत्र में सुधार, लावण्य में वृद्धि और हमारे शरीर को पौष्टिकता भी प्राप्त होती है। जिसका असर आपके चेहरे और शरीर पर आसानी से देखा जा सकता है।

हरी सब्जियों के लाभ!

- गोभी, आलू, बीन्स आदि शरीर के विविध भागों, तत्वों, मात्राओं को प्रभावित करते हैं।
- अदरक, धनिया, पुदीना, हरी मिर्च सब्जियों के तत्वों एवं स्वाद को बढ़ाने में मदद करते हैं।
- लहसुन खून का थक्का जमने नहीं देती अत: हृदय रोग में लाभकारी है।
- करेला पेट के कृमि नष्ट करता है। और रक्त शोधन कर, अग्नाशय को सक्रिय करता है।
- टमाटर शरीर में रक्त की मात्रा बढ़ाता है और त्वचा निखारता है।
- नींबू शरीर के पाचक रसों को बढ़ाता है।
- पालक हड्डियों को कैल्शियम से सुदृढ़ करता है।
- भिंडी वीर्य में गाढ़ापन लाती है और शुक्राणु बढ़ाती है।
- लौकी शीघ्र पाचक, रक्तवर्द्धक है। यह शीतलता प्रदान करती है।
- खीरा रक्त कणों का शोधन कर शरीर में रक्त का प्रवाह बढ़ाती है।
- परवल शरीर को ऊर्जा देता है।

मादक द्रव्यों के दुष्परिणाम

- 20 सिगरेट प्रतिदिन पीने वाला व्यक्ति अपनी आयु के 10 वर्ष कम कर लेता है।
- भारत के पागलों में से 60 प्रतिशत शराब के कारण हुए हैं।
- शराब पीने वालों में 27 प्रतिशत मस्तिष्क रोग से, 26.96 प्रतिशत फेफड़े के रोग से एवं 21.3 प्रतिशत अपच रोग से मर जाते हैं।
- कैंसर से मरने वालों में सिगरेट पीने वालों की संख्या, न पीने वालों से 27 गुना अधिक है।
- शराबी अपनी आयु के 20 वर्ष इस व्यसन के कारण कम कर लेता है।
- शराब पीने से दुर्घटना होने के अवसर 7 गुना व मुत्यु के अवसर 16 गुना बढ़ जाते हैं।
- हर पांच व्यक्तियों की मुत्यु में से एक की मृत्यु का कारण तम्बाकू है।
- दुर्घटनाओं में हर वर्ष 58000 मृत्यु होती है जबकि तम्बाकू से 10 लाख लोग मरते हैं।
- सिगरेट पीने से 24 प्रतिशत हृदयाघात, 30 प्रतिशत कैंसर एवं 75 प्रतिशत अस्थमा होता है।
- गुटखा सेवन से भारत में 13-14 वर्ष के बच्चों को भी कैंसर हो जाता है।

गर्मियों की अमृत: छाछ

पेट के लिए गुणकारी है छाछ हमारे पेट में कई प्रकार के कीड़े पाए जाते हैं। आँतों में तो ये लाखों-करोड़ों की संख्या में मौजूद रहते हैं। इनमें कुछ हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं तथा कुछ नुकसानदायक भी। नुकसानदायक कीड़े सक्रिय हो जाएँ तो तरह-तरह के रोग पैदा होने लगते हैं। अगर अधिक जी मिचलाता हो तथा अजीर्ण, ज्वर, दुर्बलता, बार-बार छींक, नजला-जुकाम, उल्टी, अरुचि व पेट में मंद-मंद दर्द हो तो तुरंत सचेत हो जाएँ। समझ लीजिए कि आपके पेट में कीड़े सक्रिय हो चुके हैं।

इसकी वजह से रक्ताल्पता, भूख की कमी व तेज दर्द जैसे लक्षण भी देखने को मिलते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मीठे व अम्लीय पदार्थों का ज्यादा सेवन करने, बार-बार बिना भूख खाना खाने, शारीरिक श्रम का अभाव तथा परस्पर विरोधी पदार्थों का सेवन करने से पेट में कृमियों की उत्पत्ति एवं विकास में मदद मिलती है।

इस मुसीबत में प्राय: लोग विभिन्न दवाओं का सहारा लेते हैं, किंतु अध्ययनों से पता चला है कि दिन में तीन-चार बार भुना हुआ जीरा, थोड़ा नमक व पिसी हुई कालीमिर्च डालकर छाछ पिएँ तो एक सप्ताह में पेट के कीड़ों से छुटकारा मिल जाएगा।

हाँ, ध्यान रहे कि रोगी को ऐसी अवस्था में कोई ऐसी चीज नहीं खानी चाहिए, जिससे पाचन क्रिया में अवरोध पैदा हो। अपच या अजीर्ण से कृमियों के पनपने व विकसित होने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बनती हैं। मीठे पदार्थों से परहेज रखना भी आवश्यक होता है।

चुस्त-दुरुस्त तंदुरुस्त

दिनभर भागदौड़... और आखिर में थकान। क्या आप नहीं चाहते कि फुर्ती से अपन सारे काम निपटाएं और तंदुरूस्त रहें। हां, तो फिर देर किस बात की...अपनाइए ये नुस्खे-

- जिन चीजों में कैलोरी ज्यादा होती है, उन्हें थोड़ा ब्रेकफास्ट और थोड़ा लंच में लें। इनसे आपका मैटाबॉलिज्म मजबूत होगा और आपको भरपूर ऊर्जा मिलेगी। एक्स्ट्रा कैलोरीज जल्दी बर्न भी होंगी। डिनर में वसायुक्त भोजन न लें।
- अगर आप हाउसवाइफ हैं, तो घर में रोजमर्रा के काम करते हुए इस बात का घ्यान रखें कि आपका काम करने का तरीका ऐसा हो, जिससे ज्यादा से ज्यादा कैलोरीज बर्न हो जाएं। जल्दी-जल्दी उठने-बैठने की आदत डालें।
- लिफ्ट की जगह स्टेयर्स का उपयोग करें।
- रोज एक बाउल ओटमील खाना भी कॉलेस्ट्रॉल कम करने के लिए फायदेमंद रहता है।
- यदि आपको ज्यादा खाने की आदत है, तो धीरे-धीर चबा कर खाना खाएं। एक बाइट को कम से कम बीस बार चबाएं। इससे पाचन क्रिया ठीक रहेगी।
- थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ खाती रहें। इससे आप एक बार भर पेट खाना खाने से बच पाएंगी और कम कैलोरी लेंगी।
- यदि सूप पसंद है, तो उसे बनाकर फ्रिज में रखें। दोबारा गरम करने से पहले उसके ऊपर की टॉपिंग उतार दें। जिससे अतिरिक्त फैट हट जाएगा।
- कैफीन व एल्कोहल से बनी चीजों से दूर रहें।
- शरीर में आयरन की कमी हो, तो रोज पालक का जूस पिएं। प्राकृतिक आयरन हासिल करने का यह बेहतर स्त्रोत है।
- ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की आदत डालें। इससे

लीवर ठीक तरह से काम करता है। आपके चेहरे पर भी चमक आएगी।

- नियमित रूप से एक्सरसाइज करें। इसकी शुरूआत वार्म अप से व अंत कूल डाउन से करें।
- एक्सरसाइज करते समय ढीले व नैचुरल फैब्रिक से बने हल्के कपड़े ही पहनें।
- एक्सरसाइज करते समय संगीत सुनें। इससे आप ज्यादा समय तक एक्सरसाइज का आनंद ले सकती हैं।
- यदि एक्सरसाइज करते समय आपको बेचैनी, सांस का सामान्य न रहना जैसी शिकायतें रहती हैं, तो तुरंत डॉक्टर से राय लें। ध्यान रहे, किसी भी नई एक्सरसाइज की शुरूआत बिना किसी योग्य प्रशिक्षक की देख-रेख के न करें।
- दिन व्यस्तता से भरा हो, तो ब्रिस्क वॉक के लिए बीस मिनट निकालें। इससे आपका तनाव कम होगा और मन तरो-ताजा हो जाएगा।
- पॉजिटिव सोच रखें और मुस्कुराती रहें।

भोजन कैसे करें

एक बहुत प्रचलित कहावत है 'द टाइम यू सेव इन लंच एंड डिनर।' 'अल्टीमेटली यू हेंव टू स्पेंड इन टॉयलट।' अर्थात् जो समय आप सुबह-शाम के भोजन में बचाते हैं, उसे अगले दिन शौचालय में व्यतीत करना पड़ता है। सही तरीके से चबा-चबा कर किया गया भोजन शरीर को पोषण प्रदान करता है, जबकि गलत ढंग से लिया गया आहार केवल मल पैदा करता है।

भोजन करना एक कला

भोजन करना एक बहुत बड़ी कला है, जो हर व्यक्ति को आनी चाहिए। प्राकृतिक चिकित्सा कहती है कि वर्तमान में जितने भी रोग हैं उनमें से अधिकतर गलत खानपान और बिगड़ी दिनचर्या का परिणाम है।

भोजन करने से पहले

स्वच्छता भोजन का पहला नियम है। इसलिए भोजन से पहल हाथ, पांव, मुंह अच्छी तरह से धो लेना चाहिए। जिस स्थान पर आप बैठे हैं वह भी साफ सुथरा होना चाहिए। भोजन हमेशा प्रसन्नचित वातावरण में करें। तनाव, अवसाद, थकान और शोक में भोजन न करें। व्यायाम के तुरंत बाद भी भोजन नहीं करना चाहिए। भोजन करने से पहले सभी भोज्य सामग्री एक जगह एकत्र कर लें, बीच में उठकर जाना ठीक नहीं।

भोजन करते समय

भोजन करते समय प्रत्येक ग्रास को अच्छी तरह चबाना चाहिए। प्रत्येक कौर को कम से कम 30 से 40 बार चबाएं। वर्तमान जीवनशैली में किसी के पास भी टाइम नहीं है कि वो शांति से भोजन करें। इसीलिए दांतों का काम आंतों को करना पड़ता है और आंतें कमजोर हो जाती है। लोग भोजन को चबाते नहीं है निगलते हैं। भोजन करते समय सीधा बैठे, झुककर न बैठें, शांत रहे, बातचीत न करें। टेलीविजन देखते हुए नहीं खाएं, खासतौर से मोटे लोग, नहीं तो पता चलेगा की फिल्म तो खत्म हो गई, परंतु आपका भोजन अभी भी चल रहा है। भोजन के बीच में बार-बार पानी न पिएं। भूख से थोड़ा कम खाएं तो बेहतर होगा। भोजन का समय निश्चित होना चाहिए।

एक मंत्र याद रखें

'खाने को करो आधा, पानी को दूना
कसरत को करो तिगुना और हंसना चौगुना।'

आदर्श भोजन

आदर्श भोजन वही है जिसमें सभी पौषक तत्त्वों का समावेश हो। याद रखें पके भोजन से कच्चा आहार अधिक गुणकारी है। भोजन में सलाद, अंकुरित अनाज और हरी शाकभाजियों का समावेश अवश्य हो। बेमेल खाद्य पदार्थ साथ में न लें जैसे दूध-दही। सर्दियों में गरिष्ठ आहार ले सकते हैं, जबकि गर्मी में हल्का भोजन करें। अपनी दिनचर्या और शारीरिक स्थिति को घ्यान में रखें। अधिक तले, बासी और मैदा युक्त पदार्थों का परहेज रखें। भोजन के साथ नशीले पेय जैसे चाय, कॉफी, तंबाकू, शराब, सिगरेट इत्यादि का सेवन न करें। अकेले भोजन न करें, सभी पारिवारिक सदस्यों के साथ बैठकर भोजन लें। आदर्श भोजन में षट्रसो का समावेश होना चाहिए।

भोजन के बाद

भोजन के तुरंत बाद पानी पीना जहर पीने के समान है। भोजन करने के कम से कम एक घंटे बाद पानी पिएं। भोजन के बाद चाय, कॉफी या अन्य मादक पदार्थ न लें। ये पाचन क्रिया में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं। भोजन के तत्काल बाद नहाना, टहलना या कोई व्यायाम नहीं करना चाहिए। भोजन के तुरंत बाद सैक्स भी न करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 3844

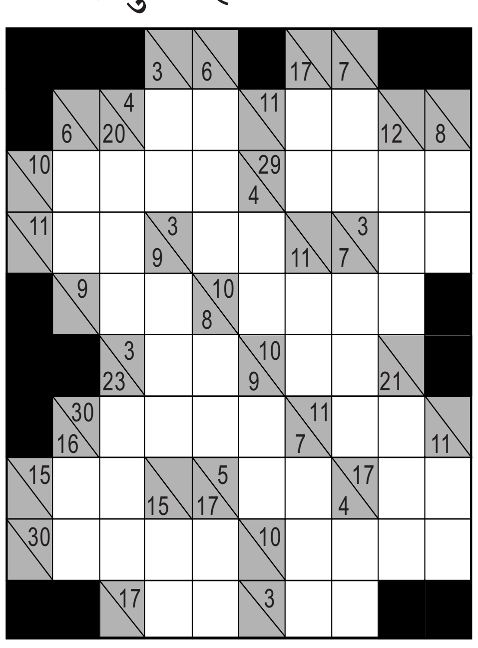

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

15 / 24: 1 2 3 4 5 ; 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3843 का हल

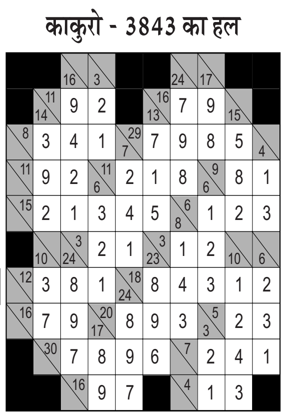

हंसी के फूव्वारें

तीन गप्पी ट्रेन में यात्रा करते हुए गप्पें हांक रहे थे. एक बोला-मैं आजमगढ़ का लखपति हूँ, दूसरा बोला-मैं शामगढ़ का करोड़पति हूँ, तीसरा बोला-भईया मैं तो सिर्फ अपनी पत्नी का पति हूँ.

□ □ □

मालिक: (नौकर से) तुमने पत्र-पेटिका में पत्र डाल दिया ?
नौकर: नहीं हुजूर.
मालिक: क्यों नहीं डाला ?
नौकर: कैसे डालता ? हर पत्र-पेटिका पर ताला लगा था.

□ □ □

एक रोज बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, जिन लोगों के नाम के साथ वान हो होता है वो आमतौर पर अच्छे आदमी नहीं होते, मसलन पीलवान,दरवान, वगैरह वगैरह.

बीरबल ने फौरन जवाब दिया जी हां मेहरवान.

□ □ □

प्राध्यापक: कला से किसे-किसे प्यार है खड़े हो जायें. सारे के सारे विद्यार्थी खड़े हो गये. सिर्फ एक विद्यार्थी बैठा रहा.

प्राध्यापक बोले: तुम्हें कला से प्यार नहीं. विद्यार्थी ने उत्तर दिया, कला मेरी बहन का नाम है. मुझे तो सिर्फ कमला से प्यार है.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3844

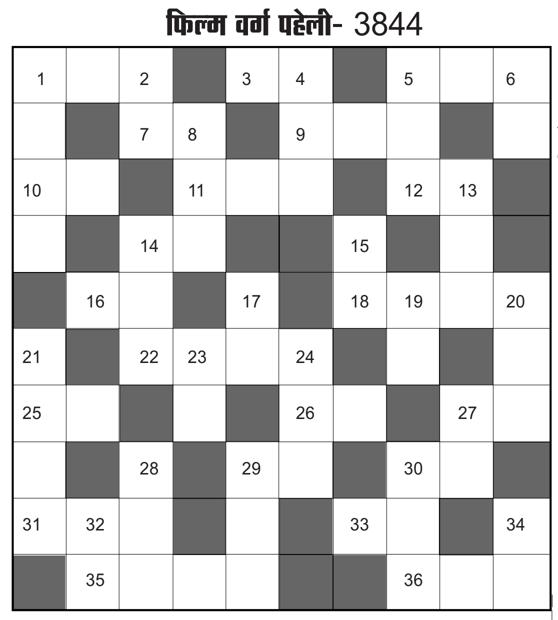

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगू ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक ?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका ?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका ?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3843

सूडोकु -3844

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3843 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 3844

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -3843 का हल

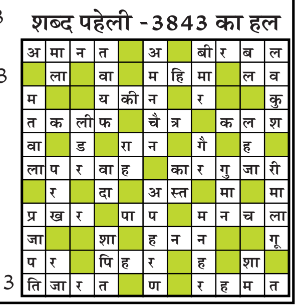

रुपए में ऐतिहासिक गिरावट...करेंसी मार्केट में हाहाकार!

1 डॉलर की कीमत हुई 95.58 रूपए

नई दिल्ली।

जब सुबह के समय रुपए में 128 पैसे की जबरदस्त तेजी देखने को मिली थी। तब किसी को भी ऐसी उम्मीद नहीं थी कि रुपया एक बार फिर से धराशाई हो जाएगा। लेकिन दोपहर आते आते करेंसी मार्केट ने ऐसी चाल बदली कि सभी हैरान रह गए। पहली बार डॉलर के मुकाबले में ना सिर्फ 95 के लेवल के पार चला गया बल्कि नया लाइफ टाइम लोअर लेवल का रिकॉर्ड 1 डॉलर की कीमत 95.58 भी बना दिया। खास बात तो ये है कि दिन के हाई से रुपए में 2.33 रुपए की गिरावट देखने को मिली। रुपए में आई गिरावट की वजह से शेयर बाजार भी धराशाई होता हुआ दिखाई दे रहा है। आंकड़ों को देखें तो आने वाले दिनों में रुपए में और भी गिरावट देखने को मिल सकती है।डॉलर के मुकाबले में रुपए में सोमवार को दोपहर के बाद जबरदस्त गिरावट दिखाई दी और पहली बार ना सिर्फ 95 के लेवल के पार चला गया, बल्कि एक नए रिकॉर्ड लोअर लेवल पर पहुंच गया। आंकड़ों के अनुसार डॉलर के मुकाबले में रुपया दोपहर 3 बजकर 20 मिनट पर 0.41 फीसदी की गिरावट के साथ 95.157 के लेवल पर कारोबार कर रहा था। जबकि कारोबारी सत्र के दौरान रुपया डॉलर के मुकाबले में 95.58 के लेवल के साथ लाइफ टाइम लोअर लेवल पर कारोबार करता हुआ दिखाई। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में डॉलर के मुकाबले में रुपए में और गिरावट देखने को मिल सकती है।

दिन के हाई से 2.33 रुपए गिरा रुपयाआंकड़ों को देखें तो रुपए में डॉलर के मुकाबले में काफी गिरावट देखने को मिल चुकी है। आंकड़ों के अनुसार रुपया 93.247 के लेवल के साथ मजबूत हो गया था। लेकिन कारोबारी सत्र के दौरान रुपए में डॉलर के मुकाबले में 2.33 रुपए की गिरावट देखने को मिली और आंकड़ा 95.58 के लेवल पर पहुंच गया। खास बात तो ये कि करीब एक साल में रुपए में डॉलर के मुकाबले में करीब 12 रुपए की गिरावट देखने को मिल चुकी है।

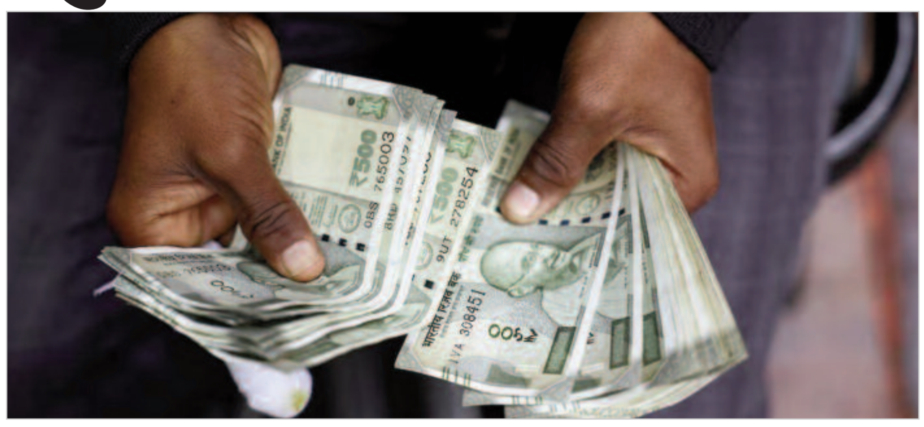

इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज में, रुपया 93.62 पर खुला और फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले और मजबूत होकर 93.57 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर से 128 पैसे की बढ़त थी।

शुक्रवार को, रुपया 89 पैसे की भारी गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.85 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

क्रिप्टो मार्केट में एक साल का उतार-चढ़ाव

- बिटकॉइन और डॉगकॉइन सबसे अधिक प्रभावित

मुंबई ।

पिछले एक साल में क्रिप्टोकरेंसी मार्केट निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। 31 मार्च 2025 को ग्लोबल मार्केट कैप 2.67 ट्रिलियन डॉलर था, जो अक्टूबर में बढ़कर 4.28 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद तेज गिरावट आई और अब यह लगभग 2.32 ट्रिलियन डॉलर रह गया है, यानी सालाना करीब 13 फीसदी की कमी। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत भी प्रभावित हुई। एक साल पहले यह 82,336 डालर पर थी, अक्टूबर में 1.25 लाख डॉलर के ऑल टाइम हाई तक पहुंची और वर्तमान में 67,405 डॉलर पर ट्रेड कर रही है। इससे सालाना करीब 19 फीसदी की गिरावट हुई।

अप्रैल में भारत में लॉन्च हो रही नई कारें

नई दिल्ली।

जर्मन कार निर्माता फॉक्सवैगन अप्रैल 2026 में अपनी अपडेटेड टाइगुन फेसलिफ्ट लॉन्च करने जा रही है। नई टाइगुन में ग्राहकों को आकर्षक नया डिजाइन और उन्नत फीचर्स मिलेंगे। हालांकि, इंजन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह कार 9 अप्रैल 2026 से भारतीय बाजार में उपलब्ध होगी। टाइगुन फेसलिफ्ट विशेष रूप से शहर में आरामदायक ड्राइव और आधुनिक तकनीक के लिए बनाई गई है। एमजी मोटर अप्रैल में अपनी नई एमजी मेजेस्टर को ऑफिशियली लॉन्च करेगी। इसे पहले जनवरी 2026 में पेश किया जा चुका है। कंपनी ने इसकी बुकिंग 41,000 रुपए से शुरू कर दी है। कार की डिलीवरी मई 2026 से शुरू होने की संभावना है। मेजेस्टर में बेहतर स्पेस और उन्नत फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे फैमिली और शहरी उपयोग के लिए उपयुक्त बनाते हैं। टोयोटा अप्रैल 2026 में अपनी पहली ईवी एसयूवी, अर्बन क्रूजर इबेला लॉन्च करने जा रही है। इसमें 40 केडब्ल्यूएच और 61 केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्प मिलेंगे। कीमत का खुलासा लॉन्च के समय किया जाएगा। यह कार आधुनिक टेक्नोलॉजी और बेहतर रेंज के साथ पर्यावरण के अनुकूल विकल्प पेश करती है। निसान की मिड-साइज एसयूवी, टेक्टन, भी अप्रैल 2026 में लॉन्च हो सकती है।

यह भारतीय बाजार में किआ सेल्टोस और हुंडई क्रेटा जैसी गाड़ियों से मुकाबला करेगी। टेक्टन में मजबूत डिज़ाइन और आरामदायक फीचर्स शामिल हैं।

अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी कीमती धातुओं की चाल

– वैश्विक और भू-राजनीतिक कारक तय करेंगे दिशा

नई दिल्ली।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस सप्ताह सोना और चांदी का कारोबार सीमित दायरे में रह सकता है। निवेशक पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख वैश्विक आर्थिक आंकड़ों पर निगाह बनाए रखेंगे। इन कारकों से कीमती धातुओं की दिशा तय होने की संभावना है। विश्लेषकों के अनुसार इस हफ्ते अमेरिकी फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल और अन्य फेड अधिकारियों के बयान खास महत्व रखते हैं। ये बयान ब्याज दरों और मौद्रिक नीति से जुड़े संकेत देंगे, जो सोने और चांदी की मांग पर असर डाल सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लगभग 2 प्रतिशत गिरकर 4,492.5 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ, जबकि चांदी हल्की बढ़त के साथ 69.79 डॉलर प्रति औंस पर रही। विशेषज्ञों के अनुसार सोने में गिरावट के पीछे गोल्ड ईटीएफ निवेशकों की बिकवाली, कमजोर भौतिक मांग, मजबूत डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी मुख्य कारण हैं। अमेरिकी बाजार की कमजोरी ने सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ाई, जिससे चांदी को कुछ सहारा मिला, लेकिन बढ़ती बॉन्ड यील्ड और ऊंचे तेल दामों के कारण

पारंपरिक मांग सीमित रही। घरेलू वायदा बाजार में सोना मामूली गिरकर 1.44 लाख प्रति 10 ग्राम और चांदी बढ़कर 2.27 लाख प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। रुपये की कमजोरी ने कीमती धातुओं को कुछ सहारा दिया, क्योंकि रुपया 1 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 94.80 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। बाजार के जानकारों के अनुसार निवेशक पश्चिम एशिया की घटनाओं, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के विनिर्माण आंकड़े, यूरोजोन महंगाई और अमेरिकी रोजगार व खपत आंकड़ों पर नजर रखेंगे। घरेलू बाजार में सुस्ती बनी रह सकती है, क्योंकि 31 मार्च और 3 अप्रैल को महावीर जयंती और गुड फ्राइडे के चलते बाजार बंद रहेंगे।

जम्मू संभाग के 100 स्कूलों में हर्बल गार्डन स्थापित करने की मंजूरी

जम्मू ।

आयुष मंत्रालय के तहत नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड ने जम्मू संभाग में 100 स्कूलों में हर्बल गार्डन स्थापित करने के महत्वाकांक्षी प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस परियोजना के लिए कुल 53 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस पहल के तहत संभाग के प्रत्येक जिले से 10-10 स्कूलों को चयनित किया गया है। ये हर्बल गार्डन छात्रों के लिए जीवंत शिक्षण केंद्र के रूप में विकसित होंगे, जहां वे औषधीय पौधों की पहचान, खेती और उपयोग संबंधी जानकारी सीख सकेंगे। इसका उद्देश्य स्कूल शिक्षा प्रणाली में पारंपरिक औषधीय ज्ञान और प्रकृति के प्रति जागरूकता को जोड़ना है। आयुष निदेशक एवं जेएंडके मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड के सीईओ ने इसे शिक्षा और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को जोड़ने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम बताया। उनका मानना है कि ये हर्बल गार्डन छात्रों के लिए अनुभवात्मक शिक्षा के केंद्र बनेंगे और उन्हें प्रकृति व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाएंगे।

सरकार ने पीडीएस में केरोसिन आवंटन बढ़ाया, अफवाहों पर नियंत्रण

- घरों में खाना और रोशनी के लिए केरोसिन उपलब्ध

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और संभावित आपूर्ति बाधा को ध्यान में रखते हुए सुपीरियर केरोसिन ऑयल (एसकेओ) का तदर्थ आवंटन मंजूर किया है। यह घरों में खाना बनाने और रोशनी के लिए जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। पहले केरोसिन मुक्त माने जाने वाले 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी अब इस व्यवस्था में शामिल किया गया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति के लिए कई जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। सरकारी रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक है और घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाकर मांग पूरी करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने नॉन-डोमेस्टिक एलपीजी के वितरण के लिए सरकार के निर्देशों के अनुसार आदेश जारी किए हैं। 14 मार्च 2026 के बाद अब तक लगभग 39,368 मीट्रिक टन एलपीजी कमर्शियल उपयोग के लिए उपलब्ध कराया गया है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नियमित आवंटन के अतिरिक्त 48,000 किलोलीटर केरोसिन दिया गया है। 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने एसकेओ आवंटन आदेश जारी किए हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश और लद्दाख ने इसकी आवश्यकता नहीं बताई। कुछ जगहों पर अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर भीड़ और जरूरत से ज्यादा खरीदारी हुई। सरकार ने कहा कि देश में किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सही जानकारी के लिए प्रेस ब्रीफिंग और सोशल मीडिया पर भरोसा करने की अपील की गई है। वर्तमान में 14 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश यह नियमित जानकारी साझा कर रहे हैं।

डीजीसीए का आदेश, सभी उड़ानों में 60 फीसदी सीटें बिना शुल्क उपलब्ध

– इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट ने इस निर्णय का विरोध किया

नई दिल्ली।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने घोषणा की है कि 20 अप्रैल से सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कम से कम 60 प्रतिशत सीटें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध कराई जाएंगी। इसका उद्देश्य यात्रियों को न्यायसंगत सुविधा देना और सीट आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। डीजीसीए ने निर्देश दिया है कि विमानन कंपनियों को अपनी सीट आवंटन नीतियों को पारदर्शी बनाना होगा। सभी शुल्क रहित सीटों की उपलब्धता और लागू शर्तें बुकिंग वेबसाइट या ऐप पर स्पष्ट रूप से दिखानी होंगी। इसके अलावा, खेल उपकरण, संगीत वाद्य यंत्र जैसी वैकल्पिक सेवाओं के लिए सभी शुल्क और किसी भी नुकसान की स्थिति में जिम्मेदारी की शर्तें भी स्पष्ट रूप से यात्रियों को उपलब्ध कराई जाएंगी। वर्तमान में केवल लगभग 20 प्रतिशत सीटें मुफ्त चयन के लिए उपलब्ध हैं। बाकी सीटों के लिए यात्री 200 से 2,100 रुपये तक का शुल्क देते हैं, जो सीट की पंक्ति और अतिरिक्त सुविधाओं पर निर्भर करता है। नई नीति लागू होने

के बाद, कम से कम 60 प्रतिशत सीटें सभी यात्रियों के लिए बिना शुल्क चयन विकल्प के साथ उपलब्ध होंगी। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट ने इस निर्णय का विरोध किया है। उनका कहना है कि 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त देने से उनकी आय पर असर पड़ेगा और नुकसान की भरपाई के लिए उन्हें हवाई किराया बढ़ाना पड़ सकता है।

डीजीसीए ने स्पष्ट किया है कि यह परिपत्र जारी होने की तारीख से 30 दिन बाद प्रभावी होगा।

एनसीएलएटी ने बीएसई की अपील खारिज की

नई दिल्ली।

विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और वैश्विक अनिश्चितता के कारण विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से दूरी बना रहे हैं। इसके चलते रुपया कमजोर हुआ और इक्विटी बाजार पर दबाव देखा गया। विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने बाजार की अस्थिरता को बढ़ाया है, जिससे निवेशकों में सतर्कता बढ़ गई है। डीमैट खातों की जब्ती से जुड़े मामले में राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) की अपील को खारिज कर दिया। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने स्पष्ट किया कि दिवालियापन प्रक्रिया के दौरान राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण को हस्तक्षेप करने का पूरा अधिकार है। अदालत ने कहा कि आईबीसी की धारा 60(5) के तहत एनसीएलटी को व्यापक शक्तियां प्राप्त हैं जो दिवालियापन समाधान और परिसमापन के मामलों में लागू होती हैं। बीएसई ने एनसीएलटी के अधिकार को चुनौती दी थी, यह कहते हुए कि दिवालियापन के दौरान डीमैट खातों पर रोक हटाना सेबी के नियामकीय दायरे में आता है। लेकिन अपीलीय अधिकरण ने इस दलील को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि दिवालियापन से जुड़े मामलों में एनसीएलटी का अधिकार सर्वोपरि है। इसका मतलब है कि भविष्य में ऐसे मामलों में एनसीएलटी के फैसलों पर विवाद की संभावना कम होगी और स्पष्टता बनी रहेगी।

बीएसई में गिरावट की मार, आधे से अधिक शेयर 52 सप्ताह के निचले स्तर पर

– निफ्टी और सेंसेक्स ने साल की शुरुआत से लगभग 12 फीसदी की गिरावट दर्ज की

नई दिल्ली।

मार्च 2026 में भारतीय शेयर बाजार में बड़ी कमजोरी देखने को मिली है। बीएसई में सूचीबद्ध 4,270 शेयरों में से 2,234 अपने 52-सप्ताह के सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुके हैं। हर पांच में से एक शेयर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर गिर गया है। निफ्टी और सेंसेक्स ने साल की शुरुआत से लगभग 12 फीसदी की गिरावट दर्ज की है। 2024 के उच्चतम स्तर से अब तक कुल बाजार पूंजीकरण में 56 लाख करोड़ रुपये की कमी आ चुकी है। विश्लेषकों का मानना है कि पश्चिम एशिया में युद्ध और बढ़ती कच्चे तेल की कीमतें भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। इससे चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और सरकार पर सब्सिडी का दबाव बनेगा, जिससे महंगाई बढ़ने की आशंका भी है। शेयर बाजार में मंदी के बीच दिग्गज ब्रोकरेज हाउसों ने निवेश रणनीति बदल दी है। गोल्डमैन सॉक्स ने 'डिफेंसिव कंजंप्शन' और 'अपस्ट्रीम एनर्जी' को प्राथमिकता दी है। बैंकों को 'ओवरवेट' रखा गया है क्योंकि मजबूत एसेट क्वालिटी और नेट इंटरेस्ट मार्जिन सहारा दे रहे हैं। वहीं ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को 'अंडरवेट' किया गया है। आईटी, फार्मा और केमिकल्स पर जोखिम बरकरार है, जबकि ऑटो और

कंज्यूमर ड्यूरेबल्स को 'मार्केटवेट' में डाउनग्रेड किया गया है।

एचएसबीसी जैसी ब्रोकरेज हाउसें इस मंदी को खरीदारी का अवसर मान रही हैं। लंबे समय तक ऊँचे वैल्यूएशन के बाद शेयर अब अपने दीर्घकालिक औसत के करीब आ गए हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं

कि निवेशक सुरक्षित क्षेत्रों जैसे बैंकिंग और डिफेंसिव कंजंप्शन सेक्टर्स पर ध्यान दें और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में सतर्क रहें।

ऑटो सेक्टर में तेज रफ्तार, मार्च 2026 में मजबूत बिक्री की उम्मीद

- ग्राहक मांग, आसान फाइनेंसिंग और ग्रामीण मजबूती से सभी सेगमेंट में ग्रोथ

नई दिल्ली।

ऑटो सेक्टर में इस समय जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है और मार्च 2026 कंपनियों के लिए मजबूत कमाई का संकेत दे रहा है। एक ब्रोकरेज फर्म की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 के आखिरी महीने में लगभग सभी ऑटो सेगमेंट में अच्छी ग्रोथ दर्ज होने की संभावना है। बेहतर ग्राहक भावना, बढ़ती आय और आसान फाइनेंसिंग के चलते बाजार में मांग लगातार बनी हुई है। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में खास मजबूती दिख रही है। प्रमुख कंपनियों की रिटेल बिक्री में करीब 15 प्रतिशत की सालाना बढ़त का अनुमान है, जबकि थोक बिक्री में लगभग 20 प्रतिशत उछाल संभव है। मे हिंद्रा एंड मे हिंद्रा और टाटा मोटर्स को नए मॉडल्स से फायदा मिल रहा है, वहीं स्ड्डह्लह्लद्ध स्ह्व5ह्वद्मद्ध की मांग मजबूत है, हालांकि उत्पादन सीमाएं थोड़ी चुनौती बनी हुई हैं। दोपहिया सेगमेंट में भी तेजी कायम है। शादी के सीजन और पिछले साल के कम आधार के कारण बिक्री में करीब 21 प्रतिशत की ग्रोथ का अनुमान है। हालांकि रायल इनफील्ड पर निर्यात दबाव का असर देखा जा सकता है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में भी मांग मजबूत बनी हुई है, जहां लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। माल ढुलाई की बढ़ती जरूरत इस ग्रोथ को सपोर्ट कर रही है। सबसे ज्यादा तेजी ट्रैक्टर सेगमेंट में देखने को मिल रही है। अच्छी बारिश, बेहतर फसल और किसानों की आय में सुधार से ग्रामीण मांग मजबूत हुई है। साथ ही, जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत किए जाने से लागत कम हुई है, जिससे बिक्री में करीब 23 प्रतिशत की बढ़त संभव है। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण निर्यात पर कुछ दबाव बना रह सकता है। कुल मिलाकर, मजबूत मांग और घटते डिस्काउंट के चलते ऑटो कंपनियों के मार्जिन में सुधार की उम्मीद है।

डब्ल्यूटीओ का मंत्रिस्तरीय सम्मेलनरू ई.कॉमर्स सीमा शुल्क पर भारत और अमेरिका में मतभेद

. सदस्य देशों ने 2031 तक रोक बढ़ाने पर विचार किया

नई दिल्ली । विश्व व्यापार संगठन ;डब्ल्यूटीओद्ध का 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन सोमवार को संपन्न हुआ। सम्मेलन में सदस्य देशों ने इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन ;ई.कॉमर्सद्ध पर सीमा शुल्क न लगाने की मौजूदा प्रथा को 30 जूनए 2031 तक बढ़ाने पर विचार किया। लगभग तीन दशकों से सदस्य देश हर दो साल में इस रोक को बढ़ाते रहे हैं। हालांकिए भारत ने राजस्व हानि की चिंताओं का हवाला देते हुए स्थायी रोक लगाने का विरोध किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सीमा शुल्क में छूट के दायरे और संभावित प्रभाव पर सदस्य देशों के बीच कोई आम सहमति नहीं हैए इसलिए इसे लगातार आगे बढ़ाने के फैसले पर बारीकी से गौर करना आवश्यक है। अमेरिका सहित अधिकतर विकसित देश इस रोक को स्थायी बनाने के पक्ष में हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने वीडियो संदेश में कहा कि अमेरिका केवल कुछ समय के लिए रोक बढ़ाने में दिलचस्पी नहीं रखता। उनका कहना था कि इससे अमेरिकी व्यवसायों को दीर्घकालिक निश्चितता नहीं मिलेगी। ई.कॉमर्स और निवेश से जुड़े मुद्दों पर मतभेदों के बावजूदए मंत्रीस्तरीय बैठक में बहुपक्षवाद बनाए रखने को प्राथमिकता दी गई। भारत ने विकसित देशों के दबाव के बावजूद आईएफडी समझौते में शामिल होने का विरोध किया। हालांकिए यह समझौता 129 देशों के बहुमत समर्थन के साथ पारित हुआ। पिछली दो मंत्रीस्तरीय बैठकों ;12वीं और 13वींद्ध की तरहए इस बार भी अंतिम घोषणा पर किसी सहमति की सूचना नहीं मिली।

रुपया 128 पैसे मजबूत होकर 93.57 पर खुला

मुंबई ।

शुरुआती कारोबार में सोमवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से 128 पैसे मजबूत होकर 93.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.62 पर खुला और फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.57 तक और मजबूत हुआ, जो पिछले बंद भाव से 128 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89 पैसे की भारी गिरावट के साथ अब तक के अपने निचले स्तर 94.85 पर बंद हुआ। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की गिरावट के

साथ 100.09 पर कारोबार कर रहा था।

जैनिक सिनर ने जीता मियामी ओपन का खिताब, फाइनल में जिरी लेहेका को हराया

मियामी (एजेंसी)। मियामी, 30 मार्च (वेब वार्ता)। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने मियामी ओपन का खिताब जीत लिया है। उन्होंने फाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर ने 'सनशाइन डबल' भी पूरा किया।

जैनिक सिनर फाइनल में जिरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराकर 2017 में रोजर फेडरर के बाद एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा, सिनर दोनों इवेंट्स में एक भी सेट गंवाए बिना यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। 24 साल के सिनर ने अपने करियर में पहली बार इंडियन वेल्स जीता और 'सनशाइन डबल' जीतने वाले आठवें पुरुष खिलाड़ी बने। नोवाक जोकोविच और फेडरर ने कई मौकों पर यह उपलब्धि हासिल की है।

जिम कूरियर (1991), माइकल चांग (1992), पीट सम्प्रास (1994), मार्सेलो रियोस (1998), आंद्रे अगासी (2001), रोजर फेडरर (2005-06) और नोवाक जोकोविच (2011, 2014-16) वो खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने सिनर से पहले सनशाइन डबल पूरा किया है। इस खास उपलब्धि को हासिल करने के बाद सिनर ने कहा, ÷यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैंने कभी (जीतने) नहीं सोचा होगा, क्योंकि इसे हासिल करना मुश्किल है। मैं अपनी इस उपलब्धि से बेहद खुश हूं।÷ सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 34 सेट जीतकर अपना शानदार रिकॉर्ड भी बढ़ाया, जो पिछले साल के पेरिस मास्टर्स की शुरुआत से जारी है। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के मुताबिक, इस सीजन में उनका रिकॉर्ड 19-2 हो गया है।

शनिवार को महिला मियामी ओपन का खिताब आर्यना सबालेंका ने जीता। उन्होंने भी सिनर की तरह अपना 'सनशाइन डबल' पूरा किया। यह महज चौथी बार है जब एटीपी खिलाड़ी और डब्ल्यूटीए खिलाड़ी ने एक ही साल में सनशाइन डबल पूरा किया है। सबसे पहली बार यह कारनामा साल 1994 में हुआ था। सैम्प्रास और स्टेफी ग्राफ ने इंडियन वेल्स और मियामी ओपन में जीत हासिल की थी।

वहीं, 2005 में फेडरर और किम क्लिस्टर्स ने यह खास उपलब्धि हासिल की थी, जबकि 2016 में जोकोविच और विक्टोरिया अजारेंका ने 'सनशाइन डबल' पूरा किया था। एटीपी रैंकिंग में सिनर अब कार्लोस अल्काराज से 1,190 प्वाइंट पीछे हैं। दूसरी ओर, 24 वर्षीय लेहेका अपने करियर के पहले एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचे थे।

300 मैच खेलने वाली पहली फेंचाइजी टीम बनी मुंबई इंडियंस

मुम्बई । मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पहले ही मैच में उतरने के साथ ही अपने 300 मैच पूरे कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। अब मुम्बई की टीम आईपीएल में 300 मैच खेलने वाली पहली टीम बन गयी है। इस मैच में केकेआर के खिलाफ मुम्बई ने सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने के साथ ही जीत दर्ज कर एक नया रिकार्ड भी बनाया है। आईपीएल ही नहीं विश्व की कोई अन्य फेंचाइजी टीम 300 मैच नहीं खेल पायी है। कर मुम्बई ने केकेआर के खिलाफ मैच में उतरने के साथ ही अपना 278वां आईपीएल मैच खेला। वहीं इससे पहले उसने 22 मुकाबले चैंपियंस लीग टी20 में खेले थे। इस तरह अब तक कुल 300 टी20 मैच मुंबई इंडियंस ने खेलें हैं।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स का मुकाबला

मुल्लांपुर (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को गुजरात टाइटंस का मुकाबला पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच से दोनो ही टीमें अपने अभियान को शुरु रही हैं और ऐसे में दोनो का ही प्रयास जीत हासिल करना रहेगा। गुजरात की कप्तानी शुभमन गिल जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर संभालेंगे। पंजाब की टीम पिछली बार श्रेयस की कप्तानी में फाइनल तक पहुंच थी, ऐसे में उनका लक्ष्य इस बार टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात का प्रदर्शन पिछली बार अच्छा नहीं रहा था, ऐसे में शुभमन इस बार टीम को जीत दिलाने के पूरे प्रयास करेंगे। शुभमन का लक्ष्य बेहतर बल्लेबाजी कर ये दिखाना भी रहेगा कि वह टी20 में भी एक अच्छे बल्लेबाज हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच कुल 6 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से दोनो ही टीमों ने 3-3 मुकाबले जीते हैं। पिछले सत्र में पंजाब जीती थी और इस बार गुजरात उस हार का बदला लेना चाहेगी। पंजाब को इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। पंजाब की बल्लेबाजी श्रेयस के अलावा प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस और निहाल वढ़ेरा पर रहेगी। वहीं गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन गिल के अलावा साइ सुदर्शन, जोस बटलर पर आधारित रहेगी। गुजरात ने इस बार अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर के अलावा टॉम बैंटन, ल्यूक वुड जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया। जिसका उसे कितना लाभ मिलता है ये देखना होगा। उसके पास राशिद खान जैसे स्टार स्पिनर भी हैं। 18 करोड़ रुपये और गिल को 16.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।

शुभमन गिल का टी20 करियर का स्ट्राइक रेट 138 है लेकिन पिछले साल उन्होंने 155 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। हार्दिक पंड्या के जाने के बाद से गिल ने कप्तानी की जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभाली है। अपने पदार्पण वर्ष 2022 में खिताब जीतने वाली गुजरात टाइटंस पिछले साल तीसरे स्थान पर रही। एक बार फिर टीम काफी संतुलित लग रही है। सलामी बल्लेबाज गिल और साइ सुदर्शन सबसे बड़ी ताकत हैं। सुदर्शन ने पिछले सत्र में सर्वाधिक 759 रन बनाए थे। वह पसली के फ्रेक्चर से उबरकर लौट रहे हैं लेकिन घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात के पास विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र जैसे विकल्प भी हैं जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 160 से ऊपर की

स्ट्राइक रेट से रन बनाये थे।

दूसरी ओर पंजाब किंग्स के लिए एक बार फिर श्रेयस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा जो तीन अलग अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक ले जा चुके हैं। उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स 2020 में और पंजाब पिछले सत्र में फाइनल तक पहुंची जबकि केकेआर ने 2024 में खिताब जीता था। पिछले सत्र में उन्होंने 175 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 604 रन बनाए थे। पंजाब का मजबूत पक्ष सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं।। वहीं मध्यक्रम में उसके पास निहाल वढेरा, शशांक सिंह और सूर्यांश शेडगे जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी की कमान हरप्रीत बरार , मार्को यानसेन के पास रहेगी। पंजाब ने कूपर कोनोली को ऑलराउंडर के रूप में टीम में शामिल किया था पर वह पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे, जिससे टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाज खिलाना पड़ सकता है। इससे टीम का बल्लेबाजी गेंदबाजी संतुलन बाधित हो सकता है जिससे टीम किस प्रकार निपटती है ये देखना होगा।

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), निहाल वढेरा, विष्णु विनोद, हरनूर पन्नू , पाइला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बरार , मार्को यानसेन, अजमतुल्लाह उमरजइ, प्रियांश आर्य, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिच ओवेन, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाख विजयकुमार, यश ठाकुर, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे और विशाल निषाद।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साइ सुदर्शन, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, टॉम बेंटोन, ग्लेन फिलिप्स, निशांत सिंधू, वॉशिंगटन सुंदर , मोहम्मद अरशद खान, साइ किशोर, जयंत यादव, जैसन होल्डर, राहुल तेवतिया, शाहरूख खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर सिंह बरार, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, ल्यूक वुड, कुलवंत हेजरोलिया, राशिद खान।

हॉकी इंडिया ने सीनियर महिला नेशनल कोचिंग कैंप के लिए 31 सदस्यीय दल घोषित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम के आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को देखते हुए अगले माह 1 से 9 अप्रैल 2026 नेशनल कोचिंग कैंप आयोजित किया है। इस कैंप के लिए 31 सदस्यीय भारतीय दल का चयन किया गया है। इस कैंप के लिए गोलकीपिंग इकाई में सविता, माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम हैं। वहीं डिफेंस लाइनअप में निक्की प्रधान और उदिता जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को रखा गया है। इसके साथ ही इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास भी हैं, जो बैक में काफी गहराई देती हैं। मिडफील्ड में कैप्टन सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरामबम, मनीषा चौहान, वैष्णवी विट्ठल फाल्के और नेहा हैं। इनके साथ-साथ सुनीता टोप्पो और इशिका जैसे उभरते हुए टैलेंट का साथ मिला। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर शामिल हैं। इसके साथ ही दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, रुतजा दादासो पिसल, बलजीत कौर, अन्नू, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो, सोनम और संगीता कुमारी भी हैं। इस कोचिंग कैंप में खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर को बेहतर बनाने, टीम संयोजन तैयार करने और रणनीतिक कौशल को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। टीम नए कोच शोर्ड मारिन के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम का इस साल व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है। टीम जून में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 में हिस्सा लेगी, इसके बाद अगस्त में महिला विश्व कप और फिर 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में होने वाले एशियाई खेलों में उतरेगी। यही कारण है कि इस कैंप का महत्व काफी अहम होगा।

कैंप के लिए भारतीय दल

गोलकीपरः सविता, माधुरी किंडो, बिचू देवी खारीबाम, बंसरी सोलंकी

डिफेंडरः निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी, ज्योति, उदिता, शिल्पी डबास

मिडफील्डरः सुशीला चानू पुखरामबम, मनीषा चौहान, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलीमा टेटे, नेहा, इशिका

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान निकी प्रसाद के साथ किया करार

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय समूह जेएसडब्ल्यू ग्रुप की खेल शाखा जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने भारत की आईसीसी महिला अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप 2025 विजेता टीम की कप्तान निकी प्रसाद के साथ करार करने की घोषणा की है। महज़ 20 वर्ष की उम्र में निकी ने अपने उत्कृष्ट नेतृत्व और लगातार शानदार प्रदर्शन से खुद को भविष्य की एक बड़ी स्टार खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है।

एक शांत और संयमित लीडर के रूप में निकी ने मात्र नौ वर्ष की आयु में अंडर-16 स्तर पर पदार्पण किया और दो वर्षों के भीतर कर्नाटक की अंडर-19 टीम में जगह बना ली। 13 वर्ष की आयु में पेशेवर क्रिकेट में कदम रखने के बाद उन्होंने लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उन्होंने भारत को अंडर-19 एशिया कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद मलेशिया में आयोजित वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी करते हुए खिताब दिलाया। वह महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करती हैं और पिछले दो सीज़न से इस फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा रही हैं, जहां उन्हें उच्च स्तर के क्रिकेट का महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त हुआ है।

इस करार पर बात करते हुए जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के टैलेंट और ब्रांड कंसल्टिंग प्रमुख हिमांशु शर्मा ने कहा, 'निकी भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिनमें कौशल, नेतृत्व और परिपक्वता का बेहतरीन संयोजन है। घरेलू क्रिकेट में पहचान बनाने से लेकर भारत को अंडर-19 वर्ल्ड कप जिताने तक उनकी यात्रा बेहद प्रेरणादायक रही है। इतनी कम उम्र में उनका संतुलन और टीम को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। हमें विश्वास है कि वह भारतीय महिला क्रिकेट के भविष्य को आकार देने की क्षमता रखती हैं और हम उनके आगे के सफर में उनका साथ देने को लेकर उत्साहित हैं।'

अपनी खुशी व्यक्त करते हुए निकी प्रसाद ने कहा, 'जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स परिवार का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह मेरे लिए गर्व का क्षण है कि मैं ऐसी संस्था से जुड़ रही हूं, जिसने विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों को लगातार समर्थन और प्रोत्साहन दिया है। युवा प्रतिभाओं पर उनका भरोसा मुझे अपने करियर के अगले चरण के लिए आत्मविश्वास देता है। मैं जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ अपनी नई यात्रा शुरू करने और आने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए उत्साहित हूं।'

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ, निकी को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं, अनुभवी एथलीट मैनेजमेंट का मार्गदर्शन और समग्र करियर समर्थन मिलेगा, जिससे वह मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह अपनी प्रगति जारी रख सकेंगी। यह सहयोग उन्हें जूनियर स्तर की सफलता से सीनियर स्तर पर एक स्थाई और सफल करियर बनाने में मदद करेगा।

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ भारत के कुछ सबसे सफल और उभरते क्रिकेटर जुड़े हुए हैं, जैसे जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, अक्षर पटेल, अंगक्रिश रघुवंशी और सूर्यांश शेडगे। निकी प्रसाद के जुड़ने से जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की क्षमता रखने वाली नई पीढ़ी के भारतीय खिलाड़ियों को पहचानने और उन्हें विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

गेंद से छेड़छाड़ मामले में फखर जमान पर लग सकता है प्रतिबंध

लाहौर। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में गेंद से छेड़छाड़ मामले में पाकिस्तान के स्टार खिलाड़ी फखर जमान पर कम से कम एक मैच का प्रतिबंध लग सकता है। फखर जमान ने रविवार को पीएसएल 2026 के मैच में लाहौर कलंदर्स की कराची किंग्स के हाथों चार विकेट की हार के दौरान गेंद से छेड़छा की यह घटना सामने आई थी। यह घटना किंग्स के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान आखिरी ओवर की शुरुआत में हुई। उस समय मैदानी अंपायर फैसल अफरीदी ने हारिस रऊफ से गेंद निरीक्षण के लिए ले ली थी, क्योंकि गेंद शाहीन शाह अफरीदी और फखर के बीच एक-दूसरे को पास की गई थी। फैसल ने दूसरे ऑन-फील्ड अंपायर शरफुद्दौला के साथ लंबी चर्चा की और दोनों ने गेंद से छेड़छाड़ होने का संदेह जताते हुए उसे बदलकर दूसरी गेंद लाने का फैसला किया। किंग्स को पांच पेनल्टी रन दिए गए और उनके बैट्समैन - खुशदिल शाह और आजम खान - को दूसरी गेंद चुनने की इजाजत दी गई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक बयान के अनुसार, कलंदर्स के इस खिलाड़ी पर लेवल-ढ्ढढ्ढ का अपराध करने का आरोप लगाया गया है। पीएसएल सीजन में पहली बार ऐसा उल्लंघन करने पर कम से कम एक मैच और अधिक से अधिक दो मैचों का प्रतिबंध लग सकता है। मैच रेफरी रोशन महानामा अगले दो दिनों में इस मामले की सुनवाई करेंगे और फखर इस आरोप का बचाव करेंगे। पांच पेनल्टी रन किंग्स के लिए अहम साबित हुए, क्योंकि उन्होंने आखिरी छह गेंदों पर 14 रन से छह गेंदों पर नौ रन कर दिए। अब्बास अफरीदी ने रऊफ को एक चौका और एक छक्का लगाकर मैच दो लीगल गेंदों में ही जीत लिया। इसके अलावा, किंग्स के हसन अली पर 19वें ओवर में हसीबुल्लाह के विकेट का जश्न मनाने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। उनके काम को लेवल-ढ्ढ का अपराध माना गया, जिसने पीएसएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.5 का उल्लंघन किया।

शीतल देवी को विश्व तीरंदाजी ने 'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज' चुना

लुसाने। भारत की शीतल देवी को विश्व तीरंदाजी ने वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना है जिनकी असाधारण उपलब्धियों में ऐतिहासिक विश्व चैम्पियनशिप खिताब शामिल है। जम्मू कश्मीर की 19 वर्ष की शीतल देवी विश्व पैरा चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला भुजाहीन तीरंदाज बनी। उन्होंने पिछले साल दक्षिण कोरिया के ग्वांग्जू में महिला कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में खिताब जीता था। शीतल भुजायें नहीं होने के बावजूद अपने पैर और कंधे का इस्तेमाल करके तीरंदाजी करती हैं। वह विश्व चैम्पियनशिप में महिला टीम में रजत और मिश्रित टीम में कांस्य भी जीत चुकी है। विश्व तीरंदाजी ने कहा,'' भारत की शीतल देवी को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना गया है जिन्होंने पिछले साल बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विश्व खिताब समेत कई उपलब्धियां हासिल की।'' शीतल ने पेरिस पैरालम्पिक में मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीता था। वह एशियाई पैरा खेल 2022 और 2023 एशियाई चैम्पियनशिप में व्यक्तिगत रजत जीत चुकी है। शीतल ने सोमवार को एक्स पर लिखा,' दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाजों के साथ नामांकन मिलना और अब विश्व तीरंदाजी द्वारा सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना जाना। इस सफर में जो भी मिला उसके लिये मेरा दिल कृतज्ञता और भावनाओं से भरा हुआ है। धन्यवाद।''

रोहित ने पहले ही मैच में 550 छक्के पूरे किये, कई रिकार्ड भी अपने नाम किये

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही अपने 550 छक्के लगा दिये। इस दौरान रोहित ने कई अन्य रिकार्ड भी बनाये। रोहित ने केवल 23 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। ये उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक भी रहा है। उन्होंने यह अर्धशतक पावरप्ले के अंदर ही पूरा कर लिया। इस पारी में तीन छक्के लगाते ही रोहित ने टी20 क्रिकेट में अपने 550 छक्के भी पूरे किये। इसके साथ ही वह टी20 में 500 से ज्यादाछक्के लगाने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी व विश्व के 9वें खिलाड़ी बन गये हैं। इस पारी के दौरान ही रोहित ने केकेआर के खिलाफ अपने 1100 रन पूरे कर लिए। इसी के साथ ही केकेआर के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले मुम्बई के खिलाड़ी बन गये हैं। रोहित शर्मा ने अपने आईपीएल करियर में 50वीं बार 50 से अधिक स्कोर बनाया। इसके साथ वह ऐसा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने। विराट कोहली के बाद वह दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं जिसने इतने अधिक अर्धशतक लगाये हैं।

टेलर-कैटरीना की जोड़ी ने जीता मियामी ओपन महिला डबल्स का खिताब

मियामी (एजेंसी)। अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा ने मियामी ओपन महिला डबल्स का खिताब अपने नाम किया। टेलर-कैटरीना की जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में इटली की सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी की जोड़ी को 7-6 (0), 6-1 से हराया। इस जीत के साथ टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा 'सनशाइन डबल' पूरा करने वालीं साल 2019 के बाद पहली जोड़ी बन गई हैं।

साल 2019 में यह खास उपलब्धि एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका की जोड़ी ने हासिल की थी। टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा की जोड़ी सनशाइन डबल पूरा करने वाली छठी महिला जोड़ी बनी है। इससे पहले यह मुकाम जाना नोवोत्ना और हेलेना सुकोवा (1990), लिसा रेमंड और रेने स्टब्स (2002), लिसा रेमंड और सामंथा स्टोसुर (2006,

2007), मार्टिना हिंगिस और सानिया मिर्जा (2015), एलिस मर्टेनस और आर्यना सबालेंका (2019) की जोड़ी हासिल कर चुकी हैं। नथासा जेवरवा (1997), हिंगिस (1999), और बेथानी माटेक-सैंड्स (2016) ने अलग-अलग पार्टनर के साथ एक ही साल में दोनों टूर्नामेंट जीते हैं।

टाउनसेंड और सिनियाकोवा ने एक साथ यह अपना पांचवां खिताब जीता है, जिसमें दो ग्रैंड स्लैम (2024 विंबलडन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन) शामिल हैं। इस जीत के बाद टाउनसेंड और सिनियाकोवा डबल्स रेस में एक स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 3 पर पहुंच जाएंगी, जबकि एरानी और पाओलिनी नंबर 8 से नंबर 6 पर पहुंच सकती हैं।

ट्रॉफी वितरण के दौरान सिनियाकोवा ने टाउनसेंड का साथ खेलने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, ÷मेरे साथ खेलने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। इसलिए मेरे साथ खेलने और इस टूर्नामेंट को मजेदार बनाने के लिए धन्यवाद। मैं आपके साथ इस समय का सच में मजा ले रही हूं।÷ यह दोनों खिलाड़ियों का दूसरा मियामी फाइनल था। टाउनसेंड 2023 के फाइनल में लेयला फर्नांडीज के साथ पहुंची थीं और सिनियाकोवा 2018 के फाइनल में साथी चेकियाई बारबोरा क्रेजसिकोवा के साथ खेली थीं। वहीं, एरानी और पाओलिनी ने भी इंडियन वेल्स में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था और मियामी ओपन में रनर-अप बने, जिससे उनकी रैंकिंग में सुधार होने की उम्मीद है।

मुंबई के खिलाफ ग्रीन ने गेंदबाजी क्यों नहीं की? रहाणे ने कहा- क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछिए

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कैमरुन ग्रीन के गेंदबाजी नहीं करने के सवाल पर कहा कि इस बारे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) से पूछिए कि वह क्यों गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। ग्रीन ने टी-20 विश्व कप के बाद से ही गेंदबाजी नहीं की है। सोमवार को सीए ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि ग्रीन पीठ के निचले हिस्से की हल्की चोट से उबर रहे हैं और गेंदबाजी में वापसी की उनकी टाइमलाइन IPL से पहले ही KKR को बता दी गई थी।

CA के प्रवक्ता ने कहा, 'कैमरन के पीठ के निचले हिस्से में चोट है, जिसका ईलाज चल रहा है। उन्हें कुछ समय के लिए गेंदबाजी से दूर रहना होगा। वह इस समय भारत में धीरे-धीरे अपनी गेंदबाजी दबाव बढ़ा रहे हैं, ताकि करीब 10-12 दिनों में वापसी कर सकें। चयकको यह जानकारी दे दी गई है और वे इससे पूरी तरह वाकिफ हैं।' उल्लेखनीय है कि ग्रीन ने सितंबर 2024 से अक्तूबर 2025 तक 12 महीने तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में गेंदबाजी नहीं की थी, क्योंकि उनकी पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर की सर्जरी हुई थी। कोलकाता नाइट राइडर्स ने ग्रीन को 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा है। गेंदबाजी संयोजन के स्थिर न होने पर रहाणे ने कहा कि टीम अभी सही संतुलन तलाश रही है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है जब ग्रीन जल्द ही गेंदबाजी शुरू करेंगे, तो संयोजन थोड़ा अलग होगा। अभी हमें संतुलन देखना है और यह समझना है कि हमारे लिए कौन अच्छा गेंदबाजी कर सकता है। बल्लेबाजी में हमने अच्छा किया, लेकिन गेंद से सही संतुलन ढूंढना बहुत जरूरी है। उम्मीद है ग्रीन जल्द गेंदबाजी शुरू करेंगे, तब हम देख पाएंगे कि संयोजन सही बैठता है या नहीं।' KKR की मुश्किलें कई मुख्य तेज गेंदबाजो की गैरमौजूदगी से और बढ़ गई हैं, जिससे टीम को कम अनुभव वाले खिलाड़ियों पर निर्भर रहना पड़ा है। रहाणे ने इसे चुनौती भरा दौर बताया, लेकिन इसे टीम के अन्य खिलाड़ियों के लिए मौका भी कहा। MI के खिलाफ 6 विकेट की हार में उन्होंने ब्लेसिंग मुजरबानी, कार्तिक त्यागी और वैभव अरोड़ा को तेज गेंदबाज के तौर पर खिलाया, जबकि स्पिन की जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती के साथ सुनील नारायण और अनुकूल रॉय ने संभाली। रहाणे ने कहा कि स्पिनर्स पर दबाव कम करने के लिए एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज होना जरूरी है, और सही संतुलन तभी बनेगा जब ग्रीन पूरी तरह योगदान दे पाएंगे।

वैभव सूर्यवंशी ने बताया कौन हैं बचपन के हीरो, युवराज सिंह के अलावा इस विदेशी खिलाड़ी का लिया नाम

गुवाहाटी (असम) (एजेंसी)। भारत के युवा बैटिंग सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 सीजन के राजस्थान रॉयल्स (RR) के पहले मैच से पहले अपने बचपन के हीरो के बारे में बात की। उन्होंने क्रिकेट के दिग्गजों ब्रायन लारा और युवराज सिंह को ऐसे क्रिकेटर बताया जिन्हें वह बड़े होते समय पसंद करते थे।

RR अपना IPL 2026 अभियान 30 मार्च को पांच बार के चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के खिलाफ शुरू करेगा। RR के खिताब की दौड़ में ICC अंडर-19 विश्व कप 2026 के विजेता सूर्यवंशी एक अहम भूमिका निभाएंगे। सूर्यवंशी ने 2025 सीजन से पहले, 13 साल की उम्र में IPL डील पाने वाले सबसे

कम उम्र के खिलाड़ी बनने के बाद से खेल के सभी फॉर्मेट में अपने नाम कई रिकॉर्ड दर्ज किए हैं।

जियोस्टार से बात करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने अपने बचपन के हीरो के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वह वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर ब्रायन लारा और भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह की अकेले दम पर मैच खत्म करने की काबिलियत के कायल थे, जिसने बड़े होते समय उन पर गहरा असर डाला। सूर्यवंशी ने कहा, 'मैंने ब्रायन लारा और युवराज सिंह, दोनों को अकेले दम पर मैच खत्म करते देखा है। अगर वे क्रीज पर होते थे, तो विरोधी टीम के पास मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं होता था और यही बात मुझे उनके बारे में सबसे ज्यादा पसंद थी।'

सूर्यवंशी ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स द्वारा चुने जाने के बाद उनका ध्यान टीम को मज़बूत शुरुआत देने, पावरप्ले में आक्रामक खेलने और उन शुरुआत को लंबी पारियों में रनों में बदलने पर है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस सीजन में उनका मुख्य लक्ष्य टीम को खिताब जीतने में मदद करना है, क्योंकि उनका मानना है कि अगर टीम सफल होती है, तो व्यक्तिगत प्रदर्शन अपने आप ही उभरकर सामने आएंगे।

उन्होंने कहा, 'जब मुझे टीम में चुना गया, तो मेरा एकमात्र लक्ष्य टीम को एक अच्छी शुरुआत देना था। मैं पावरप्ले में अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहता था, और अगर मुझे अच्छी शुरुआत मिलती, तो मैं उसे जारी रखते हुए बिना अपना विकेट गंवाए लंबी पारी खेलना चाहता था। मुझे पता था कि अगर मैं अपने शॉट्स खेलूंगा, तो मैच का रुख बदल जाएगा, क्योंकि 200 से जयादा रनों का पीछा करना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। इस सीजन में लक्ष्य टीम के लिए ट्रॉफी जीतना है। अगर हम ट्रॉफी जीतते हैं, तो मेरा और टीम का प्रदर्शन अपने आप ही सुर्खियों में आ जाएगा और यही सबसे महत्वपूर्ण बात है।'

2025 सीज़न से पहले हुए IPL मेगा ऑक्शन के दौरान सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स के साथ 1.1 करोड़ रुपए का करार किया, जिससे वह IPL के इतिहास में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उसी सीजन में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हुए IPL मैच में 14 साल की उम्र में सूर्यवंशी ञ्20 क्रिकेट में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी और IPL में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले पहले भारतीय बन गए। अपनी IPL यात्रा की शुरुआत पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर करने वाले सूर्यवंशी सीजन के उभरते हुए युवा सितारों में से एक बन गए। उन्होंने 7 पारियों में 36.00 की औसत और 206.55 के स्ट्राइक रेट से कुल 252 रन बनाए जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल था।

जिसमें मन को खुशी मिले वही काम करें

हर इंसान की पसंद, जरूरतें और प्राथमिकताएं दूसरे से अलग होती हैं। इसलिए दूसरों की बिन मांगी सलाह पर अमल करने के बजाय हमें वही करना चाहिए, जो खुद को सही लगे। मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय से जूलॉजी में एमएससी किया था। मैं बचपन से ही पढ़ाई में काफी अच्छी थी और मुझे टीचिंग का प्रोफेशन बहुत पसंद था। मैं करियर को लेकर ज्यादा महत्वाकांक्षी नहीं हूं और न ही मेरे मन में ज्यादा पैसे कमाने की लालसा है। मेरे पैरेंट्स चाहते थे कि मैं आगे रिसर्च करूं और साइंटिस्ट बनूं। इसलिए उनका मन रखने के लिए मैंने रिसर्च के लिए बीएचयू में अप्लाई कर दिया था और वहां से बुलावा भी आ गया था। इसी बीच बरेली के एक कॉलेज में भी मुझे जॉब मिल गई जिसे छोड़कर मैं बनारस नहीं जाना चाहती थी।

तब परिवार के अलावा दोस्तों और पास-पड़ोस के लोगों ने मुझे बहुत समझाया कि ऐसे मौके बार-बार नहीं मिलते और इन्हें खोना मूर्खता होगी। तुम्हें आगे रिसर्च करना चाहिए। इससे भविष्य और उज्जवल होगा। इसके लिए मुझे लोगों से कई तरह की बातें सुनने को मिलीं, पर मैं अपने फैसले पर अडिग रही। मेरा मानना है कि हमें वही कार्य करना चाहिए, जिससे हमारे मन को सच्ची खुशी मिले। अब मैं अपने कार्य से पूरी तरह संतुष्ट हूं और मुझे अपने उस निर्णय पर जरा भी अफसोस नहीं है। मैं इस बात का पूरा यकीन करती हूं कि हर इंसान को अपने जीवन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण निर्णय खुद ही लेने चाहिए।

ध्यान नहीं दिया व्यर्थ की बातों पर

मैंने शास्त्रीय संगीत में विशारद की उपाधि हासिल की है, पर शादी के बाद घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियों में व्यस्त हो गई। मैं जॉब करना चाहती थी, लोगों के सामने स्टेज पर गाना चाहती थी, जब भी मैं अपनी यह इच्छा जाहिर करती तो मेरे मायके-ससुराल वाले साथ मिलकर मुझे समझाने लगते कि ये सब बेकार की बातें हैं, बाहर की दुनिया स्त्रियों के लिए सुरक्षित नहीं है। अगर गाने का इतना ही शौक है तो घर पर ही रियाज कर लिया करो, लेकिन मैं अपनी पहचान बनाना चाहती थी। इसलिए मैंने लोगों की बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। अपनी सारी पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाते हुए शहर की कुछ सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर मैंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गाना शुरू कर दिया। आज जब लोग मेरे गायन की प्रशंसा करते हैं तो इससे मुझे सच्ची आत्म-संतुष्टि मिलती है। इतना ही नहीं, अब पारिवार के लोग भी मेरी इस कामयाबी पर गर्व करते हैं।

इन सात मंत्रों से रहा जा सकता है खुश

- अपनी सोच हमेशा सकारात्मक रखें। साथ ही प्रतिदिन अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करें। याद रखें, जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं है, बस पूरी शक्ति के साथ प्रयास करने की जरूरत है। नकारात्मक सोच रखने से न केवल हमारा आत्मविश्वास कमजोर होता है, बल्कि हमारा स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।
- पुरानी यादों और बातों को भूलकर वर्तमान पर अपना ध्यान केंद्रित करें। याद रखें यदि आप सिर्फ पुरानी यादों और बातों के बारे में सोचती रहेंगी तो वर्तमान का सुख उठाने से वंचित रह जाएंगी।
- जिस जगह या स्थान में जाने पर आपके मन को सुकून मिलता हो, ऐसी जगह पर बार-बार जाएं, लेकिन जहां जाने पर आपका मन दुखी हो जाता हो, वहां बिल्कुल न जाएं।
- जब भी मौका मिले मनपसंद संगीत सुनें। कई शोध-अध्ययनों से यह बात साबित हो चुकी है कि पसंदीदा संगीत तनाव के स्तर को काफी कम कर देता है।
- न किसी ने सही कहा कि किसी को नाराज करने में एक मिनट का भी समय नहीं लगता, लेकिन किसी को हंसाने में घंटों बीत जाते हैं। इसलिए स्वयं भी हंसें और दूसरों को भी हंसने का अवसर प्रदान करें।
- आप जो खाती हैं वही आपके चेहरे और शरीर से झलकता है। खानपान या रहन-सहन में थोड़ी-सी लापरवाही का असर सीधा आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसलिए अपने खानपान पर पर्याप्त ध्यान दें। मौसमी सब्जियों और फलों का नियमित सेवन करें। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि आपका खानपान कलरफुल हो अर्थात आपके भोजन में हर रंग का समावेश होना चाहिए।
- विशेषज्ञों का कहना है कि संतुलित डाइट से आप हमेशा फिर रह सकती हैं। न चेहरे पर रौनक तभी आती है, जब आपके शरीर को पूर्ण विश्राम मिले। इसके लिए जरूरी है कि पर्याप्त नींद लें। पर्याप्त नींद लेने से न केवल चेहरे पर चमक आती है, बल्कि स्वास्थ्य भी सही रहता है।

स्ट्रीट शॉपिंग में अच्छी बार्गेनिंग के लिए फॉलो करें ये स्मार्ट ट्रिक्स

स्ट्रीट शॉपिंग में सही बार्गेनिंग करने के लिए आप कुछ आसान ट्रिक्स को फॉलो कर सकती हैं और अच्छे सामान सही दामों में खरीद भी सकती हैं।

दिल्ली की सरोजिनी नगर मार्केट हो या फिर मुंबई की लिंकिंग रोड मार्केट, भला किसे सस्ते दामों में अच्छे सामान की शॉपिंग करना अच्छा नहीं लगता है। यूं कहा जाए कि स्ट्रीट शॉपिंग कई लोगों की जरूरत नहीं बल्कि शौक होता है। दरअसल स्ट्रीट मार्केट ऐसे मार्केट होती है जिसमें कई तरह की अच्छी और ब्रांडेड चीजें भी सही दामों में मिल जाती हैं। जब भी स्ट्रीट शॉपिंग की बात आती है तब आप में से कई लोग दुकानदार के बताए दामों पर ही चीजें खरीद लेते होंगे और कई लोग दाम कम कराने के लिए अच्छी बार्गेनिंग भी करते होंगे।

इस तरह की मार्केट में कई बार दुकानदार किसी भी सामान के दाम मनचाहे ढंग से बताते हैं और अगर आपने ठीक तरह से बार्गेनिंग नहीं की तो वो आपको सस्ते दामों वाले सामान भी ज्यादा दामों पर बेच सकते हैं। इसलिए स्ट्रीट शॉपिंग में आपको अच्छी बार्गेनिंग की जरूरत होती है जिससे आप सही सामन उचित दामों में खरीद सकें। अगर आपको बार्गेनिंग नहीं आती है तो आप कुछ स्मार्ट ट्रिक्स से स्ट्रीट शॉपिंग में बार्गेनिंग कर सकते हैं।

कई दुकानों और स्टालों की जांच करें

आप चाहे दिल्ली की सरोजिनी नगर में स्ट्रीट शॉपिंग कर रही हों या गोवा की फ्ली मार्केट में सामान खरीद रही हों, सबसे पहले आपको किसी एक सामान के लिए कई अलग -अलग स्टालों की जांच करनी चाहिए। ऐसा करके आप देखेंगे कि अधिकांश दुकानों और स्टालों में एक ही तरह के कपड़े और सामान हो सकते हैं। कई बार किसी कपड़े का पैटर्न, प्रिंट, कलर सब लगभग एक जैसा ही होता है लेकिन उनके दाम अलग होते हैं ऐसे में अगर आपको कोई ऐसी चीज मिलती है जो आपको पसंद है, तो कई दुकानों से उसके दाम पता करें। इससे आपको यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि क्या कोई दुकानदार कीमत को ज्यादा बढ़ाने की कोशिश कर रहा था। सामान्य तौर पर मार्केट की छोटी दुकानों की तुलना में सड़क के किनारे के स्टालों की दरें हमेशा सस्ती होंगी आप सही कीमत के हिसाब से बार्गेनिंग करके शॉपिंग करें।

थोड़ा झूठ भी है जरूरी

स्ट्रीट शॉपिंग के समय आपके लिए थोड़ा झूठ बोलना भी अच्छा होता है। यदि आप चाहते हैं कि दुकानदार आपको गंभीरता से ले, तो आपको यह दिखाना होगा कि आप अलग-अलग जगह और कीमतों से परिचित हैं। आप स्ट्रीट शॉपिंग दुकानदार से यह कह सकते हैं कि आप उस खास जगह और बाजारों में अच्छी तरह से खरीदारी करते हैं और आप हर एक सामान के सही दामों से परिचित हैं। ये स्मार्ट बार्गेनिंग ट्रिक आपको सस्ते दामों में अच्छी चीजें दिला सकती है।

अपने एक्सप्रेशन को न्यूट्रल रखें

कई बार आपको स्ट्रीट शॉपिंग में कोई ऐसा सामान मिल जाता है जो आपकी पसंद का होता है और आप उसे बहुत दिनों से ढूढ़ रहे होते हैं। ऐसे में उस सामान को देखकर ज्यादा एक्साइटेड होने की बजाय अपने एक्सप्रेशन को न्यूट्रल रखें। कभी भी दुकानदार के सामने ये न जटाएं कि आपको किसी सामान की बहुत ज्यादा जरूरत है। अगर दुकानदार आपकी जरूरत को समझ जाता है तो वो बढ़ चढ़ कर दाम बताता है। इसलिए आपका न्यूट्रल रिएक्शन बार्गेनिंग में मदद कर सकता है।

दुकानदार की कीमत का आधा दाम बताएं

कुछ मामलों में यह बेतुका लग सकता है, लेकिन हमेशा जब भी आओ स्ट्रीट शॉपिंग कर रहे हों तब आप दुकानदार द्वारा बताए दाम का लगभग 50-60% कम करने से आप उस कीमत के करीब पहुंच जाते हैं, जो वास्तव में उस सामान की कीमत है। दरअसल स्ट्रीट शॉपिंग में दुकानदार अपनी इच्छा से दाम बढ़ा देते हैं जो बार्गेनिंग से कम किये जा सकते हैं।

चीजों में ढूढें डिफेक्ट

जब आप स्ट्रीट शॉपिंग के लिए जाएं तो किसी भी सामान में कोई ऐसा डिफेक्ट ढूंढने की कोशिश करें जो वास्तव में डिफेक्ट न होकर उस कपड़े का डिजाइन या कलर ही हो। लेकिन आप डिफेक्ट के नाम पर अच्छी बार्गेनिंग करके स्ट्रीट शॉपिंग (भारत के इन राज्यों में उठाएं स्ट्रीट मार्केट का मजा) में चीजों के दाम कम करा सकती हैं। स्ट्रीट मार्केट में मिलने वाले बहुत से कपड़े वास्तव में ऐसे होते हैं जो होल सेल से आते हैं और इसमें कोई बहुत छोटा सा डिफेक्ट भी हो सकता है जैसे बटन का ढीला होना या किसी जगह की सिलाई खुलना। सामान सेलेक्ट करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप उसके हर इंच को स्कैन कर लें। यदि डिफेक्ट ज्यादा बड़ा नहीं है तो आप इसके दाम कम करा सकते हैं। वास्तव में यह एक स्मार्ट बार्गेनिंग ट्रिक है।

मेहंदी का रंग चढ़ेगा गहरा जानिए आसान तरीके

महिलाएं 16 श्रंगार करती है, सजती - संवरती है। उन्हीं में से मेहंदी भी श्रंगार का ही हिस्सा है। इसके बिना तीज त्योहार या किसी भी प्रकार का पर्व पूरा नहीं होता है। लेकिन बदलते दौर में मेहंदी के रंग भी फीके पड़ने लगे हैं। कुछ नुस्खें है जिन्हें फॉलो कर आप अपनी मेहंदी का रंग गहरा कर सकती हो। तो आइए जानते हैं 5 आसान से टिप्स -

- मेहंदी को घोलते समय उसमे में सादा पानी नहीं मिलाते हुए चाय की पत्ती का पानी डालें। इसे बनाने के लिए तपेली में एक कप पानी रखें,उसमे पत्ती डाल दें। पानी को थोड़ी देर उबाल लें और ठंडा होने के बाद उससे मेहंदी घोल लें।
- मेहंदी घोलने से पहले मेहंदी में ही तेल डाल दें। इससे मेहंदी का कलर एक जैसा आता है। वहीं मेहंदी हल्की सी सुख जाने के बाद एक कटोरी में पानी लेकर उसमें शक्कर डाल दें। इसके बाद रूई की मदद से मेहंदी पर लगाएं। कलर अच्छा आएगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप रूई की मदद से अचार का तेल भी लगा सकते हैं। इससे मेहंदी का कलर खूब जमेगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप इसे हटा देते हैं, और लेकिन पानी से हाथ नहीं धोएं। इसके पहले थोड़ी देर के लिए घरेलू बाम का इस्तेमाल करें। अपने हाथों पर हल्के हाथों से लगा लें। ध्यान रहे उंगलियों के पोरस पर नहीं लगाएं। ताकि गलती से आंख में नहीं लग जाएं।
- मेहंदी सूखने के बाद रूई की मदद से हल्के हाथों से मेहंदी का तेल लगा लें। इसके बाद करीब 3 घंटे तक हाथों पर पानी नहीं लगाएं। फिर देखिए कितना गहरा रंग आता है।

कैसा होना चाहिए बच्चे का पूरे हफ्ते का डाइट चार्ट

सही डेवलपमेंट और ग्रोथ के लिए बच्चे को अच्छी डाइट की जरूरत होती है। अगर आप बच्चे को उसकी उम्र के हिसाब से खाना खिलाएं, तो इससे उसके विकास में काफी मदद मिलती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बता रहे हैं कि ढाई साल के बच्चे का हफ्तेभर का डाइट चार्ट कैसा होना चाहिए।

सोमवार का भोजन चार्ट

ढाई साल के बच्चे को सुबह 7 से 8 बजे एक कप दूध में ड्राई फ्रूट्स के साथ एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में 8.30 से 9.30 बजे के बीच बच्चे को नारियल की चटनी के साथ एक डोसा खिलाएं। इसके कुछ देर बाद 11 से 11.30 बजे बच्चे को चुकंदर और गाजर का एक कप सूप पिलाएं। 1 से 2 बजे के बीच बच्चे का लंच करवाना है जिसमें उसे आधा कप हरी मटर के चावल और आधा कप चिकन करी खिलानी है। वेजिटेरियन हैं तो आधा कप चावल, आधा कप सहजन की दाल में एक चम्मच घी डालकर और आधा कप दही दें। शाम को 4.30 से 5.30 बजे बच्चे को पनीर सैंडविच दें और फिर रात को 7.30 से 8.15 बजे डिनर में एक मटर का परांठा और आधा कप दही खिलाएं।

मंगलवार की डाइट

सुबह बच्चे को एक कप दूध में बादाम और एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। नाश्ते में बच्चे को सेरेलेक खिला सकती हैं। इसके थोड़ी देर बाद एक वेज रोज और आधा कप तरबूज खिलाना है। लंच में आधा कप वेज पुलाव और आधा कप रायता खिलाएं। शाम को एक कप मैंगो जूस पिलाएं। अब डिनर में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप चुकंदर की सब्जी दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बुधवार का खाना

25 साल के बच्चे को सुबह ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक इडली और दो चम्मच नारियल की चटनी खिलाएं। कुछ देर बाद एक कप संतरे का जूस पिलाना है। लंच में आधा कप चावल, आधा कप दाल पालक, एक चम्मच घी और आधा कप दही खिलानी है। इसके थोड़ी देर बाद एक रागी का लड्डू और एक केला खिलाएं। डिनर में बच्चे को आधा कप वेजिटेबल खिचड़ी के साथ आधा कप दही दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बृहस्पतिवार का भोजन चार्ट

सुबह उठने के बाद बच्चे को एक कप केले के मिल्क शेक में एक चम्मच शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। कुछ देर बाद बच्चे को आधा कप मिक्स वेज सूप और आधा कप अनानास खिलाना है। दोपहर को लंच में आधा कप मिक्स वेजिटेबल राइस और आधा कप दाल फ्राई खिलाएं। लंच के बाद एक बेसन का लड्डू और आधा कप खरबूजा खिलाएं। डिनर में आधा कप वेज नूडल्स दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शुक्रवार का डाइट चार्ट

शुक्रवार को सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक कप पोहा खिलाएं। फिर थोड़ी देर बाद एक संतरा देना है। बच्चे को लंच में आधा कप चावल, आधा कप लौकी की दाल और एक चम्मच घी डालकर खिलाएं। शाम को एक वेज कटलेट के साथ आधा कप लस्सी पिलाएं। रात को डिनर में एक परांठा और आधा कप दाल फ्राई में एक चम्मच घी डालकर परोसें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शनिवार का खाना कैसा रखें

सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। थोड़ी देर बाद एक कप पपीता और 4 से 5 खजूर खिलाएं। लंच में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप गाजर और आलू की सब्जी दें। शाम को एक कप गाजर का सूप पिलाएं। रात को डिनर में आधा कप वेजिटेबल पास्ता खिलाएं। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन ने अपने अब तक के करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्म की हैं, लेकिन एक खास जॉनर करने से वह चूके गए हैं। अब वह सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे। इस फिल्म की कहानी को लेकर भी अपडेट सामने आया है।

इस जॉनर में अभिनय करेंगे अभिषेक बच्चन

'किंग' फिल्म के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद अपनी मारफिक्स बैनर तले एक हॉरर फिल्म बनाएंगे। इस फिल्म में ही अभिषेक बच्चन अभिनय करेंगे। कहानी के बारे में बात करें तो यह फिल्म एक पिता और बेटी के इमोशनल रिश्ते पर होगी। फिल्म की बड़े स्तर पर वीएफएक्स का काम भी किया जाएगा। वैसे अब तक इस बात की ऑफिशियल अनाउंसमेंट मेकर्स ने नहीं की है।

फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अभिषेक बच्चन फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान लीड रोल में हैं। वहीं किंग खान की बेटी सुहाना खान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टीजर में शाहरुख खान एक्शन अंदाज में नजर आए थे।

रोल में एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं अभिषेक

अभिषेक बच्चन के पास एक और फिल्म है, जिसे रितेश देशमुख ने निर्देशित किया है। फिल्म का नाम 'राजा शिवाजी' है। यह एक ऐतिहासिक फिल्म है जो छत्रपति शिवाजी महाराजा पर होगी। अभिषेक बच्चन की पिछली फिल्म 'कालीधर लापता' थी, यह एक इमोशनल ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म के लिए अभिषेक को काफी सराहा गया था।

आलिया और अनुष्का शर्मा से लेकर प्रियंका तक, इन अभिनेत्रियों ने किया फिल्म का निर्माण

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। 'डोंट बी शाय' का निर्माण आलिया खुद कर रही हैं। इससे पहले भी आलिया कई फिल्मों का निर्माण कर चुकी हैं। जानिए उन अभिनेत्रियों के बारे में जिन्होंने अभिनय के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखा है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा की है। आलिया ने मुंबई में एक कार्यक्रम में बताया कि वह अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर फिल्म 'डोंट बी शाय' का निर्माण करेंगी। आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डोंट बी शाय' की घोषणा कर फैंस को खुश कर दिया है। इससे पहले उन्होंने 'डार्लिंग्स' और 'जिग्रा' जैसी फिल्मों का भी सह-निर्माण किया है।

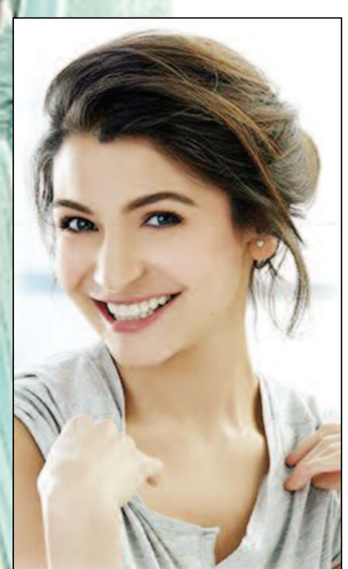

अनुष्का शर्मा

अनुष्का ने 2013 में 'क्लीन स्लेट' फिल्म्स शुरू की थी। उन्होंने 'NH10' और 'पाताल लोक' जैसी अच्छी फिल्मों का निर्माण किया है। 2022 के बाद उन्होंने प्रोडक्शन की जिम्मेदारी कम कर दी, लेकिन उनका बैनर अभी भी अच्छी और अलग तरह की फिल्में बना रहा है।

दीपिका पादुकोण

दीपिका का प्रोडक्शन हाउस अच्छी और समाज को मैसेज देने वाली कहानियां बनाने पर जोर देता है। उन्होंने 'छपाक' से शुरुआत की और फिर '83' जैसी बड़ी फिल्म बनाई। 2026 में भी दीपिका कई बड़ी फिल्मों का निर्माण कर सकती हैं।

प्रियंका चोपड़ा जोनस

प्रियंका ने अपनी निर्माण कंपनी बनाई ताकि छोटी-बड़ी और क्षेत्रीय फिल्मों को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने 'वेंटिलेटर' जैसी पुरस्कार जीतने वाली फिल्म से लेकर 2026 की हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' तक काम किया है। वह अलग-अलग तरह की कहानियों को बड़ा प्लेटफॉर्म देती हैं।

एक बार फिर हॉरर की दुनिया में वापसी करने वाले हैं अजय देवगन

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्मों 'दृश्यम 3' और 'गोलमाल 5' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उनकी एक और आगामी फिल्म को लेकर दिलचस्प खबर सामने आई है। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर की दुनिया में वापसी करने वाले हैं। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। इसके लिए उन्होंने 'सरदारजी' फ्रेंचाइजी के निर्देशक रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है।

अजय देवगन 'भूत' (2003) और 'काल' (2005) जैसी हॉरर फिल्मों में दर्शकों का मनोरंजन कर चुके हैं। अब कथित तौर पर एक्टर एक बार फिर हॉरर मूवी में नजर आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अजय देवगन ने हॉरर फिल्म के लिए रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है। फिलहाल मेकर्स इस प्रोजेक्ट के प्री-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर कुमार मंगत हैं और फिलहाल वे इसे एक हाई कॉन्सेप्ट के रूप में बनाने की तैयारी में हैं।

कास्टिंग पर चल रहा है काम

फिलहाल प्रोजेक्ट का नाम तय नहीं है। कहा जा रहा है कि इसमें एक बोल्ड, हाई-कॉन्सेप्ट वाली डरावनी कहानी दर्शकों को देखने को मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्र ने कहा कि यह फिल्म पारंपरिक हॉरर फिल्मों से अलग होगी। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर लंदन में होगी। फिल्म के लिए कास्टिंग का काम भी चल रहा है। टीम ऐसे कलाकारों को एक साथ लाने की कोशिश कर रही है, जो अजय देवगन की दमदार ऑन-स्क्रीन मौजूदगी को और भी निखार सकें। हॉरर जॉनर में अजय देवगन की वापसी की खबर ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट्स की मानें तो जुलाई से फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है। अजय देवगन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे इन दिनों 'गोलमाल 5' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2027 में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रियदर्शन ने बताया क्यों 'धुरंधर द रिवेंज' से खास है 'भूत बंगला'

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर -2' अनुमान के मुताबिक ही कमाई कर रही है। इसी वजह से कई मेकर्स ने अपनी रिलीज डेट भी आगे बढ़ा दी थी। मगर फिल्म भूत बंगला के लिए फिल्म मेकर प्रियदर्शन पूरी तरह आश्वस्त हैं। उनका कहना है कि फिल्म पूरी तरह पारिवारिक है।

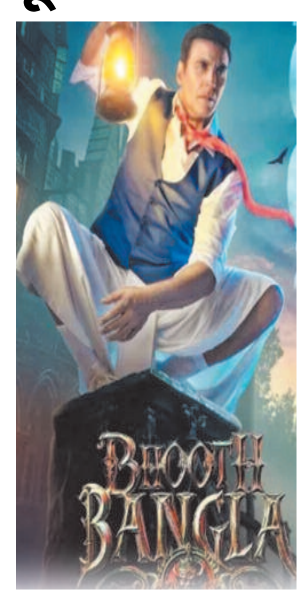

'धुरंधर 2' से कोई मुकाबला नहीं

'धुरंधर 2' की तगड़ी कमाई के बाद अब दूसरी फिल्म अक्षय कुमार की हॉरर कॉमेडी 'भूत बंगला' भी जल्द रिलीज होने वाली है। जिसे लेकर प्रियदर्शन को फिल्म की कमाई पर कोई संदेह नहीं है। हाल ही में पीटीआई को दिए अपने इंटरव्यू में फिल्ममेकर ने खुलकर अपनी आगामी फिल्म की जानकारी दी। साथ ही यह भी कहा कि 'धुरंधर 2' को आक्रामक सीन्स की वजह से बच्चों के साथ नहीं देख सकते मगर 'भूत बंगला' एक ऐसी फिल्म है जिसे आप बच्चों के साथ भी देख सकते हैं।

क्यों बनाते हैं सिर्फ कॉमेडी फिल्में

निर्देशक प्रियदर्शन ने अक्षय कुमार के साथ कई फिल्में की हैं। जिनमें हेरा फेरी, गरम मसाला और भूल भुलैया जैसी फिल्में हिट रही हैं। उन्होनें अपनी बातचीत में कहा, 'मैं सोचता हूं कि लोग अलग-अलग कहानियां देखना पसंद करते हैं। 'भूत बंगला' पूरी तरह से एक मनोरंजक फिल्म है। जो लोगों की रूचि और उनका मन लगा कर रखेगी। हमने फिल्म में किसी भी तरह का कोई डबल मीनिंग वाला शब्द नहीं रखा है। जिससे फिल्म को बच्चों के साथ भी देखा जा सकता है। इस बात को मैंने अपने करियर की शुरूआत से एक आदर्श बना कर रखा है। मैं इंटेंस ड्रामा वाली फिल्में बनाने से बचता हूं।'

'भूत बंगला' जल्द होगी रिलीज

'भूत बंगला' को लेकर प्रियदर्शन ने बताया कि इस फिल्म में भी कई ऐसे सीन हैं जो बेहद तनावपूर्ण हैं, लेकिन इसमें कई कॉमेडी सीन भी हैं। तो यह एक अच्छा संयोजन है। लोगों को दोनों पसंद आते हैं। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार के साथ परेश रावल, तब्बू, वामिका गब्बी, मिथिला पालकर, राजपाल यादव और असरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'भूत बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' 15 मई को होगी रिलीज

एक तरफ जहां संजय दत्त की नई फिल्म 'आखिरी सवाल' की रिलीज डेट सामने आ गई है, वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की रिलीज आगे खिसक गई है। अब वन की रिलीज डेट पर 'आखिरी सवाल' आएगी और 'वन' 28 अगस्त को रिलीज होगी।

'धुरंधर 2' में चौधरी असलम के किरदार से गर्दा उड़ाने के बाद संजय दत्त अब नई फिल्म 'आखिरी सवाल' में नजर आएंगे, जिसका नया पोस्टर सामने आया है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया गया है। दूसरी ओर, सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की नई रिलीज डेट भी सामने आई है। पहले यह फिल्म 15 मई को थिएटर्स में आने वाली थी, पर अब यह आगे खिसका दी गई है। अब इसकी जगह 15 मई को संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' रिलीज होगी। यहां दोनों फिल्मों की कहानी और रिलीज डेट से जुड़ी सारी जानकारी दे रहे हैं:

'आखिरी सवाल' के नए पोस्टर में संजय दत्त

सबसे पहले बात 'आखिरी सवाल' की। फिल्म की पहली झलक सामने आने के बाद से ही फैंस के बीच इसे लेकर खलबली मच नए पोस्ट और रिलीज डेट ने तहलका मचा दिया है। 'आखिरी सवाल' 15 मई को थिएटर्स में रिलीज होगी। इसे नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर अभिजीत मोहन वारंग ने डायरेक्ट किया है। 'आखिरी सवाल' में आजादी से पहले के दौर की अनकही सच्चाइयों को पहली बार दिखाया जाएगा। 'आखिरी सवाल' के पोस्टर में उस गंभीरता और विषय की सही झलक है, जिसे फिल्म में दिखाया जाएगा। एक बड़े 'क्वेश्चन मार्क' के बीच संजय दत्त का संजीदा चेहरा इस पोस्टर को काफी दिलचस्प बना रहा है, जिससे फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। इसकी टैगलाइन इसे और भी दमदार बनाती है, और वो है- वो सवाल जो भारत ने पूछना कभी बंद नहीं किया। यह अपने आप में इशारा करता है कि फिल्म एक ऐसे विषय पर आधारित है, जिससे भारत लंबे समय से जूझ रहा है।

'आखिरी सवाल' में RSS के सफर की भी कहानी इसके अलावा, 'आखिरी सवाल' दर्शकों के सामने भारत के सबसे पुराने और एकजुट संगठनों में से एक- RSS के 100 साल के सफर की सच्ची कहानी भी बताएगी। इसकी स्थापना साल 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। दर्शकों को एक ऐसी महत्वपूर्ण मीटिंग देखने को मिलेगी, जिसने भारत के भविष्य को बदल दिया। यह फिल्म इतिहास की उन कहानियों से कहीं आगे जाएगी, जो हमारी किताबों में भी नहीं मिलतीं। यह राष्ट्र के लिए निस्वार्थ सेवा के मूल विचार पर रोशनी डालती है और दर्शकों को उन सच्चाइयों से रूबरू कराने का वादा करती है जो अब तक अनकही और अनदेखी रही हैं।

'आखिरी सवाल' में संजय दत्त के अलावा अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा जैसे स्टार्स हैं। जबकि प्रोड्यूसर निखिल नंदा और संजय दत्त हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'वन' 28 अगस्त को होगी रिलीज

अब बात सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट की' की। यह एक फोक थ्रिलर है, जो पहले 15 मई को रिलीज होने वाली थी, पर अब 28 अगस्त को रक्षाबंधन के मौके पर थिएटर्स में दस्तक देगी। इसकी जानकारी ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ङ्ग पर एक ट्वीट में दी है। 'वन' को अङ्कस्न के अरुणाभ कुमार और दीपक मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। वहीं, प्रोड्यूसर एकता कपूर और उनकी मॉम शोभा कपूर हैं। 'वन' की कहानी प्राचीन लोक कथाओं और भारत के मंदिरों पर आधारित बताई जाती है। फिल्म की शूटिंग रियल लोकेशंस पर की जा रही है, जिसमें मध्य भारत के घने जंगल भी शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

क्यूबा पर अमेरिकी प्रतिबंध : विदेश मंत्री रोड्रिग्ज ने ईंधन नाकेबंदी और आर्थिक दबाव पर साधा निशाना

हवाना, एजेंसी। क्यूबा और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। क्यूबा ने अमेरिका पर ईंधन आपूर्ति को लेकर झूठ बोलने का गंभीर आरोप लगाया है। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज पैरिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि अमेरिका के दावे उसकी अपनी नीतियों और आदेशों से मेल नहीं खाते। उन्होंने 29 जनवरी के एक कार्यकारी आदेश और उसके बाद उठाए गए कदमों का हवाला देते हुए कहा कि यह क्यूबा पर क्रूर ईंधन नाकाबंदी है। रोड्रिगेज के मुताबिक, अमेरिका न सिर्फ क्यूबा को तेल देने वाले देशों और कंपनियों को प्रतिबंध की धमकी दे रहा है, बल्कि तेल टैंकरों को भी निशाना बना रहा है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन की नीति का मकसद क्यूबा की अर्थव्यवस्था को कमजोर करना, विकास रोकना, आय के स्रोत खत्म करना और बाजार व तकनीक तक उसकी पहुंच सीमित करना है। दरअसल, क्यूबा दशकों से अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, जिसके चलते देश गंभीर आर्थिक और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने भी चेतावनी दी है कि ईंधन की भारी कमी क्यूबा को मानवीय संकट की ओर धकेल रही है। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को लेकर एक विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा, 'अगला नंबर क्यूबा का है, लेकिन मीडिया से कहता हूं कि इस बात को नजरअंदाज करें।' यह बयान उन्होंने मियामी, फ्लोरिडा में आयोजित फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव सम्मेलन में दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका पहले ही वेनेजुएला और ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर चुका है। 3 जनवरी को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया गया था, जबकि 28 फरवरी से ईरान पर हमले जारी हैं। इससे पहले भी राष्ट्रपति ट्रंप कह चुके हैं कि क्यूबा जल्द गिरने वाला है, हालांकि फिलहाल उनका ध्यान ईरान पर केंद्रित है।

व्हाइट हाउस ने लॉन्च किया नया मोबाइल ऐप, अब ट्रम्प को सीधे मैसेज भेज सकेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को 'व्हाइट हाउस ऐप' नाम से एक नया मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इसका मकसद लोगों तक सरकार की जानकारी सीधे पहुंचाना और पारंपरिक मीडिया के बजाय सीधे संवाद को बढ़ावा देना है। इस ऐप में 'न्यूज' सेक्शन दिया गया है, जहां सरकारी बयान और आधिकारिक अपडेट मिलेंगे। इसके अलावा फोटो गैलरी और सोशल मीडिया सेक्शन भी मौजूद है, जिसमें व्हाइट हाउस की गतिविधियां एक ही जगह पर देखी जा सकती हैं। ऐप में लोगों के लिए सीधे जुड़ने के कई विकल्प भी दिए गए हैं। यूजर्स ट्रम्प को सीधे मैसेज भेज सकते हैं, सवाल पूछने के लिए फॉर्म भर सकते हैं और नियमित अपडेट पाने के लिए सब्सक्रिप्शन ले सकते हैं। इसके अलावा ऐप में 'आईसीई टिप लाइन' फीचर भी जोड़ा गया है, जिससे लोग इमिग्रेशन और कस्टम विभाग को सीधे जानकारी दे सकते हैं। व्हाइट हाउस के मुताबिक, इस ऐप के जरिए यूजर्स को लाइव वीडियो, तुरंत अपडेट और बिना किसी फिल्टर के जानकारी मिलेगी। यह ऐप ऐसे समय पर लॉन्च हुआ है, जब अमेरिका में ट्रम्प की लोकप्रियता में गिरावट देखी जा रही है। एक सर्वे के मुताबिक उनकी अप्रूवल रेटिंग 41% है, जबकि 59% लोग उनके कामकाज से संतुष्ट नहीं हैं।

बैथ आयरन वर्क्स में हड़ताल खत्म, कर्मचारियों ने अनुबंध मंजूर किया

ओरेगन, एजेंसी। पोर्टलैंड के मेन में बैथ आयरन वर्क्स के कर्मचारियों ने एक सप्ताह की हड़ताल के बाद नए अनुबंध को मंजूरी दे दी। हड़ताल समाप्त होने के बाद काम तुरंत शुरू हो गया। हड़ताल में शामिल कर्मचारी बैथ मरीन ड्राफ्ट्समेन एसोसिएशन के सदस्य थे। नए अनुबंध की अवधि चार साल की है। यूनियन के अनुसार, इन कर्मचारियों में डिजाइनर, तकनीकी क्लर्क, लैब तकनीशियन और सहायक इंजीनियर शामिल हैं। बैथ आयरन वर्क्स अमेरिका की मुख्य नौसेना शिपबिल्डिंग कंपनी है। यह कंपनी अर्ली बर्क–क्लास डिस्ट्रॉयर बनाती है, जिसे नौसेना की सतही फ्लीट की रीढ़ माना जाता है। हड़ताल अमेरिका–ईरान युद्ध और रक्षा निर्माण बढ़ाने की आवश्यकता के बीच हुई थी।

यूक्रेन पर रूसी ड्रोनों का बड़ा हमला अस्पताल और गैस संयंत्र तबाह

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन पर लगातार ड्रोन हमले कर भारी तबाही मचाई है। शनिवार को यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि इन हमलों में चार लोगों की मौत हो गई और एक अस्पताल, गैस उत्पादन सुविधाओं और पोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा है। वायुसेना के अनुसार, रूस ने 273 ड्रोन दागे, जिनमें से 252 मार गिराए गए। ओडेसा क्षेत्र में दो लोगों की मौत हुई और एक बच्चे सहित 12 घायल हो गए।

ईरान युद्ध के बीच अमेरिका तक हमला करने की योजना बना रहा उत्तर कोरिया

प्योंगयांग, एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल में जारी युद्ध के बीच ही उत्तर कोरिया भी सीधे अमेरिका तक वार करने वाली मिसाइल तैयार करने में जोर-शोर से जुटा हुआ है। रविवार को ही किम जोंग उन के सामने ही सॉलिड फ्यूल इंजन का टेस्ट किया गया है जिसका इस्तेमाल मिसाइलों में किया जाएगा। उत्तर कोरिया चाहता है कि वह अमेरिका की धरती तक सीधा वार कर सके।

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (के मुताबिक उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ईरान पर हमले को लेकर अमरिका और इजरायल पर भड़के हैं। उन्होंने अपने भाषम में अमेरिका को आतंकवादी तक कह डाला। उत्तर कोरिया ने जिस इंजन का टेस्ट किया है वह 2500 किलोटम का पेलोड ले जा सकता है। सितंबर महीने में भी उत्तर कोरिया ने ऐसे ही एक इंजन का टेस्ट किया था जिसमें 1900 किलोटन भार ले जाने की क्षमता थी।

जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया अमेरिका को सीधी चुनौती देता है और इसलिए वह अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने में लगा है। उत्तर कोरिया चाहता है कि वह सीधा अमेरिका तक हमला करने में सक्षम हो जाए। केसीएनए ने यह नहीं बताया कि यह टेस्ट कहां और कितने बजे किया गया। उत्तर कोरिया पांच साल का एक सैन्य शक्ति अभियान चला रहा है। इसका उद्देश्य परमाणु क्षमता, इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल तैयार करना है। हाल के सालों में उत्तर कोरिया ने ऐसे कई हथियारों का परीक्षण किया है जो कि अमेरिका के मेनलैंड में हमला करने में सक्षम हों। पर्यवेक्षकों का कहना है कि इंजन की शक्ति बढ़ाने की यह कोशिश संभवतः एक ही मिसाइल पर कई आयुध लगाने के प्रयासों से जुड़ी है ताकि अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदने की संभावना बढ़ाई जा सके। केसीएनए की खबर के अनुसार किम ने कहा कि नवीनतम इंजन परीक्षण का ''देश की सामरिक सैन्य ताकत को सर्वोच्च स्तर पर पहुंचाने में बहुत महत्व'' है। हाल के वर्षों में उत्तर कोरिया ने विभिन्न प्रकार की ऐसी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया है जो अमेरिकी मुख्यभूमि तक पहुंचने की उनकी संभावित क्षमता को प्रदर्शित करती हैं। इनमें ठोस प्रणोदक वाली मिसाइलें भी शामिल हैं जिनका प्रक्षेपण से पहले पता लगाना अधिक कठिन होता है। किम जोंग उन ने कहा था कि अमेरिका विरोधी भावनाओं के उभार के बीच उसके खिलाफ संयुक्त मोर्चे में उत्तर कोरिया और मजबूत भूमिका निभाएगा। हालांकि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा कि उनके दुश्मन 'चाहे टकराव का विकल्प चुनें या फिर शांतिपूर्ण सह अस्तित्व का, लेकिन वह किसी भी विकल्प का जवाब देने के लिए तैयार हैं।' अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदने में सक्षम केसीएनए के अनुसार किम जोंग उन ने मिश्रित कार्बन फाइबर सामग्री से बने नए उन्नत इंजन का 'ग्राउंड जेट' परीक्षण देखा। नए इंजन का अधिकतम थ्रस्ट 2,500 किलोटन है, जो पिछले सितंबर में परीक्षण किए गए लगभग 1,971 किलोटन से अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस शक्ति वृद्धि का उद्देश्य एक ही मिसाइल पर कई आयुध लगाने की क्षमता बढ़ाना और अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदने की संभावना बढ़ाना है। हालांकि केसीएनए ने परीक्षण की सटीक तिथि और स्थान नहीं बताया।

अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइलें केसीएनए ने बताया कि यह परीक्षण उत्तर कोरिया के पांच-वर्षीय सैन्य विस्तार कार्यक्रम के तहत किया गया, जिसमें सामरिक हमले के साधनों को उन्नत करना शामिल है। किम ने कहा कि नवीनतम इंजन परीक्षण देश की सामरिक सैन्य ताकत को सर्वोच्च स्तर पर ले जाने में महत्वपूर्ण है। पिछले कई सालों में उत्तर कोरिया ने अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों के विभिन्न परीक्षण किए हैं, जिनमें ठोस ईंधन वाली मिसाइलें भी शामिल हैं। ठोस प्रणोदक वाली मिसाइलें प्रक्षेपण से पहले पहचानने में अधिक कठिन होती हैं, जिससे अमेरिकी रक्षा प्रणाली के लिए चुनौती बढ़ जाती है। ईरान में बाद उत्तर कोरिया नई मुसीबत ईरान के साथ चल रहे संघर्ष में गंभीर नुकसान झेल रहे डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के लिए अब उत्तर कोरिया एक नई चुनौती बन सकता है। लगातार मिसाइल और हथियार परीक्षण कर रहे किम जोंग उन की गतिविधियों के कारण कोरियाई प्रायद्वीप पर अक्सर तनावपूर्ण स्थिति बनी रहती है।

ईरान का बहरीन के एल्युमिनियम प्लांट पर हमला, दो कर्मचारी घायल

तेहरान, एजेंसी। बहरीन की प्रमुख औद्योगिक कंपनी एल्युमिनियम बहरीन (अल्बा) ने रविवार को पुष्टि की कि उसके औद्योगिक संयंत्र को शनिवार को हुए हमले में निशाना बनाया गया। इस घटना में कंपनी के दो कर्मचारियों को मामूली चोटें आई हैं। बहरीन न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कंपनी ने अपने बयान में कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और घायल कर्मचारियों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी गई है।

कंपनी ने यह भी बताया कि फिलहाल प्लांट को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। साथ ही, संचालन को सामान्य बनाए रखने और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। अल्बा के बयान में कहा गया 'कंपनी के कर्मचारियों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है और इस हमले में हमारे दो कर्मचारी घायल हुए हैं।' कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि जैसे-जैसे नई जानकारी सामने आएगी, उसे साझा किया जाएगा।

आईआरजीसी ने ली हमले की जिम्मेदारी : इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। ईरानी सरकारी मीडिया ढ्ढक्रठ्ठके अनुसार, आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित प्रमुख औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाया। आईआरजीसी के बयान में कहा गया कि उसकी एयरोस्पेस और नौसेना बलों ने मिसाइल और ड्रोन के जरिए एक संयुक्त अभियान चलाया। इस अभियान में यूएई के अमीरात ग्लोबल एल्युमिनियम और बहरीन के एल्युमिनियम बहरीन प्लांट को टारगेट किया गया।

अमेरिकी सैन्य उद्योग से जुड़ाव का आरोप : आईआरजीसी ने आरोप लगाया कि ये औद्योगिक इकाइयां अमेरिकी रक्षा और एयरोस्पेस उद्योग से जुड़ी हैं। संगठन के अनुसार, ये संयंत्र अमेरिकी सैन्य उत्पादन को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देते हैं। ईरान ने यह भी कहा कि यह कार्रवाई उसके औद्योगिक ढांचे पर हुए कथित 'अमेरिकी-जायोनी' हमलों के जवाब में की गई है।

तनाव बढ़ने के संकेत : आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि उसकी जवाबी कार्रवाई आगे और भी तेज हो सकती है। इस बयान से संकेत मिल रहे हैं कि क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ सकता है। पश्चिम एशिया में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति के बीच, इस तरह के हमले क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। हाल के दिनों में कई देशों में रणनीतिक ढांचों पर हमलों की खबरें सामने आई हैं।

सैटेलाइट तस्वीरों को लेकर जेलेंस्की का बड़ा दावा, कहा- ईरान की मदद कर रहा है रूस?

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा है कि रूस ने सऊदी अरब में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे की उपग्रह तस्वीरें हमले से ठीक पहले कई बार ली थीं और यह जानकारी ईरान के साथ साझा की गई हो सकती है। इस दावे ने पहले से ही तनावपूर्ण अंतरराष्ट्रीय माहौल को और गंभीर बना दिया है। जेलेंस्की के अनुसार, यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में यह सामने आया है कि रूस के सैटेलाइट ने प्रिंस सुल्तान एयरबेस की 20 मार्च, 23 मार्च और 25 मार्च को तस्वीरें ली थीं। इसके ठीक एक दिन बाद 26 मार्च को ईरान ने इस एयरबेस पर हमला किया।

बताया गया है कि इस हमले में ईरान ने छह बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दागे। इस हमले में कम से कम 15 सैनिक घायल हुए, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई गई है। यह एयरबेस अमेरिका और सऊदी अरब दोनों की सेनाओं के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक ठिकाना है।

जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के अनुभव के अनुसार, रूस द्वारा किसी स्थान की बार-बार सैटेलाइट इमेजिंग करना संभावित हमले का संकेत होता है। उन्होंने कहा, 'अगर वे एक बार तस्वीर लेते हैं तो तैयारी होती है, दूसरी बार लेते हैं तो वह अभ्यास जैसा होता है और तीसरी बार का मतलब है कि एक-दो दिनों में हमला हो सकता है। हालांकि, इस दावे के समर्थन में अभी तक कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य सार्वजनिक नहीं किया गया है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि यूक्रेन ने यह जानकारी कैसे प्राप्त की। फिर भी इस बयान को वैश्विक स्तर पर गंभीरता से लिया जा रहा है, क्योंकि इससे रूस और ईरान के बीच संभावित सैन्य सहयोग की आशंकाएं बढ़ती हैं। जेलेंस्की इस समय खाड़ी देशों के दौरे पर हैं, जहां वे अपने देश की एयर डिफेंस प्रणालियों को साझा करने और सहयोग बढ़ाने के लिए समझौते करने की कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन की ये प्रणालियां रूस के साथ चल रहे युद्ध में परखी जा चुकी हैं और अब उन्हें ईरानी मिसाइल और ड्रोन खतरों का सामना कर रहे देशों के लिए उपयोगी बताया जा रहा है।

ईरान युद्ध के बीच अमेरिका में निकली ट्रंप के खिलाफ रैली

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिका और यूरोप में हजारों लोगों ने सड़कों पर उतरकर नो किंग' नाम से बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए। ये प्रदर्शन डोनाल्ड की नीतियों खासकर ईरान के साथ चल रहे युद्ध और उनकी आक्रामक राजनीतिक शैली के खिलाफ आयोजित किए गए। इन रैलियों ने न केवल अमेरिका बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक ध्यान आकर्षित किया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि ट्रंप के फैसलों ने मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल आया है और दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता बढ़ी है। कई अर्थशास्त्रियों ने आशंका जताई है कि इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में धीमी वृद्धि, महंगाई में तेजी और यहां तक कि स्टैगफ्लेशन जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। इन विरोध प्रदर्शनों का केंद्र अमेरिका का मिनेसोटा राज्य रहा, जहां हजारों लोग एकजुट होकर ट्रंप की इमिग्रेशन नीति के खिलाफ खड़े नजर आए। लोगों ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के रूप में पेश किया और सरकार की नीतियों को चुनौती दी। नो किंग' रैलियों के आयोजकों के अनुसार, इससे पहले जून और अक्टूबर में हुए प्रदर्शनों में क्रमशः 50 लाख और 70 लाख लोग शामिल हुए थे। इस बार करीब 90 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद जताई गई थी, हालांकि वास्तविक आंकड़े अभी स्पष्ट नहीं हैं। इन प्रदर्शनों में आव्रजन नीति, ट्रांसजेंडर अधिकारों में कटौती और ईरान युद्ध जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। इस बीच, मशहूर अमेरिकी गायक ब्रूस स्प्रिंग्सटीन मिनेसोटा के सेंट पॉल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का आकर्षण बने। उन्होंने अपने गीत 'स्ट्रीट आफ मिनियापोलिस ' के जरिए पुलिस कार्रवाई और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाई। यह गीत संघीय एजेंटों द्वारा दो लोगों की मौत के बाद लिखा गया था। स्प्रिंगस्टीन ने मंच से लोगों के विरोध को उम्मीद की किरण बताया। देश के अन्य हिस्सों में भी बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। सैन डियागो में लगभग 40,000 लोगों ने मार्च किया, जबकि वाशिंगटन डीसी में सैकड़ों लोग लिंकन स्मारक से लेकर नेशनल मॉल तक रैली निकालते दिखे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में 'पुट डाउन द क्राउन' और 'सत्ता परिवर्तन की शुरुआत घर से होती है' जैसे नारे लिखे पोस्टर थे।

लॉस एंजिल्स में स्थिति कुछ तनावपूर्ण हो गई, जहां पुलिस ने एक संघीय डिटेंशन सेंटर के पास आंसू गैस का इस्तेमाल किया और कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया। वहीं न्यूयॉर्क सिटी में नागरिक अधिकार संगठनों ने सरकार पर लोगों को डराने का आरोप लगाया। इन प्रदर्शनों की गूंज यूरोप में भी सुनाई दी। रोम, लंदन और पेरिस सहित कई शहरों में लोगों ने मार्च निकालकर ट्रंप की नीतियों और ईरान युद्ध का विरोध किया। रोम में प्रदर्शनकारियों ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के खिलाफ भी नारे लगाए, जबकि लंदन में 'स्टॉप द फार राइट' जैसे संदेश देखने को मिले। वाइट हाउस ने इन प्रदर्शनों को खारिज करते हुए कहा कि ये वामपंथी संगठनों द्वारा प्रायोजित हैं और आम जनता का इनसे ज्यादा संबंध नहीं है।

पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख कमर बाजवा की मौत

बाथरूम में फिसलने से सिर में गंभीर चोट आई थी, 1 महीने से हॉस्पिटल में थे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा का 65 साल की उम्र में शनिवार को निधन हो गया। फरवरी में घर के बाथरूम में फिसलने के बाद उन्हें सिर में गंभीर चोट लगी थी, जिसके बाद रावलपिंडी के मिलिट्री अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था और वे आईसीयू में भर्ती थे। डॉक्टरों ने उनकी सर्जरी की थी। शुरुआत में डॉक्टरों ने सर्जरी को सफल बताया था, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी और लगातार निगरानी में रखा गया था। बाजवा 2016 से 2022 तक पाकिस्तान के सेना प्रमुख रहे और रिटायरमेंट के बाद भी देश की राजनीति और सुरक्षा मामलों में प्रभावशाली माने जाते थे। इमरान खान के साथ विवादों की वजह से चर्चा में थे कमर जावेद बाजवा पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ विवाद को लेकर काफी चर्चा में रहे थे। शुरुआत में दोनों के रिश्ते अच्छे थे, लेकिन बाद में हालात पूरी तरह बदल गए। जब 2018 में इमरान खान प्रधानमंत्री बने, तब कहा जाता था कि सरकार और सेना 'एक पेज' पर हैं। माना जाता है कि उस समय बाजवा के नेतृत्व में सेना का इमरान सरकार को समर्थन था और दोनों के बीच तालमेल ठीक था। लेकिन 2021 में आईएसआई प्रमुख की नियुक्ति को लेकर दोनों के बीच मतभेद शुरू हो गए। सेना चाहती थी कि नदीम अंजुम को तुरंत ISI चीफ बनाया जाए, जबकि इमरान खान इस फैसले को टाल रहे थे। यहीं से दोनों के रिश्तों में दरार आनी शुरू हो गई। इसके बाद 2022 में इमरान खान की सरकार गिर गई। इमरान खान ने आरोप लगाया कि सेना ने उनका साथ छोड़ दिया और विपक्ष को समर्थन दिया। हालांकि सेना ने इन आरोपों से इनकार किया। सरकार जाने के बाद इमरान खान ने खुलकर बाजवा और सेना की आलोचना शुरू कर दी। उनके 'न्यूट्रल तो जानवर होता है' वाले बयान ने इस विवाद को और बढ़ा दिया। 6 साल में अरबपति हो गया था बाजवा का परिवार कमर जावेद बाजवा के रिटायरमेंट के बाद उनकी फैमिली की संपत्ति को लेकर भी बड़ा विवाद हुआ था। 2022 में पाकिस्तानी पत्रकार अहमद नूरानी की रिपोर्ट में कहा गया था उनके परिवार की संपत्ति महज 6 साल में तेजी से बढ़कर अरबों में पहुंच गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, बाजवा के रिश्तेदारों और करीबियों ने कराची और लाहौर जैसे बड़े शहरों में फार्म हाउस बनाए, बड़े बिजनेस शुरू किए और विदेशों में भी प्रॉपर्टी खरीदी। रिपोर्ट में कहा गया कि इन सभी संपत्तियों की कुल कीमत करीब 1200 करोड़ पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा हो सकती है। यह प्रॉपर्टी मुख्य रूप से उनकी पत्नी आयशा अमजद, बहू महनूर साबिर और परिवार के अन्य करीबी लोगों के नाम पर बताई गई। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 तक आयशा अमजद के नाम कोई प्रॉपर्टी नहीं थी, लेकिन 2016 में अचानक कई प्रॉपर्टी खरीदी गई और उनकी संपत्ति तेजी से बढ़ गई।

अमेरिकी संसद ने खोली पोल, कहा- पाकिस्तान में बैठे हैं भारत पर हमला करने वाले आतंकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अपनी आतंकवादी गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान एकबार फिर बेनकाब हो गया है। अमेरिकी संसद की रिसर्च यूनिट अमेरिकी कांग्रेस अनुसंधान सेवा की एक ताजा रिपोर्ट ने भारत की उन आरोपों को और बल दिया है जिनमें पाकिस्तान से संचालित आतंकी संगठनों की गतिविधियों को लेकर लंबे समय से सवाल उठाए जाते रहे हैं। खासतौर पर जम्मू-कश्मीर से जुड़े आतंकवादी नेटवर्क पर इस रिपोर्ट ने गंभीर टिप्पणी की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की जमीन से भारत और खासकर कश्मीर में कई आतंकी संगठन अब भी सक्रिय हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हरकत-उल जिहाद इस्लामी, हरकत उल-मुजाहिदीन और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठन शामिल हैं। ये सभी भारत की सुरक्षा के लिए लगातार खतरा बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान लंबे समय से विभिन्न आतंकी संगठनों का केंद्र रहा है, जिनमें से कई 1980 के दशक से सक्रिय हैं। हालांकि पाकिस्तान ने इन पर कार्रवाई के लिए कई सैन्य अभियान और नीतिगत कदम उठाए हैं, लेकिन इन संगठनों को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सका है। आपको बता दें कि यह रिपोर्ट दक्षिण एशिया विशेषज्ञ के. एलन क्रोनस्टाड्ट द्वारा तैयार की गई है। इस रिपोर्ट का उद्देश्य अमेरिकी सांसदों को क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति से अवगत कराना है। इसमें आतंकी संगठनों को पांच श्रेणियों में बांटा गया है। वैश्विक, अफगानिस्तान केंद्रित, भारत (कश्मीर) केंद्रित, घरेलू और सांप्रदायिक विशेषकर शिया विरोधी। तालिबान का भी जिक्र वैश्विक स्तर पर सक्रिय संगठनों में अल कायदा, भारतीय उपमहाद्वीप में अल कायदा और इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रांत का उल्लेख किया गया है। वहीं अफगानिस्तान से जुड़े संगठनों में तालिबान और हक्कानी नेटवर्क शामिल हैं। घरेलू स्तर पर सक्रिय समूहों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और जैश अल-अदल का नाम लिया गया है, जबकि सांप्रदायिक संगठनों में सिपह-ए-सहाबा पाकिस्तान और लश्कर-ए-झांगवी का जिक्र है। पाकिस्तान का ऐक्शन बेअसर रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2014 में पाकिस्तान द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय कार्ययोजना का उद्देश्य देश में किसी भी सशस्त्र मिलिशिया को सक्रिय नहीं रहने देना था। इसके बावजूद बड़े पैमाने पर सैन्य अभियानों, हवाई हमलों और हजारों खुफिया आधारित ऑपरेशनों के बाद भी इन संगठनों को समाप्त नहीं किया जा सका। रिपोर्ट के मुताबिक, कई बड़े सैन्य अभियान और सैकड़ों हजार खुफिया ऑपरेशन भी उन आतंकी संगठनों को खत्म करने में असफल रहे हैं, जिन्हें अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवादी घोषित किया गया है और जो अब भी पाकिस्तान में सक्रिय हैं। रिपोर्ट यह भी स्वीकार करती है कि पाकिस्तान खुद भी आतंकवाद से बुरी तरह प्रभावित रहा है। 2003 के बाद से देश में आतंकी हमलों की संख्या और प्रभाव काफी बढ़ा है।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका-इजरायल पर विश्वविद्यालयों को 'जानबूझकर' टारगेट करने का लगाया आरोप

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच जारी संघर्ष की वजह से दुनिया के दूसरे देशों में तनाव बढ़ता जा रहा है। दोनों तरफ से हमले जारी हैं। इस बीच ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका और इजरायल पर ये आरोप लगाया है कि दोनों देश जानबूझकर विश्वविद्यालयों पर हमले कर रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने अमेरिका और इजरायल पर आरोप लगाया है कि उन्होंने युद्ध के दौरान जानबूझकर कई विश्वविद्यालयों और रिसर्च सेंटर पर हमला किया। इन हमलों में इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और तेहरान में यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी शामिल हैं। बघाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली हमले का असली मकसद सामने आ रहा है: यूनिवर्सिटी, रिसर्च सेंटर, ऐतिहासिक स्मारकों और जाने-माने वैज्ञानिकों को सिस्टमैटिक तरीके से निशाना बनाकर हमारे देश की वैज्ञानिक नींव और सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करना।' ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी के मुताबिक, युद्ध की वजह से ईरान में कम से कम 600 शैक्षिक जगहों को नुकसान पहुंचा है या वे नष्ट हो गई हैं। उन्होंने लिखा, 'इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और तेहरान में यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी उन कई यूनिवर्सिटी और रिसर्च सेंटर में से सिर्फ दो हैं जिन पर हमलावरों ने पिछले 30 दिनों में जानबूझकर हमला किया है। ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम और आने वाले खतरे का मुकाबला करना सिर्फ झूठे बहाने थे, सिर्फ मनगढ़ंत बातें जो उनके असली इरादे को छिपाने के लिए बनाई गई थीं।' इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में अमेरिका और इजरायल की ओर से की जा रही कार्रवाई की घोर निंदा की थी। उन्होंने कहा, 'ईरान के ऊपर दो न्यूक्लियर सरकारों यानी अमेरिका और इजरायल की तरफ से

जबरदस्ती एक गैर-कानूनी युद्ध थोप दिया गया है। यह हमला साफ तौर पर बिना किसी वजह के और बहुत बेरहम है।' उन्होंने यह हमला 28 फरवरी को शुरू किया जब ईरान और अमेरिका ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर अमेरिका की कही जा रही चिंताओं को हल करने के मकसद से एक डिप्लोमैटिक प्रक्रिया में लगे हुए थे। नौ महीने में दूसरी बार, उन्होंने बातचीत को रोककर और पटरी से उतारकर डिप्लोमेसी को धोखा दिया।' उन्होंने कहा कि इस हमले के सबसे डरावने उदाहरणों में से एक दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर में शजारेह तैयबेह प्राइमरी स्कूल पर किया गया हमला था, जहां 175 से ज्यादा स्टूडेंट्स और टीचर्स को जानबूझकर और बेरहमी से मार डाला गया था। अगर वो यह कहते हैं कि ये हमला जानबूझकर और पहले से प्लान किया गया नहीं था, तो इसे माना नहीं जाना चाहिए। अराघची ने कहा कि स्कूल को टारगेट करना एक वॉर क्राइम और इंसानियत के खिलाफ एक ऐसा अपराध है जिसकी सभी को साफ और बिना शर्त निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'शजारेह तैयबेह प्राइमरी स्कूल इस गैर-कानूनी युद्ध के पिछले 27 दिनों में अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए घिनौने जुर्मों का अकेला शिकार नहीं है। हमलावरों ने मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का बड़े पैमाने पर और सिस्टमैटिक तरीके से और बहुत बेरहम तरीके से उल्लंघन किया है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)